# The Canarese Almanac 1869

ಕಂನಡ

# ಪಂಚಾಂಗವು

ಕ್ರಿಸ್ತಶಕ ೧೮೬೯

ಹಿಂದು:

ಶಾಲಿವಾಹನ ಶಕ ೧೭೯೦—೧೭೯೧.

ವಿಭವ ಸಂವತ್ಸರದ ಅಂತ್ಯ, ಶುಕ್ಲ ಸಂವತ್ಸರದ ಆದಿ.

ವಿಕ್ರಮಾದಿತ್ಯನ ಶಕ ೧೯೨೫—೧೯೨೬.

ಕೊಲ್ಲ ೧೦೪೪—೧೦೪೫.

ಮಹಮ್ಮದಿ:

ಹಿಜರಿ ೧೨೮೫—೧೨೮೬.

ಫಸಲಿ ೧೨೭೮—೧೨೭೯.


**MANGALORE**

PRINTED BY STOLZ & REUTHER, BASEL MISSION PRESS

ನಾವೆಯುಪಮೆಯ ನೋಡು ನರಜೀವದೊಳ್! ಕಡಲು
ಯಾವದೆನೆ, ಸಂಸಾರ; ಗುಣಚೇಷ್ಟೆ ನೌಧ್ವಜಂ;
ಕೂವೆಮರವಂಗಗಳು; ಹಾಯಿಗಳ್ ಪಂಚೇಂದ್ರಿಯಗಳು; ನೀ ನೌವಾಹನೂ;||
ಸೇವೆಗಿಹ ಕರ್ಣಧಾರನು ಶಕ್ತಿಯೆನೆ, ಕರ್ಣ
ಭಾವದಿಂ ಬುದ್ಧಿಯಹುದಿನ್ನು ನೌಕರ್ಮವಿಹ
ಜೀವಸುಖಭೋಗಮಾತ್ಮನು ನಾವೆಯೊಳ್ ತುಂಬಿದಮಿತ ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ
ಸರಕೂ. ||೧||

ಹಾಯಿಗಳಿಗಾಶೆಯೆಂಬೆಲರು ತಾಗಲ್ಕೆ, ಚಲು
ವಾಯನಂ ಬಡೆದು, ನೌಚಲಿಸಲೊಡನೊಡನೆ ದುರ
ಪಾಯ ನಿನಗೊದಗಿ, ಮನೆ ಬದುಕಾದಿಗಳ್ ಕೆಡಲು, ದುಃಖಾಬ್ಧಿ ತೆರೆಗಳೆದ್ದೂ,||
ಆಯತದ ರೋಷವದು ಬಿರುಘಾಳಿ ಬೀಸಿ, ಚಿಂ
ತಾಯುಕುತ ಮೃತಿವಾರ್ತೆಯಿಂ ಪೇರ್ಚೆ, ನೀ ಮದದಿ
ಗೇಯುತಿಹ ದುಷ್ಕ್ರಿಯೆಗಳೆಂಬ ಬಂಡೆಯು ನಾವೆಗೊಡೆದಾತ್ಮನಾಶ
ವಹುದೂ. ||೨||

ಜಲಧಿಗರ್ಜಿತಘೋಷದೊಳಗೆ ಜಲಕಾಂತನತಿ
ಬಲಮೈದಿದಾಟದೊಳಗುದ್ದ ತೆರೆ ಕುದಿತದೊಳ
ಗೆಲೆ ನೋಡು! ಸಲೆಸೊಗಸಿನಿಂ ಚಲಿಸಿ ನಲಿದಾಡುತಿಹುದು ಮತ್ತೊಂದು ಹಡಗಾ;|
ಬಲುಕರ್ಣವೇನದಕೆ? ಕೇಳ್, ದೇವಭಕ್ತಿ; ಮ
ತ್ತೊಲಿದು ನೌವಾಹನಾಗಿರುವಾತ ದೇವರದು
ನಲುವಿಂದ ಮುಂಗೊಂಡು, ದೇವಬಲವಹ ಕರ್ಣಧಾರನಂ ಪಡೆದಿ
ರ್ಪುದೂ. ||೩||

ಬೇಕು ನಮಗೀ ಕರ್ಣಧಾರ! ಬೇಕೆಲೆ, ಬೇಕು!
ಸಾಕು, ಸಾಕೆಮ್ಮ ಬುದ್ಧಿಯ ಕರ್ಣವದು ತಳ್ಳಿ
ರೀ ಕಡಲ ದಾಟುವರೆ ದೇವಭಯಭಕ್ತಿಗಳ್ ಹಾಯಿಗಳಿಗೂದಿದೊಡೆನೇ||
ಲೋಕದ ಪ್ಲಾವನದೊಳಾವ ವ್ಯಸನವಾಗ
ದೇಕಪತಿದೃಷ್ಟಿಯಿಂದೈದಲು, ಕ್ರಿಸ್ತನತಿ
ರೇಕ ಕರುಣಾವೃತ್ತಿಯಿಂ ನೂಕುವನು ನೌಕೆಯಂ ಸ್ವರ್ಗಲೋಕದೆಡೆಗೇ.|| ೪ ||

# JANUARY.

31 DAYS.

● ಪುಷ್ಯ ಅಮವಾಸೆ, ೧೨ ಜನವರಿ.



# ಜನವರಿ.

೩೧ ದಿವಸಗಳು.

○ ಮಾಘ ಪೂರ್ಣಿಮಿ, ೨೮ ಜನವರಿ.

ದೇವರೇ, ನಿನ್ನ ಹೆಸರು ಹ್ಯಾಗೋ, ಹಾಗೆಯೇ ನಿನ್ನ ಸ್ತೋತ್ರವು ಭೂಮಿಯ ಅಂತ್ಯಗಳ ವರಿಗೂ ಆದೆ. ಕೀರ್ತ. ೪೮, ೧೦.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮುಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನಕ್ಷತ್ರ | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿನ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | F | ೧ | ಶು | ಪುಷ್ಯ ಕೃಷ್ಣ | ೩ | ೨೦ | ಆ. | ೪೦I | ಧನು. | ೧೯ | ಜಮಾದಿಖ. | ೧೭ |
| 2 | S | ೨ | ಶ | | ೪ | ೧೪I | ಮ. | ೩೬ | | ೨೦ | | ೧೮ |
| 3 | SUN | ೩ | ಆ | | ೫ | ೮II | ಪೂ. | ೩೨ | | ೨೧ | | ೧೯ |
| 4 | M | ೪ | ಚ | | ೬ | ೨II | ಉ. | ೨೮ | | ೨೨ | | ೨೦ |
| 5 | TU | ೫ | ಮ | | ೮ | ೫೨I | ಹ. | ೨೪II | | ೨೩ | | ೨೧ |
| 6 | W | ೬ | ಬು | | ೯ | ೪೮ | ಚಿ. | ೨೧III | | ೨೪ | | ೨೨ |
| 7 | TH | ೭ | ಗು | | ೧೦ | ೪೪III | ಸ್ವಾ. | ೧೯III | | ೨೫ | | ೨೩ |
| 8 | F | ೮ | ಶು | | ೧೧ | ೪೧III | ವಿ. | ೧೮III | | ೨೬ | | ೨೪ |
| 9 | S | ೯ | ಶ | | ೧೨ | ೪೧II | ಅ. | ೧೮I | | ೨೭ | | ೨೫ |
| 10 | SUN | ೧೦ | ಆ | | ೧೩ | ೪೧III | ಜ್ಯೇ. | ೧೯ | | ೨೮ | | ೨೬ |
| 11 | M | ೧೧ | ಚ | | ೧೪ | ೪೩III | ಮೂ. | ೨೦III | | ೨೯ | | ೨೭ |
| 12 | TU | ೧೨ | ಮ | | ● | ೪೬ | ಪೂ. | ೨೩III | ಮಕರ. | ೧ | | ೨೮ |
| 13 | W | ೧೩ | ಬು | ಮಾಘ ಶುದ್ಧ | ೧ | ೫೦ | ಉ. | ೨೮II | | ೨ | | ೨೯ |
| 14 | TH | ೧೪ | ಗು | | ೨ | ೫೪III | ಶ್ರ. | ೩೩I | | ೩ | | ೩೦ |
| 15 | F | ೧೫ | ಶು | | ೩ | ೬೦ | ಧ. | ೩೯I | | ೪ | ರಜಬ್. | ೧ |
| 16 | S | ೧೬ | ಶ | | ೩ | II | ಶ. | ೪೭III | | ೫ | | ೨ |
| 17 | SUN | ೧೭ | ಆ | | ೪ | ೫III | ಪೂ. | ೫೨II | | ೬ | | ೩ |
| 18 | M | ೧೮ | ಚ | | ೫ | ೧೦III | ಉ. | ೫೮ | | ೭ | | ೪ |
| 19 | TU | ೧೯ | ಮ | | ೬ | ೧೫I | ರೇ. | ೬೦ | | ೮ | | ೫ |
| 20 | W | ೨೦ | ಬು | | ೭ | ೧೮III | ರೇ. | ೩II | | ೯ | | ೬ |
| 21 | TH | ೨೧ | ಗು | | ೮ | ೨೦III | ಅ. | ೯III | | ೧೦ | | ೭ |
| 22 | F | ೨೨ | ಶು | | ೯ | ೨೧III | ಭ. | ೧೨I | | ೧೧ | | ೮ |
| 23 | S | ೨೩ | ಶ | | ೧೦ | ೨೧II | ಕೃ. | ೧೩III | | ೧೨ | | ೯ |
| 24 | SUN | ೨೪ | ಆ | | ೧೧ | ೧೯III | ರೋ. | ೧೩III | | ೧೩ | | ೧೦ |
| 25 | M | ೨೫ | ಚ | | ೧೨ | ೧೭I | ಮೃ. | ೧೨III | | ೧೪ | | ೧೧ |
| 26 | TU | ೨೬ | ಮ | | ೧೩ | ೧೩II | ಆ. | ೧೦III | | ೧೫ | | ೧೨ |
| 27 | W | ೨೭ | ಬು | | ೧೪ | ೧೦ | ಪು. | ೯ | | ೧೬ | | ೧೩ |
| 28 | TH | ೨೮ | ಗು | | ○ | ೪III | ಪು. | ೫III | | ೧೭ | | ೧೪ |
| 29 | F | ೨೯ | ಶು | ಮಾಘ ಕೃಷ್ಣ | ೨ | ೫೪ | ಆ. | ೨ | | ೧೮ | | ೧೫ |
| 30 | S | ೩೦ | ಶ | | ೩ | ೪೬II | ಮ. | ೫೨II | | ೧೯ | | ೧೬ |
| 31 | SUN | ೩೧ | ಆ | | ೪ | ೪೦III | ಉ. | ೪೮I | | ೨೦ | | ೧೭ |

# FEBRUARY.

28 DAYS.

ಮಾಘ ಅಮವಾಸೆ, ೧೧ ಫೆಬ್ರವರಿ.



# ಫೆಬ್ರವರಿ.

೨೮ ದಿವಸಗಳು.

ಫಾಲ್ಗುಣ ಪೂರ್ಣಿಮೆ, ೨೬ ಫೆಬ್ರವರಿ.

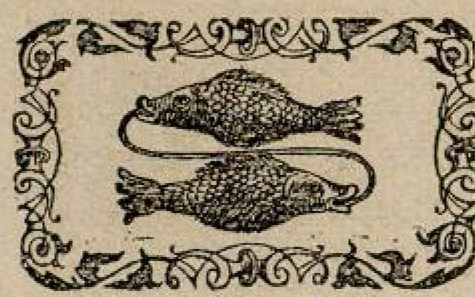
ಯೆಹೋವನನ್ನು ನಿರೀಕ್ಷಿಸು, ಬಲವಾಗಿರು; ನಿನ್ನ ಹೃದಯವನ್ನು ದೃಢ ಪಡಿಸುವನು. ಹೌದು, ಯೆಹೋವನನ್ನು ನಿರೀಕ್ಷಿಸು. ಕೀರ್ತ. ೨೭, ೧೪.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನಕ್ಷತ್ರ | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ತೇದಿ | ತಿಂಗಳು | ತೇದಿ |
| 1 | M | ೧ | ಚ | ಮಾಘ ಬಹುಳ. | ೫ | ೩೫II | ಹ. | ೪೪III | ಮಕರ. | ೨೧ | ಶಾಬಾನ್. | ೧೮ |
| 2 | Tu | ೨ | ಮ | | ೬ | ೩೦II | ಚಿ. | ೪೧III | | ೨೨ | | ೧೯ |
| 3 | W | ೩ | ಬು | | ೭ | ೨೬II | ಸ್ವಾ. | ೩೯II | | ೨೩ | | ೨೦ |
| 4 | Th | ೪ | ಗು | | ೮ | ೨೩I | ವಿ. | ೩೮ | | ೨೪ | | ೨೧ |
| 5 | F | ೫ | ಶು | | ೯ | ೨೧I | ಅ. | ೩೭I | | ೨೫ | | ೨೨ |
| 6 | S | ೬ | ಶ | | ೧೦ | ೨೦I | ಜೇ. | ೩೮II | | ೨೬ | | ೨೩ |
| 7 | SUN | ೭ | ಆ | | ೧೧ | ೨೦II | ಮೂ. | ೪೦III | | ೨೭ | | ೨೪ |
| 8 | M | ೮ | ಚ | | ೧೨ | ೨೨I | ಪೂ. | ೪೪I | | ೨೮ | | ೨೫ |
| 9 | Tu | ೯ | ಮ | | ೧೩ | ೨೪I | ಉ. | ೪೮III | | ೨೯ | | ೨೬ |
| 10 | W | ೧೦ | ಬು | | ೧೪ | ೨೯II | ಶ್ರ. | ೫೪I | | ೩೦ | | ೨೭ |
| 11 | Th | ೧೧ | ಗು | | ಅಮಾವಾಸ್ಯೆ | ೩೩III | ಧ. | ೬೦ | ಕುಂಭ. | ೧ | | ೨೮ |
| 12 | F | ೧೨ | ಶು | ಫಾಲ್ಗುಣ ಶುದ್ಧ. | ೧ | ೩೮III | ಧ. | II | | ೨ | | ೨೯ |
| 13 | S | ೧೩ | ಶ | | ೨ | ೪೪I | ಶ. | ೭I | | ೩ | | ೩೦ |
| 14 | SUN | ೧೪ | ಆ | | ೩ | ೪೯II | ಪೂ. | ೧೩ | | ೪ | ರಮಜಾನ್. | ೧ |
| 15 | M | ೧೫ | ಚ | | ೪ | ೫೩III | ಉ. | ೧೮ | | ೫ | | ೨ |
| 16 | Tu | ೧೬ | ಮ | | ೫ | ೫೭I | ರೇ. | ೨೪II | | ೬ | | ೩ |
| 17 | W | ೧೭ | ಬು | | ೬ | ೫೯II | ಅ. | ೨೮II | | ೭ | | ೪ |
| 18 | Th | ೧೮ | ಗು | | ೭ | ೬೦ | ಭ. | ೩೧II | | ೮ | | ೫ |
| 19 | F | ೧೯ | ಶು | | ೮ | ೬೦ | ಕೃ. | ೩೩I | | ೯ | | ೬ |
| 20 | S | ೨೦ | ಶ | | ೯ | ೫೮ | ರೋ. | ೩೩III | | ೧೦ | | ೭ |
| 21 | SUN | ೨೧ | ಆ | | ೧೦ | ೫೫I | ಮೃ. | ೩೨III | | ೧೧ | | ೮ |
| 22 | M | ೨೨ | ಚ | | ೧೧ | ೫೧I | ಆ. | ೩೧ | | ೧೨ | | ೯ |
| 23 | Tu | ೨೩ | ಮ | | ೧೨ | ೪೬III | ಪು. | ೨೮I | | ೧೩ | | ೧೦ |
| 24 | W | ೨೪ | ಬು | | ೧೩ | ೪೧I | ಪು. | ೨೫ | | ೧೪ | | ೧೧ |
| 25 | Th | ೨೫ | ಗು | | ೧೪ | ೩೫III | ಆ. | ೨೧I | | ೧೫ | | ೧೨ |
| 26 | F | ೨೬ | ಶು | | ಹುಣ್ಣಿಮೆ | ೨೯I | ಮ. | ೧೬II | | ೧೬ | | ೧೩ |
| 27 | S | ೨೭ | ಶ | ಫಾಲ್ಗುಣ ಬಹುಳ. | ೧ | ೨೩II | ಪು. | ೧೩ | | ೧೭ | | ೧೪ |
| 28 | SUN | ೨೮ | ಆ | | ೨ | ೧೭III | ಉ. | ೯ | | ೧೮ | | ೧೫ |

## MARCH.

31 DAYS.

● ಫಾಲ್ಗುಣ ಅಮವಾಸೆ,
೧೩ ಮಾರ್ಚ್.



## ಮಾರ್ಚ್.

೩೧ ದಿವಸಗಳು.

○ ಚೈತ್ರ ಪೂರ್ಣಮಿ,
೨೭ ಮಾರ್ಚ್.

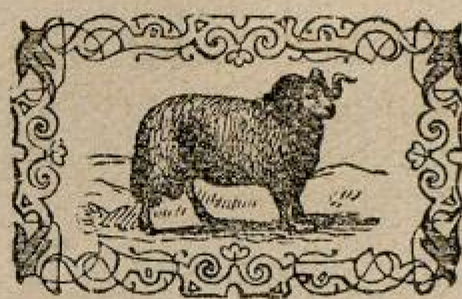
ನಮ್ಮ ಮಾರ್ಗಗಳನ್ನು ವಿಚಾರಿಸಿ, ಶೋಧಿಸಿ, ಯೆಹೋವನ ಕಡೆಗೆ ತಿರುಗಿ ಕೊಳ್ಳೋಣ. ಗೋಳಾಟ. ೩, ೪೦.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಕು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನ. ಹೆಸರು | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿವಸ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | M | ೧ | ಚ | ಫಾಲ್ಗುಣ ಕೃಷ್ಣ. | ೩ | ೧೨॥ | ಹ. | ೫। | ಕುಂಭ. | ೧೯ | ಜಿಲ್‌ಖಾಯದ್. | ೧೬ |
| 2 | TU | ೨ | ಮ | | ೪ | ೭।।। | ಚಿ. | ೨। | | ೨೦ | | ೧೭ |
| 3 | W | ೩ | ಬು | | ೫ | ೩।।। | ವಿ. | ೫೭। | | ೨೧ | | ೧೮ |
| 4 | TH | ೪ | ಗು | | ೬ | ॥ | ಅ. | ೫೭। | | ೨೨ | | ೧೯ |
| 5 | F | ೫ | ಶು | | ೮ | ೫೬।।। | ಜ್ಯೇ. | ೫೭।।। | | ೨೩ | | ೨೦ |
| 6 | S | ೬ | ಶ | | ೯ | ೫೭। | ಮೂ. | ೬೦ | | ೨೪ | | ೨೧ |
| 7 | SUN | ೭ | ಆ | | ೧೦ | ೫೮।।। | ಮೂ. | । | | ೨೫ | | ೨೨ |
| 8 | M | ೮ | ಚ | | ೧೧ | ೬೦ | ಪೂ. | ೩॥ | | ೨೬ | | ೨೩ |
| 9 | TU | ೯ | ಮ | | ೧೧ | ೨। | ಉ. | ೭।।। | | ೨೭ | | ೨೪ |
| 10 | W | ೧೦ | ಬು | | ೧೨ | ೬। | ಶ್ರ. | ೧೩ | | ೨೮ | | ೨೫ |
| 11 | TH | ೧೧ | ಗು | | ೧೩ | ೧೧। | ಧ. | ೧೯। | | ೨೯ | | ೨೬ |
| 12 | F | ೧೨ | ಶು | | ೧೪ | ೧೬। | ಶ. | ೨೫।।। | | ೩೦ | | ೨೭ |
| 13 | S | ೧೩ | ಶ | | ● | ೨೧॥ | ಪೂ. | ೩೨ | ಮೀನ. | ೧ | | ೨೮ |
| 14 | SUN | ೧೪ | ಆ | ಚೈತ್ರ ಶುಕ್ಲ. | ೧ | ೨೬। | ಉ. | ೩೮। | | ೨ | | ೨೯ |
| 15 | M | ೧೫ | ಚ | | ೨ | ೩೦॥ | ರೇ. | ೪೩।।। | | ೩ | ಜಿಲ್‌ಹಜ್. | ೧ |
| 16 | TU | ೧೬ | ಮ | | ೩ | ೩೩।।। | ಅ. | ೪೮ | | ೪ | | ೨ |
| 17 | W | ೧೭ | ಬು | | ೪ | ೩೫।।। | ಭ. | ೫೧। | | ೫ | | ೩ |
| 18 | TH | ೧೮ | ಗು | | ೫ | ೩೬। | ಕೃ. | ೫೩ | | ೬ | | ೪ |
| 19 | F | ೧೯ | ಶು | | ೬ | ೩೫।।। | ರೋ. | ೫೩॥ | | ೭ | | ೫ |
| 20 | S | ೨೦ | ಶ | | ೭ | ೩೩।।। | ಮೃ. | ೫೩। | | ೮ | | ೬ |
| 21 | SUN | ೨೧ | ಆ | | ೮ | ೩೧ | ಆ. | ೫೧।।। | | ೯ | | ೭ |
| 22 | M | ೨೨ | ಚ | | ೯ | ೨೬।।। | ಪು. | ೪೯ | | ೧೦ | | ೮ |
| 23 | TU | ೨೩ | ಮ | | ೧೦ | ೨೨। | ಪು. | ೪೫ | | ೧೧ | | ೯ |
| 24 | W | ೨೪ | ಬು | | ೧೧ | ೧೬।।। | ಆ. | ೪೨ | | ೧೨ | | ೧೦ |
| 25 | TH | ೨೫ | ಗು | | ೧೨ | ೧೧। | ಮ. | ೩೮ | | ೧೩ | | ೧೧ |
| 26 | F | ೨೬ | ಶು | | ೧೩ | ೫। | ಪು. | ೩೩ | | ೧೪ | | ೧೨ |
| 27 | S | ೨೭ | ಶ | | ○ | ೫೩। | ಉ. | ೨೯।।। | | ೧೫ | | ೧೩ |
| 28 | SUN | ೨೮ | ಆ | ಚೈತ್ರ ಕೃಷ್ಣ. | ೧ | ೪೭।।। | ಹ. | ೫। | | ೧೬ | | ೧೪ |
| 29 | M | ೨೯ | ಚ | | ೨ | ೪೩ | ಚಿ. | ೨೨॥ | | ೧೭ | | ೧೫ |
| 30 | TU | ೩೦ | ಮ | | ೩ | ೩೮।।। | ಸ್ವಾ. | ೨೦ | | ೧೮ | | ೧೬ |
| 31 | W | ೩೧ | ಬು | | ೪ | ೩೫। | ವಿ. | ೧೮। | | ೧೯ | | ೧೭ |

# APRIL.

30 DAYS.

🌑 ಚೈತ್ರ ಅಮವಾಸೆ,
೧೨ ಎಪ್ರಿಲ್.



# ಎಪ್ರಿಲ್.

೩೦ ದಿವಸಗಳು.

🌕 ಅಧಿಕ ವೈಶಾಖ ಪೂರ್ಣಮಿ,
೨೬ ಎಪ್ರಿಲ್.

ಯೆಹೋವನೇ, ನೀನು ಸಮಸ್ತ ಭೂಮಿಯ ಮೇಲೆ ಮಹೋನ್ನತನಾಗಿದ್ದೀ;
ಎಲ್ಲಾ ದೇವರುಗಳ ಮೇಲೆ ಬಹಳ ಎತ್ತರವಾಗಿದ್ದೀ. ಕೀರ್ತ. ೯೭, ೯.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ಮಾಸಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನಕ್ಷತ್ರ | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿನ | ಮಾಸಗಳು | ದಿನ |
| 1 | TH | ೧ | ಗು | ಚೈತ್ರ ಬ. | ೫ | ೩೩II | ಅ. | ೧೫II | ಮೀನ. | ೨೦ | ಶಬಾನ್. | ೧೮ |
| 2 | F | ೨ | ಶು | | ೬ | ೩೨II | ಜ್ಯೇ. | ೧೮ | | ೨೧ | | ೧೯ |
| 3 | S | ೩ | ಶ | | ೭ | ೩೨III | ಮೂ. | ೧೯II | | ೨೨ | | ೨೦ |
| 4 | SUN | ೪ | ಆ | | ೮ | ೩೪I | ಪೂ. | ೨೨I | | ೨೩ | | ೨೧ |
| 5 | M | ೫ | ಚ | | ೯ | ೩೭I | ಉ. | ೨೫ | | ೨೪ | | ೨೨ |
| 6 | TU | ೬ | ಮ | | ೧೦ | ೪೧ | ಶ್ರ. | ೩೧I | | ೨೫ | | ೨೩ |
| 7 | W | ೭ | ಬು | | ೧೧ | ೪೫III | ಧ. | ೩೭II | | ೨೬ | | ೨೪ |
| 8 | TH | ೮ | ಗು | | ೧೨ | ೫೦III | ಶ. | ೪೩II | | ೨೭ | | ೨೫ |
| 9 | F | ೯ | ಶು | | ೧೩ | ೫೬ | ಪೂ. | ೫೦I | | ೨೮ | | ೨೬ |
| 10 | S | ೧೦ | ಶ | | ೧೪ | ೬೦ | ಉ. | ೫೬III | | ೨೯ | | ೨೭ |
| 11 | SUN | ೧೧ | ಆ | | ೧೪ | ೧ | ರೇ. | ೬೦ | | ೩೦ | | ೨೮ |
| 12 | M | ೧೨ | ಚ | | 🌑 | ೫ | ರೇ. | ೨I | ಮೇಷ. | ೧ | | ೨೯ |
| 13 | TU | ೧೩ | ಮ | ಅಧಿಕ ವೈಶಾಖ ಶುದ್ಧ. | ೧ | ೫III | ಅ. | ೪I | | ೨ | | ೩೦ |
| 14 | W | ೧೪ | ಬು | | ೨ | ೭II | ಭ. | ೭III | | ೩ | ರಮಜಾನ್. | ೧ |
| 15 | TH | ೧೫ | ಗು | | ೩ | ೯ | ಕೃ. | ೧೦III | | ೪ | | ೨ |
| 16 | F | ೧೬ | ಶು | | ೪ | ೮III | ರೋ. | ೧೨I | | ೫ | | ೩ |
| 17 | S | ೧೭ | ಶ | | ೫ | ೭I | ಮೃ. | ೧೨I | | ೬ | | ೪ |
| 18 | SUN | ೧೮ | ಆ | | ೬ | ೫ | ಆ. | ೧೧III | | ೭ | | ೫ |
| 19 | M | ೧೯ | ಚ | | ೭ | ೧II | ಪು. | ೯III | | ೮ | | ೬ |
| 20 | TU | ೨೦ | ಮ | | ೯ | ೫೧II | ಪು. | ೭I | | ೯ | | ೭ |
| 21 | W | ೨೧ | ಬು | | ೧೦ | ೪೬I | ಆ. | ೪ | | ೧೦ | | ೮ |
| 22 | TH | ೨೨ | ಗು | | ೧೧ | ೪೦II | ಮ. | I | | ೧೧ | | ೯ |
| 23 | F | ೨೩ | ಶು | | ೧೨ | ೩೪I | ಉ. | ೫೨ | | ೧೨ | | ೧೦ |
| 24 | S | ೨೪ | ಶ | | ೧೩ | ೨೮I | ಹ. | ೪೮ | | ೧೩ | | ೧೧ |
| 25 | SUN | ೨೫ | ಆ | | ೧೪ | ೨೨III | ಚಿ. | ೪೪II | | ೧೪ | | ೧೨ |
| 26 | M | ೨೬ | ಚ | | 🌕 | ೧೭II | ಸ್ವಾ. | ೪೧II | | ೧೫ | | ೧೩ |
| 27 | TU | ೨೭ | ಮ | ಅಧಿಕ ವೈ. ಬ. | ೧ | ೧೩ | ವಿ. | ೩೯ | | ೧೬ | | ೧೪ |
| 28 | W | ೨೮ | ಬು | | ೨ | ೯ | ಅ. | ೩೭II | | ೧೭ | | ೧೫ |
| 29 | TH | ೨೯ | ಗು | | ೩ | ೬I | ಜ್ಯೇ. | ೩೭ | | ೧೮ | | ೧೬ |
| 30 | F | ೩೦ | ಶು | | ೪ | ೪II | ಮೂ. | ೩೮I | | ೧೯ | | ೧೭ |

| **MAY.** |  | **ಮೇ.** |
|---|---|---|
| 31 DAYS. | | ೩೧ ದಿವಸಗಳು. |
| ● ಅಧಿಕ ವೈಶಾಖ ಅಮವಾಸೆ, ೧೧ ಮೇ. | | ○ ನಿಜ ವೈಶಾಖ ಪೂರ್ಣಿಮೆ, ೨೫ ಮೇ. |

ಇಗೋ, ಈಗಲೇ ಒಳ್ಳೇ ತಕ್ಕ ಸಮಯವು; ಇಗೋ, ಈಗಲೇ ರಕ್ಷಣೆಯ ದಿನವು. ೨ ಕೊರಿಂಥ. ೬, ೨.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ಮಾಸ | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ಹೆಸರು | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿನ | ಮಾಸ | ದಿನ |
| 1 | S | ೧ | ಶ | | ೫ | ೫ | ಪೂ. | ೪೦II | | ೨೦ | | ೧೮ |
| 2 | SUN | ೨ | ಆ | | ೬ | ೫ | ಉ. | ೪೩ | | ೨೧ | | ೧೯ |
| 3 | M | ೩ | ಚ | ಅಧಿಕ ವೈಶಾಖ ಬಹುಳ | ೭ | ೭I | ಶ್ರ. | ೪೭II | | ೨೨ | | ೨೦ |
| 4 | Tu | ೪ | ಮ | | ೮ | ೧೦II | ಧ. | ೫೨III | | ೨೩ | | ೨೧ |
| 5 | W | ೫ | ಬು | | ೯ | ೧೪III | ಶ. | ೫೯ | | ೨೪ | | ೨೨ |
| 6 | Th | ೬ | ಗು | | ೧೦ | ೧೯I | ಪೂ. | ೬೦ | ಮೇಷ | ೨೫ | ಶಾಬಾನ್ | ೨೩ |
| 7 | F | ೭ | ಶು | | ೧೧ | ೨೪I | ಪೂ. | ೫ | | ೨೬ | | ೨೪ |
| 8 | S | ೮ | ಶ | | ೧೨ | ೨೯I | ಉ. | ೧೧II | | ೨೭ | | ೨೫ |
| 9 | SUN | ೯ | ಆ | | ೧೩ | ೩೩II | ರೇ. | ೧೭II | | ೨೮ | | ೨೬ |
| 10 | M | ೧೦ | ಚ | | ೧೪ | ೩೭ | ಅ. | ೨೨II | | ೨೯ | | ೨೭ |
| 11 | Tu | ೧೧ | ಮ | | ● | ೩೯I | ಭ. | ೨೭ | | ೩೦ | | ೨೮ |
| 12 | W | ೧೨ | ಬು | | ೧ | ೪೦II | ಕೃ. | ೩೦ | | ೩೧ | | ೨೯ |
| 13 | Th | ೧೩ | ಗು | | ೨ | ೪೦III | ರೋ. | ೩೨ | | ೧ | | ೩೦ |
| 14 | F | ೧೪ | ಶು | | ೩ | ೩೯ | ಮೃ. | ೩೨II | | ೨ | | ೧ |
| 15 | S | ೧೫ | ಶ | | ೪ | ೩೬I | ಆ. | ೩೧III | | ೩ | | ೨ |
| 16 | SUN | ೧೬ | ಆ | ನಿಜ ವೈಶಾಖ ಶುದ್ಧ | ೫ | ೩೨II | ಪು. | ೩೦ | | ೪ | | ೩ |
| 17 | M | ೧೭ | ಚ | | ೬ | ೨೮II | ಪು. | ೨೭III | | ೫ | | ೪ |
| 18 | Tu | ೧೮ | ಮ | | ೭ | ೨೩II | ಆ. | ೨೪II | | ೬ | | ೫ |
| 19 | W | ೧೯ | ಬು | | ೮ | ೧೭III | ಮ. | ೨೧ | | ೭ | | ೬ |
| 20 | Th | ೨೦ | ಗು | | ೯ | ೧೧III | ಪೂ. | ೧೬III | | ೮ | | ೭ |
| 21 | F | ೨೧ | ಶು | | ೧೦ | ೫II | ಉ. | ೧೩ | | ೯ | | ೮ |
| 22 | S | ೨೨ | ಶ | | ೧೨ | ೫೪ | ಹ. | ೮III | ವೃಷಭ | ೧೦ | | ೯ |
| 23 | SUN | ೨೩ | ಆ | | ೧೩ | ೪೯II | ಚಿ. | ೫ | | ೧೧ | ರಂಜಾನ್ | ೧೦ |
| 24 | M | ೨೪ | ಚ | | ೧೪ | ೪೪ | ಸ್ವಾ. | ೧II | | ೧೨ | | ೧೧ |
| 25 | Tu | ೨೫ | ಮ | | ○ | ೪೦ | ಅ. | ೫೭II | | ೧೩ | | ೧೨ |
| 26 | W | ೨೬ | ಬು | ನಿಜ ವೈಶಾಖ ಬಹುಳ | ೧ | ೩೭I | ಜ್ಯೇ. | ೫೭ | | ೧೪ | | ೧೩ |
| 27 | Th | ೨೭ | ಗು | | ೨ | ೩೫II | ಮೂ. | ೫೭I | | ೧೫ | | ೧೪ |
| 28 | F | ೨೮ | ಶು | | ೩ | ೩೪III | ಪೂ. | ೫೯II | | ೧೬ | | ೧೫ |
| 29 | S | ೨೯ | ಶ | | ೪ | ೩೫I | ಉ. | ೬೦ | | ೧೭ | | ೧೬ |
| 30 | SUN | ೩೦ | ಆ | | ೫ | ೩೭III | ಉ. | ೨ | | ೧೮ | | ೧೭ |
| 31 | M | ೩೧ | ಚ | | ೬ | ೪೦III | ಶ್ರ. | ೬I | | ೧೯ | | ೧೮ |

# JUNE.

30 DAYS.

● ನಿಜ ವೈಶಾಖ ಅಮವಾಸೆ, ೧೦ ಜೂನ್.

# ಜೂನ್.

೩೦ ದಿವಸಗಳು.

☺ ಜ್ಯೇಷ್ಠ ಪೂರ್ಣಿಮಿ, ೨೪ ಜೂನ್.

ಯೆಹೋವನು ಅವನವನಿಗೆ ಅವನ ನೀತಿಗೂ ಅವನ ಸತ್ಯಕ್ಕೂ ತಕ್ಕ ಫಲವನ್ನು ಕೊಡಲಿ. ೧ ಸಮುವೇಲ. ೨೬, ೨೩.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಕು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನ. ಹೆಸರು | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿವಸ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | Tu | ೧ | ಮ | ನಿಜ ವೈಶಾಖ ಕೃಷ್ಣ. | ೭ | ೪೪III | ಧ. | ೧೧I | ವೃಷಭ. | ೨೦ | ಸಫರ್. | ೧೯ |
| 2 | W | ೨ | ಬು | | ೮ | ೪೯II | ಶ. | ೧೭I | | ೨೧ | | ೨೦ |
| 3 | Th | ೩ | ಗು | | ೯ | ೫೪II | ಪೂ. | ೨೩II | | ೨೨ | | ೨೧ |
| 4 | F | ೪ | ಶು | | ೧೦ | ೫೯I | ಉ. | ೩೦I | | ೨೩ | | ೨೨ |
| 5 | S | ೫ | ಶ | | ೧೧ | ೬೦ | ರೇ. | ೩೬II | | ೨೪ | | ೨೩ |
| 6 | SUN | ೬ | ಆ | | ೧೧ | ೩III | ಅ. | ೪೦II | | ೨೫ | | ೨೪ |
| 7 | M | ೭ | ಚ | | ೧೨ | ೭ | ಭ. | ೪೬I | | ೨೬ | | ೨೫ |
| 8 | Tu | ೮ | ಮ | | ೧೩ | ೯II | ಕೃ. | ೪೯II | | ೨೭ | | ೨೬ |
| 9 | W | ೯ | ಬು | | ೧೪ | ೧೦ | ರೋ. | ೫೧II | | ೨೮ | | ೨೭ |
| 10 | Th | ೧೦ | ಗು | | ● | ೧೦II | ಮೃ. | ೫೨I | | ೨೯ | | ೨೮ |
| 11 | F | ೧೧ | ಶು | ಜ್ಯೇಷ್ಠ ಶುಕ್ಲ. | ೧ | ೯ | ಆ. | ೫೨ | | ೩೦ | | ೨೯ |
| 12 | S | ೧೨ | ಶ | | ೨ | ೬II | ಪು. | ೫೦II | | ೩೧ | ರಬಿಲಾವಲ್. | ೧ |
| 13 | SUN | ೧೩ | ಆ | | ೩ | ೩I | ಪು. | ೪೯I | ಮಿಥುನ. | ೧ | | ೨ |
| 14 | M | ೧೪ | ಚ | | ೫ | ೫೪II | ಆ. | ೪೫I | | ೨ | | ೩ |
| 15 | Tu | ೧೫ | ಮ | | ೬ | ೪೮ | ಮ. | ೪೧II | | ೩ | | ೪ |
| 16 | W | ೧೬ | ಬು | | ೭ | ೪೧ | ಪು. | ೩೭III | | ೪ | | ೫ |
| 17 | Th | ೧೭ | ಗು | | ೮ | ೩೫III | ಉ. | ೩೪II | | ೫ | | ೬ |
| 18 | F | ೧೮ | ಶು | | ೯ | ೨೯II | ಹ. | ೨೯II | | ೬ | | ೭ |
| 19 | S | ೧೯ | ಶ | | ೧೦ | ೨೪ | ಚಿ. | ೨೫III | | ೭ | | ೮ |
| 20 | SUN | ೨೦ | ಆ | | ೧೧ | ೧೮II | ಸ್ವಾ. | ೨೨II | | ೮ | | ೯ |
| 21 | M | ೨೧ | ಚ | | ೧೨ | ೧೩III | ವಿ. | ೧೯III | | ೯ | | ೧೦ |
| 22 | Tu | ೨೨ | ಮ | | ೧೩ | ೯III | ಅ. | ೧೭III | | ೧೦ | | ೧೧ |
| 23 | W | ೨೩ | ಬು | | ೧೪ | ೭II | ಜ್ಯೇ. | ೧೬II | | ೧೧ | | ೧೨ |
| 24 | Th | ೨೪ | ಗು | | ☺ | ೪III | ಮೂ. | ೧೭ | | ೧೨ | | ೧೩ |
| 25 | F | ೨೫ | ಶು | ಜ್ಯೇಷ್ಠ ಕೃಷ್ಣ. | ೧ | ೪I | ಪೂ. | ೧೮ | | ೧೩ | | ೧೪ |
| 26 | S | ೨೬ | ಶ | | ೨ | ೪III | ಉ. | ೨೧I | | ೧೪ | | ೧೫ |
| 27 | SUN | ೨೭ | ಆ | | ೩ | ೬II | ಶ್ರ. | ೨೫ | | ೧೫ | | ೧೬ |
| 28 | M | ೨೮ | ಚ | | ೪ | ೯II | ಧ. | ೩೦ | | ೧೬ | | ೧೭ |
| 29 | Tu | ೨೯ | ಮ | | ೫ | ೧೩I | ಶ. | ೩೫III | | ೧೭ | | ೧೮ |
| 30 | W | ೩೦ | ಬು | | ೬ | ೧೮II | ಪೂ. | ೪೨II | | ೧೮ | | ೧೯ |

# JULY.

31 DAYS.

● ಜ್ಯೇಷ್ಠ ಅಮವಾಸೆ,
೯ ಜುಲಾಯಿ.



# ಜುಲಾಯಿ.

೩೧ ದಿವಸಗಳು.

◑ ಆಷಾಢ ಪೂರ್ಣಮಿ,
೨೩ ಜುಲಾಯಿ.

ಯೆಹೋವನೇ, ನೀನು ಅಕ್ರಮಗಳ ಮೇಲೆ ಕಣ್ಣಿಟ್ಟರೆ,
ಯಾರು ನಿಲ್ಲುವರು, ಕರ್ತನೇ? ಕೀರ್ತ. ೧೩೦, ೩.

| ಆಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಕು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನ. ಹೆಸರು | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿವಸ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | TH | ೧ | ಗು | ಜ್ಯೇಷ್ಠ ಕೃಷ್ಣ. | ೭ | ೨೨I | ಉ. | ೪೯ | ಮಿಥುನ. | ೧೯ | ರಬಿಲಾವಲ್. | ೨೦ |
| 2 | F | ೨ | ಶು | | ೮ | ೨೨III | ರೇ. | ೫೪II | | ೨೦ | | ೨೧ |
| 3 | S | ೩ | ಶ | | ೯ | ೩೨ | ಅ. | ೬೦ | | ೨೧ | | ೨೨ |
| 4 | SUN | ೪ | ಆ | | ೧೦ | ೩೫II | ಅ. | I | | ೨೨ | | ೨೩ |
| 5 | M | ೫ | ಚ | | ೧೧ | ೩೮ | ಭ. | ೫ | | ೨೩ | | ೨೪ |
| 6 | TU | ೬ | ಮ | | ೧೨ | ೩೯I | ಕೃ. | ೭II | | ೨೪ | | ೨೫ |
| 7 | W | ೭ | ಬು | | ೧೩ | ೩೬III | ರೋ. | ೧೩ | | ೨೫ | | ೨೬ |
| 8 | TH | ೮ | ಗು | | ೧೪ | ೩೫II | ಮೃ. | ೧೪ | | ೨೬ | | ೨೭ |
| 9 | F | ೯ | ಶು | | ● | ೩೫I | ಆ. | ೧೧II | | ೨೭ | | ೨೮ |
| 10 | S | ೧೦ | ಶ | ಆಷಾಢ ಶುಕ್ಲ. | ೧ | ೩೧III | ಪು. | ೧೦II | | ೨೮ | | ೨೯ |
| 11 | SUN | ೧೧ | ಆ | | ೨ | ೨೭II | ಪು. | ೮I | | ೨೯ | ರಬಿಲಾಖರ್. | ೧ |
| 12 | M | ೧೨ | ಚ | | ೩ | ೨೨I | ಆ. | ೫II | | ೩೦ | | ೨ |
| 13 | TU | ೧೩ | ಮ | | ೪ | ೧೬II | ಮ. | ೨ | | ೩೧ | | ೩ |
| 14 | W | ೧೪ | ಬು | | ೫ | ೧೪III | ಉ. | ೫೪I | | ೩೨ | | ೪ |
| 15 | TH | ೧೫ | ಗು | | ೬ | ೯II | ಹ. | ೪೯III | ಕರ್ಕಾಟಕ. | ೧ | | ೫ |
| 16 | F | ೧೬ | ಶು | | ೭ | ೩II | ಚಿ. | ೪೬ | | ೨ | | ೬ |
| 17 | S | ೧೭ | ಶ | | ೯ | ೫೨I | ಸ್ವಾ. | ೪೨II | | ೩ | | ೭ |
| 18 | SUN | ೧೮ | ಆ | | ೧೦ | ೪೮II | ವಿ. | ೪೦ | | ೪ | | ೮ |
| 19 | M | ೧೯ | ಚ | | ೧೧ | ೪೩II | ಅ. | ೩೭II | | ೫ | | ೯ |
| 20 | TU | ೨೦ | ಮ | | ೧೨ | ೪೦ | ಜ್ಯೇ. | ೩೬II | | ೬ | | ೧೦ |
| 21 | W | ೨೧ | ಬು | | ೧೩ | ೩೮II | ಮೂ. | ೩೭I | | ೭ | | ೧೧ |
| 22 | TH | ೨೨ | ಗು | | ೧೪ | ೩೮ | ಪೂ. | ೩೮II | | ೮ | | ೧೨ |
| 23 | F | ೨೩ | ಶು | | ◑ | ೩೮III | ಉ. | ೪೦ | | ೯ | | ೧೩ |
| 24 | S | ೨೪ | ಶ | ಆಷಾಢ ಕೃಷ್ಣ. | ೧ | ೪೦I | ಶ್ರ. | ೪೩II | | ೧೦ | | ೧೪ |
| 25 | SUN | ೨೫ | ಆ | | ೨ | ೪೩I | ಧ. | ೪೮I | | ೧೧ | | ೧೫ |
| 26 | M | ೨೬ | ಚ | | ೩ | ೪೭II | ಶ. | ೫೩III | | ೧೨ | | ೧೬ |
| 27 | TU | ೨೭ | ಮ | | ೪ | ೫೨ | ಪೂ. | ೫೯I | | ೧೩ | | ೧೭ |
| 28 | W | ೨೮ | ಬು | | ೫ | ೫೭ | ಉ. | ೬೦ | | ೧೪ | | ೧೮ |
| 29 | TH | ೨೯ | ಗು | | ೬ | ೬೦ | ಉ. | ೬I | | ೧೫ | | ೧೯ |
| 30 | F | ೩೦ | ಶು | | ೬ | ೧III | ರೇ. | ೧೨II | | ೧೬ | | ೨೦ |
| 31 | S | ೩೧ | ಶ | | ೭ | ೬III | ಅ. | ೧೭III | | ೧೭ | | ೨೧ |

| | | |
|---|---|---|
| **AUGUST.**<br>31 DAYS.<br>● ಆಷಾಢ ಅಮವಾಸೆ,<br>೭ ಅಗೊಸ್ತು. |  | **ಅಗೊಸ್ತು.**<br>೩೧ ದಿವಸಗಳು.<br>○ ಶ್ರಾವಣ ಪೂರ್ಣಿಮಿ,<br>೨೨ ಅಗೊಸ್ತು. |

ದೀನನನ್ನು ಅವನ ದೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಿಂದ ತಪ್ಪಿಸುತ್ತಾನೆ;
ಬಾಧೆಯಲ್ಲಿ ಅವರ ಕಿವಿಯನ್ನು ತೆರೆಯುತ್ತಾನೆ. ಯೋಬ. ೩೬, ೧೫.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನಕ್ಷತ್ರ | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿನ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | SUN | ೧ | ಆ | ಆಷಾಢ ಬ. | ೮ | ೪॥ | ಭ. | ೨೩। | ಕರ್ಕಾಟಕ. | ೧೮ | ಜಿಲಕಾದ್. | ೨೨ |
| 2 | M | ೨ | ಚ | | ೯ | ೭ | ಕೃ. | ೨೭ | | ೧೯ | | ೨೩ |
| 3 | TU | ೩ | ಮ | | ೧೦ | ೮॥ | ರೋ. | ೨೯III | | ೨೦ | | ೨೪ |
| 4 | W | ೪ | ಬು | | ೧೧ | ೮॥ | ಮೃ. | ೩೧ | | ೨೧ | | ೨೫ |
| 5 | TH | ೫ | ಗು | | ೧೨ | ೭। | ಆ. | ೩೧॥ | | ೨೨ | | ೨೬ |
| 6 | F | ೬ | ಶು | | ೧೩ | ೫ | ಪು. | ೩೦। | | ೨೩ | | ೨೭ |
| 7 | S | ೭ | ಶ | | ● | ೫೫॥ | ಪು. | ೨೮। | | ೨೪ | | ೨೮ |
| 8 | SUN | ೮ | ಆ | ಶ್ರಾವಣ ಶು. | ೧ | ೫೨ | ಆ. | ೨೫॥ | | ೨೫ | | ೨೯ |
| 9 | M | ೯ | ಚ | | ೨ | ೪೬। | ಮ. | ೨೨। | | ೨೬ | | ೩೦ |
| 10 | TU | ೧೦ | ಮ | | ೩ | ೪೦॥ | ಪು. | ೧೮॥ | | ೨೭ | ಜಿಲ್ಹಾಜ್. | ೧ |
| 11 | W | ೧೧ | ಬು | | ೪ | ೩೪॥ | ಉ. | ೧೪॥ | | ೨೮ | | ೨ |
| 12 | TH | ೧೨ | ಗು | | ೫ | ೨೮। | ಹ. | ೧೦। | | ೨೯ | | ೩ |
| 13 | F | ೧೩ | ಶು | | ೬ | ೨೨॥ | ಚಿ. | ೮। | | ೩೦ | | ೪ |
| 14 | S | ೧೪ | ಶ | | ೭ | ೧೭। | ಸ್ವಾ. | ೨III | | ೩೧ | | ೫ |
| 15 | SUN | ೧೫ | ಆ | | ೮ | ೧೨॥ | ಅ. | ೫೮। | ಸಿಂಹ. | ೧ | | ೬ |
| 16 | M | ೧೬ | ಚ | | ೯ | ೮। | ಜ್ಯೇ. | ೫೬ | | ೨ | | ೭ |
| 17 | TU | ೧೭ | ಮ | | ೧೦ | ೫। | ಮೂ. | ೫೫॥ | | ೩ | | ೮ |
| 18 | W | ೧೮ | ಬು | | ೧೧ | । | ಪೂ. | ೫೧। | | ೪ | | ೯ |
| 19 | TH | ೧೯ | ಗು | | ೧೨ | ೨। | ಉ. | ೫೭। | | ೫ | | ೧೦ |
| 20 | F | ೨೦ | ಶು | | ೧೩ | ೩ | ಶ್ರ. | ೬೦ | | ೬ | | ೧೧ |
| 21 | S | ೨೧ | ಶ | | ೧೪ | ೪॥ | ಶ್ರ. | ೧III | | ೭ | | ೧೨ |
| 22 | SUN | ೨೨ | ಆ | | ○ | ೭॥ | ಧ. | ೬। | | ೮ | | ೧೩ |
| 23 | M | ೨೩ | ಚ | ಶ್ರಾವಣ ಬ. | ೧ | ೧೧॥ | ಶ. | ೧೧॥ | | ೯ | | ೧೪ |
| 24 | TU | ೨೪ | ಮ | | ೨ | ೧೬। | ಪೂ. | ೧೭III | | ೧೦ | | ೧೫ |
| 25 | W | ೨೫ | ಬು | | ೩ | ೨೧ | ಉ. | ೨೪। | | ೧೧ | | ೧೬ |
| 26 | TH | ೨೬ | ಗು | | ೪ | ೨೬ | ರೇ. | ೩೦॥ | | ೧೨ | | ೧೭ |
| 27 | F | ೨೭ | ಶು | | ೫ | ೩೦॥ | ಅ. | ೩೬॥ | | ೧೩ | | ೧೮ |
| 28 | S | ೨೮ | ಶ | | ೬ | ೩೪ | ಭ. | ೪೧। | | ೧೪ | | ೧೯ |
| 29 | SUN | ೨೯ | ಆ | | ೭ | ೩೬III | ಕೃ. | ೪೫॥ | | ೧೫ | | ೨೦ |
| 30 | M | ೩೦ | ಚ | | ೮ | ೩೮। | ರೋ. | ೪೮॥ | | ೧೬ | | ೨೧ |
| 31 | TU | ೩೧ | ಮ | | ೯ | ೩೮॥ | ಮೃ. | ೫೦। | | ೧೭ | | ೨೨ |

**SEPTEMBER.**

30 DAYS.

ಶ್ರಾವಣ ಅಮವಾಸೆ,

೬ ಸಪ್ಟಂಬರ.



# ಸಪ್ಟಂಬರ.

೩೦ ದಿವಸಗಳು.

ಭಾದ್ರಪದ ಪೂರ್ಣಿಮಿ,

೨೦ ಸಪ್ಟಂಬರ.

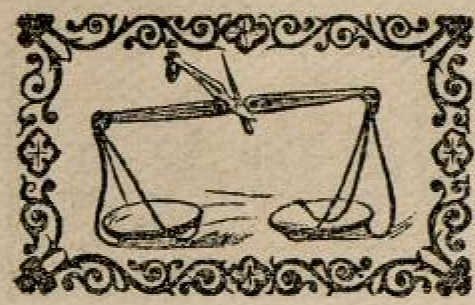
ತನ್ನ ಕೈಯನ್ನು ನೇಗಿಲಿಗೆ ಹಾಕಿ, ಹಿಂದಕ್ಕೆ ನೋಡುವವನ್ಯಾವನಾದರೂ ದೇವರ ರಾಜ್ಯಕ್ಕೆ ತಕ್ಕವನಲ್ಲ. ಲೂಕ. ೯, ೬೨.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮುಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಕು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನ. ಹೆಸರು | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿವಸ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | W | ೧ | ಬು | ಶ್ರಾವಣ ಕೃಷ್ಣ. | ೧೦ | ೩೭॥ | ಆ. | ೫೦॥ | ಸಿಂಹ. | ೧೮ | ಜಮಾದಿಲಾವಲ್. | ೨೩ |
| 2 | TH | ೨ | ಗು | | ೧೧ | ೩೫ | ಪು. | ೪೮ | | ೧೯ | | ೨೪ |
| 3 | F | ೩ | ಶು | | ೧೨ | ೩೧III | ಪು. | ೪೭I | | ೨೦ | | ೨೫ |
| 4 | S | ೪ | ಶ | | ೧೩ | ೨೭॥ | ಆ. | ೪೫॥ | | ೨೧ | | ೨೬ |
| 5 | SUN | ೫ | ಆ | | ೧೪ | ೨೨॥ | ಮ. | ೪೨I | | ೨೨ | | ೨೭ |
| 6 | M | ೬ | ಚ | | | ೧೭I | ಪೂ. | ೩೯III | | ೨೩ | | ೨೮ |
| 7 | TU | ೭ | ಮ | ಭಾದ್ರಪದ ಶುಕ್ಲ. | ೧ | ೧೧III | ಉ. | ೩೪॥ | | ೨೪ | | ೨೯ |
| 8 | W | ೮ | ಬು | | ೨ | ೫I | ಹ. | ೩೦ | | ೨೫ | ಜಮಾದಿಲಾಖರ್. | ೧ |
| 9 | TH | ೯ | ಗು | | ೪ | ೫೫III | ಚಿ. | ೨೬॥ | | ೨೬ | | ೨ |
| 10 | F | ೧೦ | ಶು | | ೫ | ೪೮ | ಸ್ವಾ. | ೨೩ | | ೨೭ | | ೩ |
| 11 | S | ೧೧ | ಶ | | ೬ | ೪೨I | ವಿ. | ೧೯III | | ೨೮ | | ೪ |
| 12 | SUN | ೧೨ | ಆ | | ೭ | ೩೯I | ಅ. | ೧೭I | | ೨೯ | | ೫ |
| 13 | M | ೧೩ | ಚ | | ೮ | ೩೬॥ | ಜ್ಯೇ. | ೧೫॥ | | ೩೦ | | ೬ |
| 14 | TU | ೧೪ | ಮ | | ೯ | ೩೪॥ | ಮೂ. | ೧೫ | | ೩೧ | | ೭ |
| 15 | W | ೧೫ | ಬು | | ೧೦ | ೩೪ | ಪೂ. | ೧೫I | ಕನ್ಯಾ. | ೧ | | ೮ |
| 16 | TH | ೧೬ | ಗು | | ೧೧ | ೩೪ | ಉ. | ೧೭I | | ೨ | | ೯ |
| 17 | F | ೧೭ | ಶು | | ೧೨ | ೩೬ | ಶ್ರ. | ೨೦III | | ೩ | | ೧೦ |
| 18 | S | ೧೮ | ಶ | | ೧೩ | ೩೮III | ಧ. | ೨೪॥ | | ೪ | | ೧೧ |
| 19 | SUN | ೧೯ | ಆ | | ೧೪ | ೪೨I | ಶ. | ೨೯॥ | | ೫ | | ೧೨ |
| 20 | M | ೨೦ | ಚ | | | ೪೮ | ಪೂ. | ೩೫॥ | | ೬ | | ೧೩ |
| 21 | TU | ೨೧ | ಮ | ಭಾದ್ರಪದ ಕೃಷ್ಣ. | ೧ | ೫೨॥ | ಉ. | ೪೧III | | ೭ | | ೧೪ |
| 22 | W | ೨೨ | ಬು | | ೨ | ೫೭॥ | ರೇ. | ೪೮I | | ೮ | | ೧೫ |
| 23 | TH | ೨೩ | ಗು | | ೩ | ೬೦ | ಅ. | ೫೪I | | ೯ | | ೧೬ |
| 24 | F | ೨೪ | ಶು | | ೩ | ೨I | ಭ. | ೫೯III | | ೧೦ | | ೧೭ |
| 25 | S | ೨೫ | ಶ | | ೪ | ೬ | ಕೃ. | ೬೦ | | ೧೧ | | ೧೮ |
| 26 | SUN | ೨೬ | ಆ | | ೫ | ೯॥ | ಕೃ. | ೪॥ | | ೧೨ | | ೧೯ |
| 27 | M | ೨೭ | ಚ | | ೬ | ೧೦I | ರೋ. | ೭I | | ೧೩ | | ೨೦ |
| 28 | TU | ೨೮ | ಮ | | ೭ | ೧೦॥ | ಮೃ. | ೯ | | ೧೪ | | ೨೧ |
| 29 | W | ೨೯ | ಬು | | ೮ | ೮I | ಆ. | ೮III | | ೧೫ | | ೨೨ |
| 30 | TH | ೩೦ | ಗು | | ೯ | ೭॥ | ಪು. | ೯॥ | | ೧೬ | | ೨೩ |

# OCTOBER.

31 DAYS.

● ಭಾದ್ರಪದ ಅಮವಾಸೆ,
೫ ಒಕ್ತೋಬರ.



# ಒಕ್ತೋಬರ್.

೩೧ ದಿವಸಗಳು.

○ ಆಶ್ವೀಜ ಪೂರ್ಣಿಮಿ,
೨೦ ಒಕ್ತೋಬರ.

ಘನವುಳ್ಳವುಗಳು ನಿನ್ನ ವಿಷಯ ಹೇಳಲ್ಪಟ್ಟವೆ,
ದೇವರ ಪಟ್ಟಣವೇ. ಕೀರ್ತ. ೮೭, ೩.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನಕ್ಷತ್ರ | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿನ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | F | ೧ | ಶು | ಭಾದ್ರಪದ ಕೃಷ್ಣ. | ೧೦ | ೪I | ಪು. | ೭III | | ೧೭ | ಜಮಾದಿಲಾವಲ್. | ೨೪ |
| 2 | S | ೨ | ಶ | | ೧೧ | I | ಆ. | ೫II | | ೧೮ | | ೨೫ |
| 3 | SUN | ೩ | ಆ | | ೧೩ | ೫೦I | ಮ. | ೧II | | ೧೯ | | ೨೬ |
| 4 | M | ೪ | ಚ | | ೧೪ | ೪೪ | ಉ. | ೫೫II | | ೨೦ | | ೨೭ |
| 5 | Tu | ೫ | ಮ | | ● | ೩೮III | ಹ. | ೫೧I | | ೨೧ | | ೨೮ |
| 6 | W | ೬ | ಬು | | ೧ | ೩೨ | ಚಿ. | ೪೬II | | ೨೨ | | ೨೯ |
| 7 | Th | ೭ | ಗು | | ೨ | ೨೬I | ಸ್ವಾ. | ೪೨III | ಕನ್ಯಾ | ೨೩ | | ೧ |
| 8 | F | ೮ | ಶು | | ೩ | ೨೧ | ವಿ. | ೩೯II | | ೨೪ | | ೨ |
| 9 | S | ೯ | ಶ | | ೪ | ೧೬I | ಅ. | ೩೬III | | ೨೫ | | ೩ |
| 10 | SUN | ೧೦ | ಆ | | ೫ | ೧೨I | ಜ್ಯೇ. | ೩೪III | | ೨೬ | | ೪ |
| 11 | M | ೧೧ | ಚ | ಆಶ್ವೀಜ ಶುದ್ಧ. | ೬ | ೯I | ಮೂ. | ೩೪ | | ೨೭ | | ೫ |
| 12 | Tu | ೧೨ | ಮ | | ೭ | ೭I | ಪೂ. | ೩೪II | | ೨೮ | | ೬ |
| 13 | W | ೧೩ | ಬು | | ೮ | ೬II | ಉ. | ೩೫III | | ೨೯ | | ೭ |
| 14 | Th | ೧೪ | ಗು | | ೯ | ೭I | ಶ್ರ. | ೩೮II | | ೩೦ | | ೮ |
| 15 | F | ೧೫ | ಶು | | ೧೦ | ೯I | ಧ. | ೪೨II | | ೩೧ | | ೯ |
| 16 | S | ೧೬ | ಶ | | ೧೧ | ೧೨ | ಶ. | ೪೬II | | ೧ | | ೧೦ |
| 17 | SUN | ೧೭ | ಆ | | ೧೨ | ೧೬I | ಪೂ. | ೫೩ | | ೨ | | ೧೧ |
| 18 | M | ೧೮ | ಚ | | ೧೩ | ೨೧ | ಉ. | ೫೯I | | ೩ | ಜಮಾ. ಆ. | ೧೨ |
| 19 | Tu | ೧೯ | ಮ | | ೧೪ | ೨೬ | ರೇ. | ೬೦ | | ೪ | | ೧೩ |
| 20 | W | ೨೦ | ಬು | | ○ | ೩೧I | ರೇ. | ೫II | | ೫ | | ೧೪ |
| 21 | Th | ೨೧ | ಗು | | ೧ | ೩೬ | ಅ. | ೧೨ | | ೬ | | ೧೫ |
| 22 | F | ೨೨ | ಶು | | ೨ | ೪೦ | ಭ. | ೧೭II | | ೭ | | ೧೬ |
| 23 | S | ೨೩ | ಶ | | ೩ | ೪೨III | ಕೃ. | ೨೨ | ತುಲಾ. | ೮ | | ೧೭ |
| 24 | SUN | ೨೪ | ಆ | ಆಶ್ವೀಜ ಕೃಷ್ಣ. | ೪ | ೪೪II | ರೋ. | ೨೫III | | ೯ | | ೧೮ |
| 25 | M | ೨೫ | ಚ | | ೫ | ೪೪III | ಮೃ. | ೨೮ | | ೧೦ | | ೧೯ |
| 26 | Tu | ೨೬ | ಮ | | ೬ | ೪೩III | ಆ. | ೨೮III | | ೧೧ | | ೨೦ |
| 27 | W | ೨೭ | ಬು | | ೭ | ೪೧III | ಪು. | ೨೮II | | ೧೨ | | ೨೧ |
| 28 | Th | ೨೮ | ಗು | | ೮ | ೩೯ | ಪು. | ೨೭I | | ೧೩ | | ೨೨ |
| 29 | F | ೨೯ | ಶು | | ೯ | ೩೫I | ಆ. | ೨೫ | | ೧೪ | | ೨೩ |
| 30 | S | ೩೦ | ಶ | | ೧೦ | ೨೯III | ಮ. | ೨೨I | | ೧೫ | | ೨೪ |
| 31 | SUN | ೩೧ | ಆ | | ೧೧ | ೨೩III | ಪೂ. | ೨೧ | | ೧೬ | | ೨೫ |

| **NOVEMBER.**<br>30 DAYS.<br>🌑 ಆಶ್ವೀಜ ಅಮವಾಸೆ,<br>೪ ನವಂಬರ. | | **ನವಂಬರ.**<br>೩೦ ದಿವಸಗಳು.<br>🌕 ಕಾರ್ತಿಕ ಪೂರ್ಣಿಮಿ,<br>೧೯ ನವಂಬರ. |
|---|---|---|

ಯೆಹೋವನನ್ನು ಹುಡುಕುವವರು ಯಾವ ಒಳ್ಳೇದಕ್ಕಾದರೂ ಕೊರತೆ ಪಡುವದಿಲ್ಲ. ಕೀರ್ತ. ೩೪, ೧೦.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮುಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ಮಾಸ | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ಹೆಸರು | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿನ | ಮಾಸ | ದಿನ |
| 1 | M | ೧ | ಚ | ಆಶ್ವೀಜ ಕೃ. | ೧೨ | ೧೮III | ಉ. | ೧೬II | ತುಲಾ. | ೧೭. | ಶವ್ವಾ. | ೨೬ |
| 2 | Tu | ೨ | ಮ | | ೧೩ | ೧೨III | ಹ. | ೧೧ | | ೧೮ | | ೨೭ |
| 3 | W | ೩ | ಬು | | ೧೪ | ೮ | ಚಿ. | ೬II | | ೧೯ | | ೨೮ |
| 4 | Th | ೪ | ಗು | | 🌑 | ೧II | ಸ್ವಾ. | ೨III | | ೨೦ | | ೨೯ |
| 5 | F | ೫ | ಶು | ಕಾರ್ತಿಕ ಶು. | ೨ | ೫೧II | ಅ. | ೫೪II | | ೨೧ | | ೩೦ |
| 6 | S | ೬ | ಶ | | ೩ | ೪೭II | ಜ್ಯೇ. | ೫೨ | | ೨೨ | ಜಿಲ್ಕಾದ. | ೧ |
| 7 | SUN | ೭ | ಆ | | ೪ | ೪೪II | ಮೂ. | ೫೨II | | ೨೩ | | ೨ |
| 8 | M | ೮ | ಚ | | ೫ | ೪೨III | ಪೂ. | ೫೩ | | ೨೪ | | ೩ |
| 9 | Tu | ೯ | ಮ | | ೬ | ೪೨ | ಉ. | ೫೪I | | ೨೫ | | ೪ |
| 10 | W | ೧೦ | ಬು | | ೭ | ೪೨III | ಶ್ರ. | ೫೬II | | ೨೬ | | ೫ |
| 11 | Th | ೧೧ | ಗು | | ೮ | ೪೪II | ಧ. | ೬೦ | | ೨೭ | | ೬ |
| 12 | F | ೧೨ | ಶು | | ೯ | ೪೬ | ಧ. | I | | ೨೮ | | ೭ |
| 13 | S | ೧೩ | ಶ | | ೧೦ | ೫೦II | ಶ. | ೫ | | ೨೯ | | ೮ |
| 14 | SUN | ೧೪ | ಆ | | ೧೧ | ೫೭ | ಪೂ. | ೧೦III | | ೩೦ | | ೯ |
| 15 | M | ೧೫ | ಚ | | ೧೨ | ೬೦ | ಉ. | ೧೭III | ವೃಶ್ಚಿ. | ೧ | | ೧೦ |
| 16 | Tu | ೧೬ | ಮ | | ೧೨ | ೨ | ರೇ. | ೨೩I | | ೨ | | ೧೧ |
| 17 | W | ೧೭ | ಬು | | ೧೩ | ೭I | ಅ. | ೨೯II | | ೩ | | ೧೨ |
| 18 | Th | ೧೮ | ಗು | | ೧೪ | ೧೨I | ಭ. | ೩೫I | | ೪ | | ೧೩ |
| 19 | F | ೧೯ | ಶು | | 🌕 | ೧೬ | ಕೃ. | ೪೦ | | ೫ | | ೧೪ |
| 20 | S | ೨೦ | ಶ | ಕಾರ್ತಿಕ ಕೃ. | ೧ | ೧೯ | ರೋ. | ೪೩III | | ೬ | | ೧೫ |
| 21 | SUN | ೨೧ | ಆ | | ೨ | ೨೦II | ಮೃ. | ೪೭II | | ೭ | | ೧೬ |
| 22 | M | ೨೨ | ಚ | | ೩ | ೨೧ | ಆ. | ೪೭III | | ೮ | | ೧೭ |
| 23 | Tu | ೨೩ | ಮ | | ೪ | ೨೦I | ಪು. | ೪೭I | | ೯ | | ೧೮ |
| 24 | W | ೨೪ | ಬು | | ೫ | ೧೮I | ಪು. | ೪೬III | | ೧೦ | | ೧೯ |
| 25 | Th | ೨೫ | ಗು | | ೬ | ೧೪III | ಆ. | ೪೪III | | ೧೧ | | ೨೦ |
| 26 | F | ೨೬ | ಶು | | ೭ | ೧೦III | ಮ. | ೪೨ | | ೧೨ | | ೨೧ |
| 27 | S | ೨೭ | ಶ | | ೮ | ೭ | ಪು. | ೩೮II | | ೧೩ | | ೨೨ |
| 28 | SUN | ೨೮ | ಆ | | ೯ | ೧ | ಉ. | ೩೪III | | ೧೪ | | ೨೩ |
| 29 | M | ೨೯ | ಚ | | ೧೧ | ೪೯ | ಹ. | ೩೦II | | ೧೫ | | ೨೪ |
| 30 | Tu | ೩೦ | ಮ | | ೧೨ | ೪೩II | ಚಿ. | ೨೬II | | ೧೬ | | ೨೫ |

| **DECEMBER.**<br>31 DAYS.<br>● ಕಾರ್ತಿಕ ಅಮವಾಸೆ,<br>೩ ದಶಂಬರ. |  | **ದಶಂಬರ.**<br>೩೧ ದಿವಸಗಳು.<br>☺ ಮಾರ್ಗಶಿರ ಪೂರ್ಣಮಿ,<br>೧೮ ದಶಂಬರ. |
|---|---|---|

ಯೆಹೋವನೇ, ನಿನ್ನನ್ನು ಎದುರು ನೋಡುತ್ತೇನೆ; ನನ್ನ ದೇವರಾದ ಕರ್ತನೇ,
ನೀನು ಉತ್ತರ ಕೊಡುವಿ. ಕೀರ್ತ. ೩೮, ೧೫.

| ಅಂಗ್ಲ. | | | | ಚಾಂದ್ರಮಾನ. | | | ನಕ್ಷತ್ರ. | | ಸೌರಮಾನ. | | ಮಹಮ್ಮದಿ. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DATE | DAY | ತಾರೀಖು | ವಾರ | ತಿಂಗಳು | ತಿಥಿ | ಘಳಿಗೆ | ನಕ್ಷತ್ರ | ಘಳಿಗೆ | ಮಾಸ | ದಿನ | ತಿಂಗಳು | ದಿನ |
| 1 | W | ೧. | ಬು | ಕಾ. ಕೃ. | ೧೩ | ೩೭III | ಸ್ವಾ. | ೨೨III | | ೧೭ | ಶಾಬಾನ್. | ೨೬ |
| 2 | TH | ೨ | ಗು | | ೧೪ | ೩೩I | ವಿ. | ೧೯III | | ೧೮ | | ೨೭ |
| 3 | F | ೩ | ಶು | | ● | ೨೮ | ಅ. | ೧೬ | | ೧೯ | | ೨೮ |
| 4 | S | ೪ | ಶ | ಮಾರ್ಗಶಿರ ಶುದ್ಧ. | ೧ | ೨೪I | ಜ್ಯೇ. | ೧೦ | | ೨೦ | | ೨೯ |
| 5 | SUN | ೫ | ಆ | | ೨ | ೨೧II | ಮೂ. | ೧೨II | | ೨೧ | | ೧ |
| 6 | M | ೬ | ಚ | | ೩ | ೨೦ | ಪೂ. | ೧೨I | ವೃಶ್ಚಿಕ. | ೨೨ | | ೨ |
| 7 | TU | ೭ | ಮ | | ೪ | ೧೯ | ಉ. | ೧೩ | | ೨೩ | | ೩ |
| 8 | W | ೮ | ಬು | | ೫ | ೨೦ | ಶ್ರ. | ೧೫ | | ೨೪ | | ೪ |
| 9 | TH | ೯ | ಗು | | ೬ | ೨೨I | ಧ. | ೧೮II | | ೨೫ | | ೫ |
| 10 | F | ೧೦ | ಶು | | ೭ | ೨೫II | ಶ. | ೨೩ | | ೨೬ | | ೬ |
| 11 | S | ೧೧ | ಶ | | ೮ | ೩೦ | ಪೂ. | ೨೮II | | ೨೭ | | ೭ |
| 12 | SUN | ೧೨ | ಆ | | ೯ | ೩೫ | ಉ. | ೩೪II | | ೨೮ | | ೮ |
| 13 | M | ೧೩ | ಚ | | ೧೦ | ೪೦ | ರೇ. | ೪೦III | | ೨೯ | | ೯ |
| 14 | TU | ೧೪ | ಮ | | ೧೧ | ೪೪ | ಅ. | ೪೬III | | ೧ | | ೧೦ |
| 15 | W | ೧೫ | ಬು | | ೧೨ | ೪೮ | ಭ. | ೫೧ | | ೨ | ರಮಜಾನ್. | ೧೧ |
| 16 | TH | ೧೬ | ಗು | | ೧೩ | ೫೫ | ಕೃ. | ೫೮III | | ೩ | | ೧೨ |
| 17 | F | ೧೭ | ಶು | | ೧೪ | ೫೭II | ರೋ. | ೬೦ | | ೪ | | ೧೩ |
| 18 | S | ೧೮ | ಶ | | ☺ | ೫೯I | ರೋ. | ೧II | | ೫ | | ೧೪ |
| 19 | SUN | ೧೯ | ಆ | ಮಾರ್ಗಶಿರ ಕೃಷ್ಣ. | ೧ | ೬೦ | ಮೃ. | ೪III | | ೬ | | ೧೫ |
| 20 | M | ೨೦ | ಚ | | ೧ | III | ಆ. | ೮II | | ೭ | | ೧೬ |
| 21 | TU | ೨೧ | ಮ | | ೩ | ೫೭II | ಪು. | ೯ | | ೮ | | ೧೭ |
| 22 | W | ೨೨ | ಬು | | ೪ | ೫೨II | ಪು. | ೬III | ಧನು. | ೯ | | ೧೮ |
| 23 | TH | ೨೩ | ಗು | | ೫ | ೪೯I | ಆ. | ೫I | | ೧೦ | | ೧೯ |
| 24 | F | ೨೪ | ಶು | | ೬ | ೪೬III | ಮ. | ೨I | | ೧೧ | | ೨೦ |
| 25 | S | ೨೫ | ಶ | | ೭. | ೩೯III | ಉ. | ೫೪III | | ೧೨ | | ೨೧ |
| 26 | SUN | ೨೬ | ಆ | | ೮ | ೩೨II | ಹ. | ೪೭III | | ೧೩ | | ೨೨ |
| 27 | M | ೨೭ | ಚ | | ೯ | ೨೭I | ಚಿ. | ೪೩III | | ೧೪ | | ೨೩ |
| 28 | TU | ೨೮ | ಮ | | ೧೦ | ೨೧ | ಸ್ವಾ. | ೪೨III | | ೧೫ | | ೨೪ |
| 29 | W | ೨೯ | ಬು | | ೧೧ | ೧೫I | ವಿ. | ೩೯ | | ೧೬ | | ೨೫ |
| 30 | TH | ೩೦ | ಗು | | ೧೨ | ೧೦I | ಅ. | ೩೬ | | ೧೭ | | ೨೬ |
| 31 | F | ೩೧ | ಶು | | ೧೩ | ೫I | ಜ್ಯೇ. | ೩೩II | | ೧೮ | | ೨೭ |

## ೧೮೬೮ನೇ ವರುಷದ

# ಮುಖ್ಯ ಸಂಗತಿಗಳು.

## ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ.

ನಮ್ಮ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷವಾಗಿ ವರ್ಣಿಸ ತಕ್ಕ ಕಾರ್ಯಗಳು ಈ ವರುಷದಲ್ಲಿ ಬಹಳ ನಡಿಯಲಿಲ್ಲವಾದರೂ, ನಮ್ಮ ಪಂಚಾಂಗ ಓದುವವರಿಗೆ ತಿಳಿಸ ತಕ್ಕ ಈ ವರುಷದಲ್ಲಿ ಸಂಭವಿಸಿದ ಕೆಲವು ಮುಖ್ಯ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಇಲ್ಲಿ ವಿವರಿಸುತ್ತೇವೆ.

ಮಹರಾಷ್ಟ್ರ ರಾಜ್ಯಾಧಿಕಾರಿಗಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬನು ತೊಂಕನಾಡಿನ ನವಾಬನ ಅಧೀನವಾಗಿರುವ ಒಬ್ಬ ಅರಸನ ಸೋದರ ಮಾವನನ್ನು ಕೊಂದು ಬಿಟ್ಟನು. ಆದದರಿಂದ ಬಹುಮಾನ ಪಟ್ಟ ಗವರ್ನರ್ ಜನರಲ್‌ರವರು ಅವನನ್ನು ಗಡಿ ದಾಡಿಸಿ ಬಿಟ್ಟರು. ಮತ್ತು ಅವನ ಮಗನನ್ನು ರಾಜ್ಯಾಧಿಪನಾಗಿ ನೇಮಿಸಿ, ಆ ಸತ್ತವನ ಕುಟುಂಬದ ಜೀವನಕ್ಕೆ ರಾಜ್ಯದ ಭಂಡಾರದಿಂದ ಹಣ ಸಲ್ಲ ಬೇಕೆಂತ ನಿಶ್ಚೈಸಿ, ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ಆ ರಾಜ್ಯವು ತೊಂಕನಾಡಿನ ನವಾಬನ ಸ್ವಾಧೀನದಲ್ಲಿ ಅಲ್ಲ, ಇಂಗ್ಲಿಷ ಸರಕಾರಕ್ಕೆ ಅಧೀನವಾಗಿರ ಬೇಕೆಂದು ಅಪ್ಪಣೆ ಕೊಟ್ಟರು. ಈ ಪ್ರಕಾರ ಸ್ವದೇಶಸ್ಥರು ಅಕ್ರಮ ಮಾಡಿದಾಗ, ಅಂಥವರನ್ನು ಶಿಕ್ಷಿಸುವದಕ್ಕೆ ಸರ್ಕಾರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರ ಉಂಟೆಂತ ತಿಳಿಸೋಣವಾಯಿತು. ಕಳದ ಮಾರ್ಚಿ ೨೭ನೇ ತಾರಿಕಿನಲ್ಲಿ ೭೪ ವರುಷ ಪ್ರಾಯದವನಾದ ಮೈಸೂರ ಮಹಾರಾಜನು ಮೃತವಾದನು. ತನಗೆ ಸ್ವಂತ ಮಗನಿಲ್ಲದ ಕಾರಣ, ಕೆಲವು ಕಾಲದ ಹಿಂದೆ ಅವನು ಒಬ್ಬ ಹುಡುಗನನ್ನು ದತ್ತಸ್ವೀಕಾರ ಮಾಡಿ ಕೊಂಡಿದ್ದನು. ಇವನು ರಾಜ್ಯವನ್ನು ಸ್ವತಹಾ ಆಳಲಿಕ್ಕೆ ಶಕ್ತನಾಗುವನೋ ಏನೋ ಎಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಸರಕಾರದವರು ಅವನು ಪ್ರಾಯಭರಿತನಾದನಂತ್ರ ನಿಶ್ಚೈಸುವರು.

ಅಫಘಾನಿಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಈ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡ ಕಲಹ ಸಂಭವಿಸಿತು. ಮುಂಚೆ ಆ ರಾಜ್ಯವಾಳುವ ಅಮೀರ್‌ಶೀರ್ ಅಲ್ಲಿಯ ಸೈನ್ಯಕ್ಕೂ ತತ್ಕಾಲಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಆಳುವ ಅಮೀರ್ ಅಜಿಖಾನನ ಸೈನ್ಯಕ್ಕೂ ಕಳದ ಎಪ್ರಿಲ್ ೧ನೇ ತಾರಿಕಿನಲ್ಲಿ ಘೋರ ಯುದ್ಧ ಉಂಟಾಯಿತು. ಶೀರ್ ಅಲ್ಲಿಯ ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಅವನ ಮಗನೂ ಅಜಿಖಾನನ ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಅವನ ಭಾವಮೈದುನನೂ ಸಹಾ ನಡಿಸಿದರು. ಆದರೆ ಶೀರ್ ಅಲ್ಲಿಯ ಕಡೆಗೆ ಜಯವಾದ್ದರಿಂದ, ಅವರು ಕಂದಹಾರ ನಗರವನ್ನು ವಶ ಮಾಡಿ ಕೊಂಡು, ಕಾಬೂಲನ್ನು ಹಿಡು ಕೊಂಡರು. ಹೀಗೆ ಶೀರ್ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಅಫಘಾನಿಸ್ಥಾನದ ರಾಜ್ಯದ ಆಧಿಪತ್ಯವು ದೊರಕಿತು. ಈ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಇಂಗ್ಲಿಷ ಸರ್ಕಾರದವರು ಪ್ರವೇಶಿಸಿ, ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಆ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ ಯುದ್ಧವಾಗದ ಹಾಗೆ ತಕ್ಕ ಬಂದೋಬಸ್ತು ಮಾಡಿದರು. ಅಫಘಾನಿಸ್ಥಾನದ ವರೆಗೆ ತಮ್ಮ ರಾಜ್ಯವನ್ನು ವಿಸ್ತರಿಸಿ ಕೊಂಡು ಬರುವ ರುಸ್ಸಿಯರಿಗೆದುರಾಗಿ ಇಂಗ್ಲಿಷ ಸರ್ಕಾರದವರು ತಮ್ಮ ಬಲಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಒಂದು ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಆ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಇರಿಸುವದು ಯುಕ್ತವೆಂದು ಅನೇಕರು ನೆನಸುತ್ತಾರೆ. ಬಹಳ ಕಾಲದಿಂದ ವಿರೋಧಿಗಳಾಗಿರುವ ರುಸ್ಸಿಯರಿಗೂ ಬೊಕ್ಕಾರದ ಮಹಾಖಾಜಿಗೂ ಕಳದ ಮೇ ತಿಂಗಳ ೨೧ನೇ ತಾರಿಕಿನಲ್ಲಿ ಬಹಳ ಯುದ್ಧ ನಡೆದು,

ಅವರಲ್ಲಿ ಬೊಕ್ಕಾರರು ಪೂರ್ಣ ಅಪಜಯ ಪಟ್ಟರು. ಈ ಉಗ್ರವಾದ ಹೋರಾಟದಲ್ಲಿ ಅನೇಕರು ನಾಶವಾದದ್ದಲ್ಲದೆ, ಶಾನು ಸಹ ಗುಂಡು ತಾಗಿ ಸತ್ತನು. ತನ್ನಿಷ್ಟವಾಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೋದ ಖಾಜಿಯು ಮೊದಲ್ಗೊಂಡು ಎಲ್ಲಾ ಸೈನ್ಯವು ಶಾನು ಸಾಯುವ ಮೊದಲೇ ನಾಲ್ಕು ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿಯೂ ಚದರಿ ಹೋಯಿತು. ರುಸ್ಸಿಯರು ಜಯಶಾಲಿಗಳಾಗಿ ಇಸ್ಲಾಮು ಮತದವರ ಮುಖ್ಯ ಪಟ್ಣವಾಗಿರುವ ಬೊಕ್ಕಾರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದರು. ಗರ್ವಿಷ್ಟರಾದ ಮಹಮ್ಮದರು ಮುಂಚೆ ತಮಗೆ ಮಾಡಿದ ಕ್ರೂರತ್ವಕ್ಕೆ ಹಗೆ ತೀರಿಸುವದಕ್ಕಾಗಿ ನಗರವನ್ನು ಕೊಳ್ಳೆ ಮಾಡಿದರು. ರುಸ್ಸಿಯರಿಗೂ ಬೊಕ್ಕಾರದವರಿಗೂ ನಡದ ಯುದ್ಧಗಳಲ್ಲಿ ಇದು ಪ್ರಧಾನವಾದದ್ದು. ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಬೊಕ್ಕಾರದ ಆಧಿಪತ್ಯತ್ವವನ್ನು ಕುರಿತು ಏನೊಂದೂ ನಿಶ್ಚಯವಾಗಲಿಲ್ಲ. ಹಿಂದೆ ರುಸ್ಸಿಯರಿಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡಿದ ಶ್ಯಾ ಆಲಿ ಎಂಬವನನ್ನು ಅವರು ಸಿಂಹಾಸನಕ್ಕೆ ಏರಿಸುವರೆಂದೂ, ಇಲ್ಲವಾದರೆ ರುಸ್ಸಿಯರ ಗವರ್ನರ್ ಜನರಲಾಗಿರುವವನೊಬ್ಬನನ್ನು ರಾಜ್ಯಭಾರ ನಡಿಸುವಂತೆ ನೇಮಿಸುವರೆಂದೂ ವರ್ತಮಾನ ಉಂಟು. ಈ ಜಯದಿಂದ ಇಡೀ ತುರ್ಕಿಸ್ಥಾನವು ರುಸ್ಸಿಯರ ಆಧೀನವಾಯಿತು. ಇದಲ್ಲದೆ ಮಹಾ ಸುಭಿಕ್ಷವಾದ ಬೊಕ್ಕಾರ ದೇಶವನ್ನು ಇದು ವರೆಗೆ ಏಕಛತ್ರಾಧಿಪತಿಯಾಗಿ ಆಳುತ್ತಿದ್ದ ಬೊಕ್ಕಾರದ ರಾಜವಂಶದ ಕೀರ್ತಿಯು ಅಳಿದು ಹೋಯಿತು.

## ವಿಲಾಯಿತಿ ಖಂಡ.

ಇಂಗ್ಲಾಂಡಿನಲ್ಲಿ ಫೀನೆರ್ ಎನ್ನಿಸಿ ಕೊಳ್ಳುವ ಒಂದು ತರದ ಕಲಹಗಾರರು ಹೊರಟದ್ದಾರೆ. ಅವರು ನಾನಾ ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ನಡಿಸುವ ಕಲಹಗಳನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸುವದಕ್ಕಾಗಿ ಸರ್ಕಾರದವರು ಪೋಲಿಸಿನವರಿಗೆ ಯುದ್ಧಾಯುಧಗಳನ್ನು ಕೊಟ್ಟು, ಎಲ್ಲಾ ಕಡೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಅವರನ್ನು ವಿರೋಧಿಸಿ, ಅವರ ಉಪದ್ರವನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಕ್ಕೆ ಅಪ್ಪಣೆ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ. ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವು ದಂಗೆಗಾರರಿಗೆ ಹಿಡಿದು ಶೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟದರಿಂದ ಅವರ ಕೂಟದಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಆ ಶೆರೆಮನೆಯ ಕೆಳಗೆ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಪೀಪಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಫಿರಂಗಿ ಮದ್ದು ತುಂಬಿಸಿ, ಹುಗದಿಟ್ಟು, ಶೆರೆಯಲ್ಲಿದ್ದವರಿಗೆ ಬಿಡಿಸುವದಕ್ಕಾಗಿ ಅದಕ್ಕೆ ಬೆಂಕಿ ಹಚ್ಚಿದರು. ಇದರಿಂದ ನೆರೆಕರೆಯಲ್ಲಿ ವಾಸಿಸುವ ಅನೇಕರು ನಾಶವಾದರು; ಬೇರೆ ಅನೇಕರಿಗೆ ಘಾಯವಾಯಿತು. ಆದರೆ ಶೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿರುವವರಿಗೆ ತಪ್ಪಿಸಲಿಕ್ಕೆ ಆಗಲಿಲ್ಲವಾದರೂ ಆ ಕ್ರೂರತ್ವವನ್ನು ಸಾಧಿಸಿದವರಲ್ಲಿ 6 ಜನರಿಗೆ ಮಾತ್ರ ಹಿಡಿಯೋಣವಾಯಿತಷ್ಟೆ. ಈ ಕಲಹಗಾರರಾಗಿರುವ ಫೀನರರು ಅಯರ್ಲಂದಿನಲ್ಲಿ ಸೈನ್ಯದ ಯುದ್ಧಾಯುಧಗಳನ್ನು ಸುಲಿಗೆ ಮಾಡಿ, ಬಹಳ ತಂಟೆ ಸಹ ನಡಿಸಿದರು. ಮಹಾರಾಣಿಯವರು, ಲಂಡನ್ ಪಟ್ಣದಲ್ಲಿ ಕಟ್ಟಲಿಕ್ಕೆ ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದ ಹೊಸ ಆಸ್ಪತ್ರಿಯ ಕೆಸರಗಲ್ಲು ಇಡುವದಕ್ಕಾಗಿ ಹೋಗುವಾಗ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಈ ಫೀನೆರ್‍ರು ಮರೆಯಾಗಿ ಕಾದು ಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆಂಬನ್ನು ಕೇಳಿದಾಗ್ಯೂ ಅದನ್ನು ಲಕ್ಷಿಸದೇ ಹೋಗಿ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ನಡಿಸಿ ಬಂದರು. ಮತ್ತು ಸ್ವಲ್ಪ ಸಮಯದನಂತರ ಫೀನೆರ್‍ರು ಲಂಡನ್ ಪಟ್ಟಣದ ಸಮೀಪ ಕಠಿಣವಾದ ಪಾತಕ ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ದೊಡ್ಡ ನಾಶನವನ್ನೂ ಕೊಳ್ಳೆಯನ್ನೂ ಮಾಡಿದರು. ಅವರಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬನು ಮಾತ್ರ ಹಿಡಿಯಲ್ಪಟ್ಟು, ಮರಣಶಿಕ್ಷೆಗೆ ಯೋಗ್ಯನೆಂತ ಕಂಡು ಬಂತು. ಉಳಿದವರೆಲ್ಲ ತಪ್ಪಿಸಿ ಕೊಂಡು ಹೋದರು. ಈ ದುಷ್ಟ ಜನರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಇಂಗ್ಲಾಂಡಿನಲ್ಲಿ ಮಾತಾಡುವ ವಿಶೇಷವಾದ ಸಮಾಚಾರವಾಗಿದೆ.

ನಾನು ನಿಮ್ಮ ದೇವರೇ, ಎಂದು ಕರ್ತನಾದ ಯೆಹೋವ ಅನ್ನುತ್ತಾನೆ. ಎಜೇ. ೩೪, ೩೧. ೧೭

ಫ್ರಾಂಚು ಚಕ್ರವರ್ತಿಯು ತಾನು ಎಲ್ಲಾ ರಾಜರುಗಳ ಹತ್ತರ ಸಮಾಧಾನದಲ್ಲಿರುವದಕ್ಕೆ ಮನಸ್ಸಾಗಿದ್ಧೇನೆಂದು ಪ್ರಕಟಿಸಿದರೂ, ಅನ್ಯ ರಾಜ್ಯಗಳಿಗೋಸ್ಕರ ೯ ಲಕ್ಷ, ಸ್ವಂತ ರಾಜ್ಯದ ಭದ್ರತೆಗಾಗಿ ೪ ಲಕ್ಷ ೬೦ ಸಾವಿರ ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಕೂಡಿಸುವ ದೊಡ್ಡ ಪ್ರಯತ್ನದಲ್ಲಿ ಇದ್ಧಾನೆ. ತನಗೆ ಯಾವನೊಬ್ಬನಾಗಲೀ ಶತ್ರುವಿಲ್ಲದ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಈ ತರದ ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವದರಿಂದ ಒಂದು ಭಯಂಕರವಾದ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧ ಮಾಡುತ್ತಾನೆಂತ ಕಾಣುತ್ತದೆ.

## ಅಬಿಸಿನ್ಯದ ಯುದ್ಧ.

ಕಳದ ವರುಷದ ಪಂಚಾಂಗದಲ್ಲಿ ಹೇಳಿದ ಪ್ರಕಾರ ಥಿಯೊಡೋರಸ್ ಎಂಬ ಆ ದೇಶದ ಅರಸನು ಕೆಲವು ಪಾದ್ರಿಗಳನ್ನೂ ಬೇರೆ ವಿಲಾಯಿತಿಯವರನ್ನೂ ಹಿಡಿದು, ಶೆರೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ, ಕಡೆಗೆ ಇಂಗ್ಲಿಷ ಸರಕಾರದವರು ಕಳುಹಿಸಿದ ರಾಯಭಾರಿಯನ್ನು ಸಹಾ ಅನ್ಯಾಯವಾಗಿ ಶೆರೆ ಹಿಡಿದ ಕಾರಣ, ಬ್ರಿತ್ತಿಷರು ಯುದ್ಧ ತೊಡಗಿದರು. ಆ ರಾಜ್ಯವು ಬೆಟ್ಟ ಶೀಮೆಯಾಗಿಯೂ ವಿಲಾಯಿತಿಯವರಿಗೆ ಏನೂ ಪರಿಚಯವಿಲ್ಲದ ಕಡೆಯಾಗಿಯೂ ಇರುವದರಿಂದ, ವೈರಿಯನ್ನು ಎದುರಿಸುವದು ಪ್ರಯಾಸವಾಗಿದ್ದರೂ, ಮುಂಬಾಯಿಯಿಂದಲೂ ಬಂಗಾಳದಿಂದಲೂ ಸೋಲ್ಜರ ಶಿಪಾಯಿಗಳ ಮತ್ತು ರಾಹುತರ ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಕಳುಹಿಸೋಣಾಯಿತು. ಸೈನ್ಯವು ಅಬಿಸಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಮುಟ್ಟಿದಾಗ, ತಮ್ಮ ಅರಸನ ಕೈಯಿಂದ ಹೇರಳ ಅನ್ಯಾಯ ಪಟ್ಟ ದೇಶವಾಸಿಗಳು ಅವರನ್ನು ವಿರೋಧಿಸಲಿಲ್ಲ. ಬ್ರಿತ್ಯ ಸೈನ್ಯದ ಅಧಿಪತಿಯಾದ ರೋಬರ್ಟ ನೇಪಿಯರ್ ಧೊರೆಯ ಸಂಗಡ ಆ ರಾಜ್ಯದ ಕೆಲವು ಪ್ರಭುಗಳು ಆರಂಭದಿಂದಲೇ ಸ್ನೇಹಭಾವದಲ್ಲಿ ಇದ್ದರು. ಸೈನ್ಯವು ಬಹು ಪ್ರಯಾಸದಿಂದ ಘಟ್ಟ ಶೀಮೆಯನ್ನು ಹೊಕ್ಕು, ಅದಕ್ಕೂ ಥಿಯೊಡೋರಸನ ಸೈನ್ಯಕ್ಕೂ ಎರಡು ಯುದ್ಧಗಳು ನಡೆದವು: ಒಂದು ಕಳದ ಎಪ್ರಿಲ್ ೧ನೇ ತಾರಿಕಿನಲ್ಲಿಯೂ ಇನ್ನೊಂದು ೧೩ನೇ ತಾರಿಕಿನಲ್ಲಿಯೂ. ಬ್ರಿತ್ತಿಷರು ದೂರ ದೇಶದಿಂದ ಪ್ರಯಾಣ ಮಾಡಿದ ದಣುವಿನಿಂದಲೂ ಹಶುವಿನಿಂದಲೂ ಬಳಲಿರುವ ಸಮಯವನ್ನು ನೋಡಿ, ಥಿಯೊಡೋರಸನು ಯುದ್ಧ ತೊಡಗುತ್ತಲೇ ಮಹಾ ರಾ. ೪ನೇ ರಾಜಪಟಾಲವು ಎದುರಿಸಿತು. ಅಬಿಸಿನ್ಯರು ಮಿಡಿತೆಗಳ ಸಮೂಹದಂತೆ ರಣರಂಗದಲ್ಲಿ ಉದ್ದವಾದ ಸಾಲುಗಳಾಗಿ ಎಸಗುವಾ ಹೊತ್ತು ಇಂಗ್ಲಿಷರು ಬೆಳದ ಪೈರು ಕೊಯ್ಯುವ ಪ್ರಕಾರ, ಅವರನ್ನು ಫಿರಂಗಿಗಳಿಂದ ಕೆಡವಿದರು. ಇದನ್ನು ಕಂಡು, ಉಳಿದ ಅಬಿಸಿನ್ಯರು ಪಲಾಯನ ಮಾಡುವದಕ್ಕೆ ತೊಡಗಿದಾಗ, ಶಿಪಾಯಿಗಳು ಅವರನ್ನು ಹಿಂದಟ್ಟಿ, ಸನೀನುಗಳಿಂದ ಅವರಲ್ಲಿ ಅನೇಕರನ್ನು ತಿವಿದು, ಕೊಂದು ಹಾಕಿದರು. ಕೆಲವರು ಹಿಂತಿರುಗದೇ ತಪ್ಪಿಸಿ ಕೊಂಡರು. ಮರು ದಿವಸ ಇಂಗ್ಲಿಷ ಸೈನ್ಯವು ಎರಡು ಸ್ಥಳಗಳನ್ನು ನೆಲಸಿ ಕೊಂಡು, ಕಾಳಗಕ್ಕೆ ಸನ್ನಾಹ ಮಾಡಿ ನಿಂತರು. ಪಲಾಯನ ತೆಗೆದ ಜನರು ಒಟ್ಟುಗೂಡುವದಕ್ಕೆ ಸಾಧಿಸಿದರೂ ಅವರಿಂದಾಗಲಿಲ್ಲ. ಥಿಯೊಡೋರನು ತಾನು ಸೋತದ್ದನ್ನು ಕಂಡು, ಶೆರೆಯಲ್ಲಿದ್ದ ೬೧ ವಿಲಾಯಿತಿಯವರನ್ನು ಬಿಡಿಸಿ ಬಿಟ್ಟು, ಸಮಾಧಾನದ ಅಪೇಕ್ಷೆಯನ್ನು ನೇಪಿಯರ್ ಧೊರೆಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು. ಆದರೂ ಅವನು ತನ್ನನ್ನು ಬ್ರಿತ್ತಿಷರಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸ ಬೇಕೆಂಬ ಉತ್ತರಕ್ಕೆ ಕೋಪಾರೂಢನಾಗಿ, ತಾನೂ ತನಗೆ ಉಳಿದ ಸೈನ್ಯವೂ ಮಗ್ದಲವೆಂಬ ಕೋಟೆಗೆ ಹೋದರು. ತನಗೆ ಕೇಡು ಮಾಡುವರೆಂಬ ಭಯದಿಂದ ಗಲ್ಲಸ್ ಎಂಬ ಗೋತ್ರದ ೩೦೮ ಪ್ರಭುಗಳ ಕಾವಲಿನಲ್ಲಿರುವ ಶೆರೆಯುವ

ರನ್ನು ಅರಸನು ನಿಷ್ಕರುಣೆಯಾಗಿ ಕೊಲ್ಲಿಸಿದನು. ಅದೇ ದಿವಸದ ೪ ಘಂಟೆಗೆ ಇಂಗ್ಲಿಷರ ಸಂಗಡ ೨ನೇ ಯುದ್ಧ ತೊಡಗಿದನು. ಮಹಾ ರಾ. ೩೩ನೇ ಪಟಾಲಮು ಮುಂದರಿದು, ಯುದ್ಧ ಸೌರಿಸಿದರು. ಇಂಗ್ಲಿಷರು ತಗ್ಗು ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ನಿಂತದರಿಂದ, ಮಗ್ದಲ ಕೋಟೆಯ ಬಾಗಲುಗಳನ್ನು ಗುಂಡುಗಳಿಂದ ಮುರಿದು ಹಾಕುವದಕ್ಕೆ ಆಗದ ಕಾರಣ, ಅವರು ಕೋಟೆಯ ಅಲಂಗಗಳನ್ನು ಲಗ್ಗೆ ಹತ್ತಿ, ಒಳಗಡೆಗೆ ಶೇರಿ, ಬಾಗಲನ್ನು ತೆರೆದರು. ಮೊದಲು ಬಂದವರು ಥಿಯೊಡೋರಸ್ ಸತ್ತು ಬಿದ್ದದ್ದನ್ನು ಕಂಡರು. ಆದರೆ ಇಂಗ್ಲಿಷರ ಗುಂಡಿನಿಂದಲ್ಲ, ತನ್ನ ಮನಸಾಭಿಷ್ಟವು ನಿರರ್ಥಕವಾದದರಿಂದ ಇನ್ನು ಬಾಳಿರುವದಕ್ಕಿಂತ ಸಾಯುವದು ಉತ್ತಮವೆಂತ ನೆನಸಿ, ಸ್ವಂತ ಕೈಯಿಂದ ಗುಂಡು ಹೊಡೆದು ಕೊಂಡು ಸತ್ತನು. ಇಂಗ್ಲಿಷರು ಕೋಟೆಯನ್ನು ನೆಲಸಮ ಮಾಡಿ, ಆ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಗಲ್ಲಸ್ ಎಂಬ ಜನಾಂಗದ ಒಂದು ಕುಲದ ರಾಣಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿ ಕೊಟ್ಟರು. ಅದರನಂತರ ಸೈನ್ಯವೆಲ್ಲ ದೇಶವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು, ಇಂಗ್ಲಾಂಡಿನಲ್ಲಿಯೂ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿಯೂ ಬಂದು ಮುಟ್ಟಿತು. ಮತ್ತು ಇಷ್ಟು ವರ್ಷಗಳಿಂದ ಥಿಯೊಡೋರಸ್ ಹಿಡಿಸಿದ ವಿಲಾಯಿತೀ ಶೆರೆಯವರು ಸಹಾ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ಸ್ವದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ, ಈ ರಕ್ಷಣೆಗಾಗಿ ದೇವರನ್ನು ಮಹಿಮೆ ಪಡಿಸಿದರು. ಥಿಯೊಡೋರಸನ ಮಗನನ್ನು ರಾಣಿಯವರ ಅಪ್ಪಣೆ ಪ್ರಕಾರ ಇಂಗ್ಲಾಂಡಿಗೆ ಕರ ಕೊಂಡು ಬಂದರು. ಅವನನ್ನು ತಕ್ಕ ಸತ್ಕಾರದೊಡನೆ ಅಂಗೀಕರಿಸೋಣವಾಯಿತು. ಸೈನ್ಯಾಧಿಪನಾದ ನೇಪಿಯರ್ ಧೊರೆಯನ್ನು ಅಟ್ಟಹಾಸದಿಂದ ಎದುರ್ಗೊಳಿಸಿ, ಮಹಾ ರಾಣಿಯವರು ಅವನಿಗೆ ಪ್ರಭುತನ ನೇಮಿಸಿ ಕೊಟ್ಟರು.

## ಔಸ್ತ್ರಾಲ್ಯ ರಾಜ್ಯ.

ಎಡಿಂಬರ್ಗಡ್ಯೂಕ ಎಂಬ ಹೆಸರು ಹೊಂದಿದ ಮಹಾ ರಾಣಿಯ ಎರಡನೇ ಪುತ್ರನಾದ ಎಲ್ಬರ್ಟ ರಾಜಶ್ರೀಮಂತನು ಒಂದು ಯುದ್ಧನಾವೆಯ ಅಧಿಪನಾಗಿ, ಅಫ್ರಿಕ ಔಸ್ತ್ರಾಲ್ಯ ಖಂಡಗಳಿಗೆ ಸಮುದ್ರ ಪ್ರಯಾಣ ಮಾಡಿದನು. ಅಫ್ರಿಕದ ಕೇಪಟೌನ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ಇಳಿದಾಗ, ಅದರ ನಿವಾಸಿಗಳು ಅವನನ್ನು ಅತ್ಯಂತ ಸನ್ಮಾನದೊಡನೆ ಆದರಿಸಿದನಂತರ, ಅವನು ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲ ಅಲ್ಲಿ ವಸ್ತಿ ಮಾಡಿ, ಬಳಿಕ ಔಸ್ತ್ರಾಲ್ಯಕ್ಕೆ ಹೊರಟು, ಸಿಡ್ನಿ ಎಂಬ ನಗರಕ್ಕೆ ಬಂದು ಮುಟ್ಟಿದನು. ಅಲ್ಲಿಯ ಜನರು ಅವನಿಗೆ ಅನೇಕ ಉಪಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ಆದರೆ ಅಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಅಪಾಯಕರವಾದದ್ದೊಂದು ಸಂಗತಿ ಸಂಭವಿಸಿತು; ಅದೇನಂದರೆ: ಅವನು ಔಸ್ತ್ರಾಲ್ಯದ ಇಂಗ್ಲಿಷ ಸ್ವಾಸ್ಥ್ಯವಾಗಿರುವ ಕೆಲವು ಊರುಗಳನ್ನು ನೋಡಿ ಕೊಂಡು ಬರುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಒಂದು ದಿವಸ ಸಿಡ್ನಿ ನಗರಕ್ಕೆ ಸಮೀಪವಾದ ಒಂದು ಬೈಲಿನಲ್ಲಿ ತಿರುಗಾಡುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ, ಒಬ್ಬ ಫೀನ್ಯನು ತನ್ನ ಕೈಯಲ್ಲಿರುವ ಪಿಸ್ತೂಲನ್ನು ಅವನಿಗೆ ಹೊಡೆದನು. ಗುಂಡು ಪಕ್ಕೆಲುವುಗಳಲ್ಲಿ ಹೊಕ್ಕಿತು; ಆದರೆ ಅದರಿಂದುಂಟಾದ ಘಾಯವು ಅಷ್ಟು ಅಪಾಯಕರವಾಗಿ ಕಾಣಲಿಲ್ಲವಾದರೂ, ಅವನು ಗುಂಡು ತಾಗಿದ ಕೂಡಲೇ ನೆಲಕ್ಕೆ ಬಿದ್ದನು. ಆ ದ್ರೋಹಿಯು ಇನ್ನೊಮ್ಮೆ ಮದ್ದು ಜಡಿದು, ಹೊಡೆದನು; ಆದರೆ, ಗುಂಡು ಹೊರಡಲಿಲ್ಲ. ಮೂರನೆ ಸಾರಿ ಹೊಡಿಯುವಷ್ಟರೊಳಗೆ ಬೇರೊಬ್ಬನು ಅವನ ಹಿಂದೆ ಬಂದು, ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದರಿಂದ, ಆ ಗುಂಡು ಗುರಿ ತಪ್ಪಿ, ಆ ರಾಜಪ್ರಭುವಿನ ಸಮೀಪವಾಗಿ ಹಾರಿ,

ಆ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಬರುವ ಒಬ್ಬ ಧೊರೆಯ ಕಾಲಿಗೆ ತಾಗಿತು. ಕೂಡಲೇ ಆಸಪಾಸವಿರುವ ಜನರು ಗುಲ್ಲು ಕೇಳಿ, ಬಂದು ಕೂಡಿದರು. ಆ ಕೊಲೆಪಾತಕಿಯನ್ನು ಹಿಡಿದು, ಆಗಲೇ ಜಜ್ಜಿ ಕೊಲ್ಲುತ್ತಿದ್ದರು; ಆದರೆ ಪೊಲೀಸಿನವರು ಅವನನ್ನು ಪಹರೆಯಲ್ಲಿಟ್ಟು, ಆ ಊರಿನ ನ್ಯಾಯಾಧ್ಯಕ್ಷರ ಬಳಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದರು. ಆ ಪ್ರಭುವಿನ ದೇಹದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದ ಗುಂಡು ಎರಡು ದಿವಸಗಳನಂತರ ಹೊರಗೆ ತೆಗೆದಾಗ, ಘಾಯವು ಸ್ವಲ್ಪ ವಾಶಿಯಾಯಿತು. ಔಸ್ತ್ರಾಲ್ಯದ ಜನರು ಆ ರಾಜಪ್ರಭುವಿನ ಮೇಲೆ ದ್ರೋಹ ಚಿಂತಿಸಿದ ಆ ದುಷ್ಟ ಮನುಷ್ಯನ ಮೇಲೆ ಬಹಳವಾಗಿ ಕೋಪಿಸಿ ಕೊಂಡು, ರಾಜಪ್ರಭುವಿನ ಜೀವರಕ್ಷಣೆಗಾಗಿ ಸಂತೋಷ ತೋರಿಸಲಿಕ್ಕೆ ಬಹಳ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಗೋಸ್ಕರ ಕೂಡಿ ಬಂದರು. ಇಂಗ್ಲಾಂಡಿನಲ್ಲಿರುವ ಫೀನ್ಯರು ಆ ಕೊಲೆಪಾತಕಿಯನ್ನು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದರಿಂದ, ಇಂಥಾ ಕ್ರೂರ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ಮಾಡಲಿಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಾಯಿತಂತೆ. ಆ ರಾಜಪ್ರಭುವು ಸ್ವಲ್ಪ ಕ್ಷೇಮ ಹೊಂದುತ್ತಲೇ ಇಂಗ್ಲಾಂಡಿಗೆ ತಿರಿಗಿ ಹೊರಟು, ತನ್ನ ಸ್ವದೇಶಕ್ಕೆ ಸುರಕ್ಷಿತವಾಗಿ ಬಂದು ತಲ್ಪಿದನು. ಮತ್ತು ಆ ಕೊಲೆಪಾತಕಿಗೆ ಮರಣಶಿಕ್ಷೆ ವಿಧಿಸೋಣಾಯಿತು.

## ಅಮೆರಿಕ ಖಂಡ.

ಸಂಯುಕ್ತ ಸಂಸ್ಥಾನದ ಪ್ರಜಾಧಿಪನಾದ ಜೊನ್‍ಸನ್ ಧೊರೆಯು, ತನ್ನ ಉದ್ಯೋಗದ ಅವಧಿಯು ಈ ವರ್ಷ ತೀರುವದರಿಂದ, ಕೆಲಸ ಬಿಟ್ಟು ಹೋಗ ಬೇಕಾಗುವದು. ಇವನ ಬದಲಾಗಿ ಸೇನಾಧಿಪತಿಯಾದ ಗ್ರೆಂಥ್ ಧೊರೆಯು ಉದ್ಯೋಗ ಹೊಂದುವನೆಂಬದಾಗಿ ಕಾಣುತ್ತದೆ.

ಕನ್ನಡ ಮಲಯಾಳ ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಕೊಡಗದಲ್ಲಿಯೂ

ಶಿಕ್ಕುವಂಥ

# ವೃಕ್ಷಾದಿಗಳ ವರ್ಣನೆ.

(ಹೋದ ವರ್ಷದ ಪಂಚಾಂಗದಿಂದ ಮುಂದೆ.)

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ಸೂಚನೆ: ಹುಟ್ಟು. | ಅಂದರೆ | ಹುಟ್ಟು ಸ್ಥಳ. | ಸಂ. | ಅಂದರೆ | ಸಂಸ್ಕೃತ. |
| ತ. | „ | ತಮಿಳು. | ಕೊಂ. | „ | ಕೊಂಕಣ. |
| ಮ. | „ | ಮಲಯಾಳ. | ಮಹಾ. | „ | ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ. |
| ತು. | „ | ತುಳು. | ಹಿಂ. | „ | ಹಿಂದುಸ್ಥಾನಿ. |

**55.** ಆಕಾಶಗರುಡಬಳ್ಳಿ. *Bryonia epigaea* (*Rottl.*) ತ: ಮ: ಕಡಂಬ್. ಸಂ: ಕಡಂಬ. ಹಿಂ: ಕುದ್ದುಂ.

ಹುಟ್ಟು: ಕಾಡು, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಚೋಳಮಂಡಲತೀರದಲ್ಲಿ.

ಔಷಧೋಪಯೋಗ: ವಾತರೋಗಕ್ಕೂ ಸರ್ಪವಿಷಕ್ಕೂ.

ಈ ಬಳ್ಳಿಯ ಬೇರುಗಳು ಇಳಿದು ಘಾಳಿಯಲ್ಲಿ ಬದುಕುವವು.

**56.** ಅಚಾರಿ ಬಳ್ಳಿ (ಬೂರು). *Ichnocarpus frutescens.* (*R. Br.*) ತ: ಮ: ಪಾಲ್‌ವಳ್ಳಿ.

**57.** ಆಡುಮುಟ್ಟದ ಗಿಡ ಇಲ್ಲವೆ ಕುರಿಗಿಡ *Aristolochia bracteata* (*Retz.*) ತ: ಆಡುತಿನ್ನಾಪಿಳೆ. ಮ: ಆಡಲೋಟಕಂ. ಸಂ: ವಾಶಾ.

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರತೀರ, ತಿರುವಂಕೋಡು.

ಔಷ: ಕಹಿಯಾದ ಎಲೆಗಳು ಖಜ್ಜಿಗೂ ಹೊಟ್ಟೆನೋವಿಗೂ ಕ್ರಿಮಿರೋಗಕ್ಕೂ ಆಗುತ್ತವೆ; ಅದರ ಚಿಗುರು ಕಣ್ಣುನೋವಿಗೆ ಹಿಂಡುತ್ತಾರೆ.

**58.** ಆಡಲುಹರಳು ಮರ, ಇಲ್ಲವೆ ದೊಡ್ಡ ಹರಳು, ಕಾಡ ಹರಳು ಮರ. *Jatropha carcas* (*Linn.*) ತ: ಕಾತಮನುಕ್. ಮ: ಕಡಲಾಮನುಕ್. ತು: ಕಾಡ ಳಂಬುಡು. ಕೊಂ: ಕಾಡ ಎರಡಿ.

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರತೀರ.

ಔಷ: ಎಣ್ಣೆ ವಾತರೋಗಕ್ಕೂ ಖಜ್ಜಿಗೂ ಆಗುತ್ತದೆ. ಹೊಟ್ಟೇ ಮೇಲೆ ಹಚ್ಚಿದರೆ, ಹೊಟ್ಟೆನೋವಿಗೂ ಕ್ರಿಮಿರೋಗಕ್ಕೂ; ತಲೆಗೆ ಹಚ್ಚಿದರೆ ತಾಮರೆಗೂ ಗುಣ.

ಸಾಧಾರಣ ಉಪಯೋಗ: ಎಣ್ಣೆ ದೀಪಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೇದು.

**59.** ಆಡಿ ಹುಲ್ಲು. *Carex mercarensis* (*Hochst.*)

ಹುಟ್ಟು: ಕೊಡಗು ಶೀಮೆ.

**60.** ಆನೆ ಚಾಗಟೆ ಇಲ್ಲವೆ ದೊಡ್ಡ ಚಾಗಟೆ, ದೊಡ್ಡ ಟಗಸೆ. *Cassia occidentalis* (*Linn.*) ತು: ಆನೆ ತಜಂಕ್.

ಹುಟ್ಟು: ಸಾಧಾರಣ.

ಔಷ: ಗುಣ ಉಷ್ಣ. ಕ್ರಿಮಿರೋಗಕ್ಕೂ ವಾಂತಿಭೇದಿ ರೋಗಕ್ಕೂ ಬೀಗಿಗೂ ಗೃಹಣಿಗೂ.

**61.** ಆನೆನೆಗ್ಗಿಲು ಗಿಡ, ದೊಡ್ಡ ನೆಗ್ಗಿಲು. *Pedalium murex* (*Linn.*) ತ: ಮ: ಆನೆನೆರಿಞಲ್. ಸಂ: ಗಜದಂಷ್ಟ್ರೀ. ಮಹಾ: ಗೋಖ್ರು.

ಹುಟ್ಟು: ಕನ್ಯಕುಮಾರಿ, ಮುಂಬಾಯಿ.

ಔಷ: ಜ್ವರಕ್ಕೆ.

**62.** ಆನೆಮುಂಗು ಮರ ಇಲ್ಲವೆ ಕಾಡಂಬಡೆ. *Calosanthes indica* (*Blume.*) ಮ: ಪೈಯಾಣ. ಸಂ: ಶ್ರೀವೃಕ್ಷ. ಕೊಂ: ಚಾಮ್ಮುಯಿ.

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರ ಚೋಳಮಂಡಲ ತೀರಗಳಲ್ಲಿ.

ಔಷ: ಬೀಗಿಗೂ ಮಕ್ಕಳ ಶ್ವಾಸರೋಗಕ್ಕೂ ಜ್ವರಕ್ಕೂ.

ಸಾಧಾ: ಸಾರ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ.

**63.** ಆವರಿ ಗಿಡ. *Phaseolus trilobus* (*Ait.*) ತ: ಎಪಿಪಯರು. ಕೊಂ: ಹವುಲಿ.

ಹುಟ್ಟು: ದಖ್ಖಣ.

ಔಷ: ಬೇರಿನ ಕಷಾಯ ಕೆಮ್ಮಿಗೂ ಶೀತಜ್ವರಕ್ಕೂ ಬೀಗಿಗೂ ಕೊಡುತ್ತಾರೆ.

ಸಾಧಾ: ಪಲ್ಯ.

**64.** ಆವರಿಕೆ ಗಿಡ. *Cassia auriculata (Linn.)* ತ: ಆವರೈ. ಮ: ಜಿಮುಟಿ.

ಹುಟ್ಟು: ದಕ್ಷಿಣ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ.

ಔಷ: ಬೀಜದ ಪುಡಿ ಕಣ್ಣು ನೋವಿಗೆ.

ಸಾಧಾ: ಚರ್ಮ ಹದ ಮಾಡುವದು, ಬೇರಿನಿಂದ ಹಲ್ಲು ಉಜ್ಜುವದು.

**65.** ಆಷದಿಯು ಗಿಡ. *Asparagus racemosus.*

ಹುಟ್ಟು: ತಿರುವಂಕೋಡು, ದಖ್ಖಣ.

ಔಷ: ಬೇರು ಪಿತ್ತಹರ.

ಸಾಧಾ: ಒಳ್ಳೇ ಪರಿಮಳ.

**66.** ಆಸು ಮರ ಇಲ್ಲವೆ ಆಶಿನ ಮರ. *Shorea robusta.* 53ನೇ ಅಂಕೆ ನೋಡ ಬೇಕು.

## ಇ

**67.** ಇಂದ್ರವಾರುಣಿ ಇಲ್ಲವೆ ಹಾವುಮೆಕ್ಕೆ, ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಬಳ್ಳಿ. *Citrullus colocynthis (Schrad.)* ತ: ಪೈಕುಮುಟಿ. ಮ: ಕಾಕತುಂಟಿ. ತು: ಕಾಕತೊಂಡೆ. ಕೊಂ: ಕಾವಂಡಳಿ. ಮಹಾ: ಹಿಂ: ಬಿಂದ್ರಾವನ್.

ಹುಟ್ಟು: ದಕ್ಷಿಣ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ.

ಔಷ: ಬೀಜ ವಿಷದ್ದಾದರೂ ಬಹು ಪ್ರಯೋಜನವುಳ್ಳದ್ದು. ಅದರ ಎಣ್ಣೆ ಸರ್ಪದಂಶಕ್ಕೂ ಕರಳುಗಳ ಅಕ್ರಮುಕ್ಕೂ ಅಪಸ್ಮಾರಕ್ಕೂ ಕೇಷವೃದ್ಧಿಗೂ ಒಳ್ಳೇದು. ಬೇರು ಕೆಮ್ಮಿಗೂ ಮಕ್ಕಳ ಉಬ್ಬಸಕ್ಕೂ ಆಗುತ್ತದೆ.

ಸಾಧಾ: ಶೃಂಗಾರದ ಕಾಯಿ.

**68.** ಇಂಪ್ಪಿ ಗಿಡ. *Sorghum Saccharatum (Pers.)* ಮ: ಪೊರಿಚ್ಚವಳಂ.

ಹುಟ್ಟು: ದಕ್ಷಿಣ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ.

ಸಾಧಾ: ಒಂದು ತರದ ಜೋಳ. ದನಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೇ ಆಹಾರ. ಚೀನ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಅದರಿಂದ ಸಕ್ಕರೆ ಮಾಡುವದುಂಟು.

**69.** ಇಪ್ಪೆ ಮರ. *Bassia latifolia (Roxb.)* ತ: ಇಲ್ಪೈ ಮರಂ. ಮ: ಇರಿಪ್ಪ.

ಹುಟ್ಟು: ಉತ್ತರ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ.

ಔಷ: ಗುಣ ಉಷ್ಣ. ವಾತರೋಗಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೇದು.

ಸಾಧಾ: ಮರ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಬರುತ್ತದೆ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಗಾಡಿಗಳ ಅಚ್ಚು ಮರಕ್ಕೆ. ಕೆತ್ತೆ ಹೂಗಳಿಂದ ಸಾರಾಯಿ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ಅದು ಕುದುರೆಗೆ ಹೊಟ್ಟೆನೋವಾದರೆ ಕೊಡುವದು. ಬೀಜಗಳಿಂದ ಎಣ್ಣೆ ಮಾಡ ಬಹುದು.

**70.** ಇಬ್ಬುಡ್ಲು ಗಿಡ. *Cucumis melo (Linn.)*

ಹುಟ್ಟು: ತೋಟಗಳು.

**71.** ಇಲಿಕಿವಿ ಪಲ್ಯ. ತ: ಇಲಿಕಾದ್. ಮ: ಎಲಿಚೆವಿ. ಸಂ: ಮೂಷಕಪರ್ಣಿ.

ಔಷ: ಕಣ್ಣುರೋಗಕ್ಕೆ ಹಿಂಡ ಬಹುದು. ಅಕ್ಕಿಯ ಸಂಗಡ ಅರದು ಕಡಬು ಮಾಡಿದರೆ, ಅಜೀರ್ಣ ಗುಣ.

## ಈ

**72.** ಈಚಲ ಮರ. *Phoenix sylvestris* (*Roxb.*) ತ: ಈಚೆಮರಂ. ಮ: ಈಂದ್.

ಹುಟ್ಟು: ವಿಶೇಷವಾಗಿ ದಖ್ಖಣ.

ಸಾಧಾ: ಎಲೆಗಳಿಂದ ಚಾಪೆ ಹೆಣೆಯುತ್ತಾರೆ. ಕಳ್ಳಿನಿಂದ ಸಾರಾಯಿ ಬೆಲ್ಲ ಕಲ್ಲುಸಕ್ಕರೆ ಸಹಾ ಮಾಡುವದು.

**73.** ಈಶ್ವರ ಬಳ್ಳಿ. *Aristolochia indica* (*Linn.*) ತ: ಪೆರುಮರಂತ್. ಮ: ಈಶ್ವರಮುಲ್ಲ, ಉರಿತೂಕ್ಕಿ. ಕೊಂ: ಸಾಪ್ಸಿಕಡ್ಡೊಲ.

ಹುಟ್ಟು: ಪಶ್ಚಿಮತೀರದ ಕಾಡುಗಳು.

ಔಷ: ಬೇರು, ಕುಷ್ಠರೋಗಕ್ಕೂ ಬಾಣಂತಿನಂಜಿಗೂ ಸರ್ಪದ ವಿಷಕ್ಕೂ ಬೇರೆ ತರದ ನಂಜಿಗೂ ಸನ್ನಿರೋಗಕ್ಕೂ ಕ್ರಿಮಿರೋಗಕ್ಕೂ ಉಪಯೋಗ.

## ಉ

**74.** ಉಗುರುಸುತ್ತು ಬಳ್ಳಿ. *Daemia extensa* (*R. Br.*) ತ: ಉತಮ್ಮನಿ.

ಹುಟ್ಟು: ದಕ್ಷಿಣ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ.

ಔಷ: ಮೈ ಬಾತಿದರೆ ಲೇಪ ಮಾಡುವದು. ಉಬ್ಬಸಪೀಡೆಗೂ ಆಗುತ್ತದೆ.

ಸಾಧಾ: ನಾರು ಉಂಟು.

**75.** ಉಚಿಲಡುಂಬು. *Euphorbia halophila.*

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರತೀರ.

**76.** ಉದುರಿ ಬಳ್ಳಿ ಇಲ್ಲವೆ ಅಸಾದಿ ಬಳ್ಳಿ, ಹಲುವಾಮಕ್ಕಳ ಬಳ್ಳಿ. *Asparagopsis Hohenackeri* (*Kth.*) ಸಂ: ಶತಾವರಿ.

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರತೀರ.

ಔಷ: ಶರೀರದ ಉಷ್ಣ ಕಡಿಮೆ ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಬೇರಿನ ರಸದಲ್ಲಿ ಮಿಕದಕೋಡು ಅರದು ತೆಗದು ಕೊಂಡರೆ, ಎದೆನೋವು ಗುಣ.

ಸಾಧಾ: ಒಳ್ಳೇ ಪಾನಕ ಮಾಡ ಬಹುದು. ಶೃಂಗಾರದ ಬಳ್ಳಿ.

**77.** ಉದ್ದು. *Phaseolus Roxburghii* (*W. & A.*) ತ: ಉಳುಂದ್. ಮ: ಉಯಿನ್ನ್. ಸಂ: ಮಾಶ. ಹಿಂ: ಉಡೀದ್.

ಹುಟ್ಟು: ತೋಟಗಳು.

ಸಾಧಾ: ಉತ್ತಮ ತರದ ಆಹಾರ. ಗುಣ ತಂಪು. ಉಷ್ಣದಿಂದ ರಕ್ತ ಹೋಗುವವರಿಗೆ ಅದರ ಕಡಬು ಕೊಟ್ಟರೆ ಒಳ್ಳೇದು. ಅದರ ಹಿಟ್ಟಿನಿಂದ ಅಂಟು ಸಹಾ ಮಾಡ ಬಹುದು.

**78.** ಉನ್ಮತ್ತ ಗಿಡ ಇಲ್ಲವೆ ಉಮ್ಮತ=ಉಂಬತ್ತ=ದತ್ತೂರಿ=ದುತ್ತೂರಿ ಗಿಡ, ಮದುಗುಣಿಕೆ. *Dattura alba* (*Rumph.*) / „ *fasteosa* (*Willd.*) } ತ: ಮ: ತು: ಉಮ್ಮತ. ಸಂ: ಮದನ.

ಕರಿ ಉಮ್ಮತ್ತವೂ ಬಿಳೇ ಉಮ್ಮತ್ತವೂ ಉಂಟು. ಈ ಎರಡರಲ್ಲಿ ಕರಿದು ಉತ್ತಮ.

ಹುಟ್ಟು: ಎಲ್ಲಿಯೂ ಶಿಕ್ಕುತ್ತದೆ.

ಔಷ: ಬೇರು ಸರ್ಪವಿಷಕ್ಕೆ ಲಿಂಬೇ ರಸದಲ್ಲಿ ಅರದು ಹಚ್ಚ ಬಹುದು. ಕೆಪ್ಪಡವೆಂಬ ದವಡೆನೋವಿಗೆ ಸಹಾ ಉಪಯೋಗ. ಹೂವಿನ ಬತ್ತಿ ಶೇದಿದರೆ, ಶ್ವಾಸರೋಗ ಗುಣ. ಕಾಯಿ ಕೊರದು ಅದರಲ್ಲಿ ಎಣ್ಣೆ ಕಾಸಿ ಕಿವಿಗೆ ಹೊಯಿದರೆ, ಕಿವಿನೋವು ಗುಣ. ಬೀಜದ ಎಣ್ಣೆ ಸರ್ಪ ಕಚ್ಚಿದ ಘಾಯಕ್ಕೆ ಹಚ್ಚಿದರೆ ಗುಣ. ಹುಚ್ಚುನಾಯಿ ಕಚ್ಚಿದರೆ, ಬೇರು ನೀರಲ್ಲಿಯಾಗಲಿ ಲೋಳಿಸರ ರಸದಲ್ಲಿಯಾಗಲಿ ತೇದು, ಅರ್ಧ ಪಾವಲಿ ತೂಕ ಕುಡಿದು, ಘಾಯಕ್ಕೆ ಸಹಾ ಹಚ್ಚ ಬೇಕು.

**79.** ಉಪೋದಕ ಇಲ್ಲವೆ ದೊಡ್ಡ ಬಸಳೆ, ಹಿರಿಯ ಬಸಳೆ. *Basella cordifolia* (*Linn.*) ತ: ಬಶಲೆ. ಮ: ಪಂದಲ್ಚೀರ. ಸಂ: ಉಪೋತಕೀ.

ಹುಟ್ಟು: ತೋಟಗಳು.

ಸಾಧಾ: ಪಲ್ಯ. ಶೀಗೇ ಗುಣ. ಉಷ್ಣದ ತಲೆನೋವಿಗೆ ಇದರ ಬೋಂಪು ಇಲ್ಲವೆ ಲೋಳಿ ಒರಸಿ ಕೊಂಡು ಮಿಂದರೆ ಗುಣ, ನಿದ್ರೆ ಸಹಾ ಬರುವದು. ಕೆಂಪು ಬಸಳೆಯ ಬೇರು ಕಷಾಯ ಮಾಡಿ ಕೊಟ್ಟರೆ, ಪಿತ್ತಶಾಂತಿ ಗುಣ.

**80.** ಉಪ್ಪಲಿಗೆ ಮರ ಇಲ್ಲವೆ ಬೆಟ್ಟದಾವರೆ. *Macaranga indica* (*R. W.*) ತ: ಉತ್ತಥ ಮರಂ. ಮ: ಉಪ್ಪಿಲ. ಕೊಂ. ಚಾಂದಡೆ.

ಹುಟ್ಟು: ನೀಲಗಿರಿಗಳೂ ತಿರುವಂಕೋಡೂ ಮಲಬಾರತೀರವೂ.

ಸಾಧಾ: ಮರ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೇದು. ಎಲೆ ನಿರ್ದೋಷವಾದದ್ದು, ಕಡಬು ಮಾಡುವದಕ್ಕೂ ಊಟಕ್ಕೂ ಪ್ರಯೋಗಿಸುತ್ತಾರೆ.

**81.** ಉಶೀರ ಹುಲ್ಲು ಇಲ್ಲವೆ ಬಾಳದ ಹುಲ್ಲು, ಲಾವಂಚೆ, ಕಸುವು ಹುಲ್ಲು. *Andropogon muricatum* (*Retz.*) ತ: ಲಾಮುಚಂ ಇಲ್ಲವೆ ವೆತ್ತಿವಾಯಿರ್. ಮ: ರಾಮುಚಂ. ತು: ಮುಡ್ಯಾಲ.

ಹುಟ್ಟು: ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಚೋಳಮಂಡಲತೀರವು, ಪಾಲಿಕಾಡು ಮಲೆಗಳು.

ಔಷ: ಕಷಾಯ ಜ್ವರಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೇದು.

ಸಾಧಾ: ಪರಿಮಳ. ಬೇರಿನಿಂದ ತೈಲವಾಗುತ್ತದೆ; ಬೀಸಣಿಗೆ, ಹಾಸಿಗೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ.

## ಊ

**82.** ಊರಶ್ವತ್ಥ ಮರ. *Urostigma religiosum* (*Gaspar.*)

**83.** ಊರಕೆಸು ಗಿಡ. *Eugenia malabarica.* ತ: ಆಳ್ವಳ್ಳಿ. ಮ: ನಾಟತಾಳ್. ತು: ತೇವು. ಸಂ: ಆಳುವ.

ಸಾಧಾ: ಒಳ್ಳೇ ಪಲ್ಯ. ಗಡ್ಡೆಗಳು ಹುರಿದು ತಿನ್ನುತ್ತಾರೆ.

**84.** ಊರು ಎಳ್ಳು ಗಿಡ. *Sesamum indicum (Linn.)* ತ: ಎಳ್ಳು. ಮ: ಚಿತ್ತೆಳ್ಳು. ಸಂ: ತಿಲಂ. ಕೊಂ: ಮಹಾ: ತೀಳು.

ಹುಟ್ಟು: ತೋಟಗಳು.

ಔಷ: ಬೀಜ ಮೂಲವ್ಯಾಧಿಗೆ ಉಪಯೋಗ. ಎಣ್ಣೆ ತಂಪು ಗುಣ.

ಸಾಧಾ: ಎಣ್ಣೆ ಆಹಾರಕ್ಕೂ ದೀಪಕ್ಕೂ ಬೇರೆ ಬಹಳ ಉಪಯೋಗಕ್ಕೂ ಬರುತ್ತದೆ. ನೀರು ಶೇರದಿದ್ದರೆ, ಕೆಲವು ವರ್ಷ ಜಿಡ್ಡಾಗದು.

**85.** ಊರುಹಾಗಲ ಬಳ್ಳಿ. *Momordica balsamina.* ತ: ಪಾವೆಕಾಯಿ ವಳ್ಳಿ. ಮ: ಕಯಿಪವಳ್ಳಿ. ತು: ಕಂಚಾಲ. ಹಿಂ: ಕರೇಲಾ.

ಹುಟ್ಟು: ತೋಟಗಳು.

ಔಷ: ಎಲೆಗಳ ರಸ ಕ್ರಿಮಿರೋಗಕ್ಕೂ ಜುಲಾಬು ಆಗುವದಕ್ಕೂ.

ಸಾಧಾ: ಪಲ್ಯ. ಅದರಿಂದ ಜೀರ್ಣ ಹೆಚ್ಚುತ್ತದೆ.

## ಎ

**86.** ಎಕಿನ ಗಡ್ಡೆ. *Cyperus juncifolius.* ತ: ಮುತ್ತಕ್ಕಜು.

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರತೀರ.

**87.** ಎಗಚಿಮರ ಇಲ್ಲವೆ ಶೀಹಾಲೆ ಮರ. *Zyzyphus jujuba (Linn.)* ತ: ಪಾಲೇ ಮರಂ. ಮ: ಮಂಗಲಪಾಲ. ತು: ಪಾಲೆ. ಸಂ: ಸಪ್ತಚ್ಛದಂ.

ಹುಟ್ಟು: ದಕ್ಷಿಣ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ.

ಔಷ: ಕೆತ್ತೆಗೆ ಚೊಗರು ಗುಣ ಉಂಟು. ಮಕ್ಕಳ ಕ್ರಿಮಿರೋಗಕ್ಕೆ ಕೊಡುತ್ತಾರೆ.

ಸಾಧಾ: ಕಾಯಿ ತಿನ್ನ ಬಹುದು. ಮರದಿಂದ ಹಾವುಗೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ಎಲೆಗಳು ನಯ ಮಾಡಲಿಕ್ಕಾಗುತ್ತವೆ.

**88.** ಎಡತರಿ ಗಿಡ, ವದವಿನ ಗಿಡ. *Dichostachys cinerea (W. & A.)*

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರತೀರ.

**89.** ಎಲೆಕಳ್ಳಿ ಮರ. *Euphorbia nivulia (Buch.)* ತ: ಮ: ತು: ಎಲೆಕಳ್ಳಿ.

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರ ಚೋಳಮಂಡಲ ತೀರಗಳು.

ಔಷ: ಎಲೆಗಳು ಜುಲಾಬು ಮಾಡುತ್ತವೆ. ಬೇರು ಬೀಗಿಗೂ ವಾತರೋಗಕ್ಕೂ ಉಪಯೋಗ.

## ಏ

**90.** ಏಲಕ್ಕಿ ಗಿಡ. *Elettaria cardamomum (Maton.)* ತ: ಏಲಂ. ಮ: ಏಲವಳ್ಳಿ. ಸಂ: ಏಲ. ಮಹಾ: ಏಳ. ಹಿಂ: ಎಲಾಚೀ.

ಹುಟ್ಟು: ಕೊಡಗು, ಮೈನಾಡು, ನಾಗೂರು, ತಿರುವಂಕೋಡು ಇವುಗಳ ಬೆಟ್ಟಗಳಲ್ಲಿ.

ಔಷ: ಪಿತ್ತಹರ, ಕಾರುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸುತ್ತದೆ.

ಸಾಧಾ: ಶೀ ಪದಾರ್ಥದಲ್ಲಿ ಶೇರಿಸುವ ಒಳ್ಳೇ ಗಂಧಿಕ.

**91.** ಏರಂಡ ಗಿಡ. *Artocarpus lacoocha (Roxb.)* ತ: ಆಮಣಕ್. ಮ: ಆಮೆಣಕ್. ತು: ಪರೇಳ್, ಅಳಂಬುಡ್. ಕೊಂ: ಎರಡಿ. ಮಹಾ: ಏರಂಡೀ.

ಹುಟ್ಟು: ತೋಟಗಳು.

ಔಷ: ಬೀಜದ ಎಣ್ಣೆ ವಿರೋಚನೆ ಮಾಡುತ್ತದೆ. ವಾತರೋಗಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೇದು. ಬೇರು ಉಸುರು ಶಿಕ್ಕಿಗೆ.

ಸಾಧಾ: ಬೇರನ್ನು ಅರಸಿನ ಬಣ್ಣಕ್ಕೆ ಪ್ರಯೋಗಿಸುತ್ತಾರೆ.

**92.** ಏರುಮದ ಗಿಡ. *Pentaptera arjuna (Roxb.)* ತ: ಮ: ಪರ್ಪಟಕಂ. ತು: ಕೋರಪಂತಿ. ಸಂ: ಪರ್ಪಟಂ.

ಹುಟ್ಟು: ಬಂಗಾಳ, ಸುರಾಷ್ಟ್ರ, ಮಲಬಾರತೀರ.

ಔಷ: ಜ್ವರಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೇದು.

## ಒ

**93.** ಒಂದೆಲಗ ಇಲ್ಲವೆ ತಿಮರೆ. (*Hydrocotyle asiatica (Linn.)* ತ: ಒರೆಲೆತಾಮರೆ. ಮ: ಮುತ್ತಳ್. ಸಂ: ಮಂಡೂಕ, ಬ್ರಹ್ಮೀ. ಮಹಾ: ಏಕಪಾನಿ.

ಹುಟ್ಟು: ಗದ್ದೆಗಳ ಬದಿಯಲ್ಲಿ, ಮಲಬಾರತೀರ.

ಔಷ: ತ್ರಿದೋಷ ಶಮನ. ಚುರುಕು ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಕುಷ್ಠರೋಗಕ್ಕೂ ಕರಳುಗಳ ಅಕ್ರಮಕ್ಕೂ ಒಳ್ಳೇದು.

ಸಾಧಾ: ಚಟ್ನಿ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ.

**94.** ಒಳ್ಳೆಮೆಣಸು ಬಳ್ಳಿ. *Piper nigrum (Linn.)* ತ: ಮೊಳಗ್. ಮ: ನಲ್ಲಮುಳಕ್. ತು: ಮುಣುಚಿ. ಸಂ: ಮರಿಚಂ. ಕೊಂ: ಮಿರಿ. ಮಹಾ: ಮಿರೇ. ಹಿಂ: ಕಾಳಾಮಿರಿಚಿ.

ಹುಟ್ಟು: ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಮಲಬಾರ.

ಔಷ: ಸನ್ನಿರೋಗಕ್ಕೂ ಜ್ವರಕ್ಕೂ ವಾತರೋಗಕ್ಕೂ ಬಾಣಂತಿಗೂ ಹೊಟ್ಟೆಪೀಡೆಗೂ ಆಗುತ್ತದೆ.

ಸಾಧಾ: ಸಂಬಾರ ಜೀನಸು.

## ಓ

**95.** ಓಟೆ ಮರ ಇಲ್ಲವೆ ದಾರೆಹುಳಿ ಮರ. *Garcinia pictoria (Roxb.)* ತ: ಮುಕ್ಕಿ. ಮ: ಪುಲಿಂಚಕ್ಕ. ತು: ಓಟೆಪುಳಿ. ಕೊಂ: ವಟಾಂಬ.

ಹುಟ್ಟು: ಕನ್ನಡ, ವೈನಾಡು, ಮೈಸೂರ ಶೀಮೆ.

ಔಷ: ಎಣ್ಣೆ ಬೆಂದುಹುಣ್ಣಿಗೆ ಒಳ್ಳೇದು.

ಸಾಧಾ: ಅರಸಿನ ಬಣ್ಣದ ಅಂಟು ಕೊಡುತ್ತದೆ. ಎಣ್ಣೆ ಆಹಾರಕ್ಕೂ ತಕ್ಕದ್ದು.

## ಔ

**96.** ಔಗುದೇ ಗಿಡ ಇಲ್ಲವೆ ಕಡಗೋಲು ಗಿಡ. *Solanum lycopersicum (Linn.)*

ಹುಟ್ಟು: ಮಲಬಾರತೀರ.

# ಸನ್ ೧೮೬೮ನೇ ಇಸವಿ ೯ನೇ ಆಕ್ಟು.

ವೃತ್ತಿ ಮತ್ತು ಕಸಬುಗಳ ಮೇಲೆ ತೆರಿಗೆಯನ್ನು ವಿಧಿಸುವ ಬಗ್ಯೆ ಉಂಟಾದ
ಈ ಹೊಸ ಆಕ್ಟಿನ ಸಾರಾಂಶವು.

ಈ ಆಕ್ಟು ಈ ಕೆಳಗೆ ಕಾಣಿಸಿದ ಜನರಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸುವದಿಲ್ಲ:

೧. ವರುಷಕ್ಕೆ ೬,೦೦೦ ರೂಪಾಯಿಗಳಿಗೆ ಮೀರದ ಸಂಬಳ ಹೊಂದುವ

೧, ಮಹಾ ರಾಣಿಯವರ ಇಂಡಿಯಾ ಸೈನ್ಯದ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥರು;

೨, ಸದರಿ ಸೈನ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಯಾವದರಲ್ಲಾದರೂ ಇರುವ ಹುದ್ದೆ ಹೊಂದದ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥರು, ಮತ್ತು ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥರಲ್ಲದ ಸೈನ್ಯದವರು;

೩, ಪೋಲೀಸ್ ಫೌಜಿನಲ್ಲಿರುವಂಥಾ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥರು.

೨. ಸನ್ ೧೮೬೭ನೇ ಇಸವಿ ೨೧ನೇ ಆಕ್ಟಿನ ೪ನೇ ಪ್ರಕರಣದ ಪ್ರಕಾರ ಕೊಟ್ಟ ಹುಕುಮಿನಿಂದ ವಿನಾಯಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಜನರು.

ಈ ಆಕ್ಟು ಪ್ರಕಾರ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟ್ ಎಂಬ ನಿರ್ಣಯಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ತೆಗದು ಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೆ ಅರ್ಹರಲ್ಲದವರು ಯಾರಂದರೆ:

೧. ತನ್ನ ಭೂಮಿಯ ಹುಟ್ಟುವಳಿಯನ್ನು ಮಾರುವದಕ್ಕೆ ಅಂಗಡಿ ಅಥವಾ ಕಾರ್ಖಾನೆಯನ್ನು ಇಡದ ಸಾಗುವಳಿಗಾರ.

೨. ವರುಷಕ್ಕೆ ೧,೦೦೦ ರೂಪಾಯಿಗಿಂತ ಕಡಿಮೆ ಸಂಬಳ ಹೊಂದುವ, ಸರಕಾರದವರಾಗಲೀ ಮುನಿಶಿಪೆಲ್ ಕಮಿಟಿಯವರಾಗಲೀ ವರ್ತಕಕೂಟದವರಾಗಲೀ ಅಥವಾ ಯಾರೊಬ್ಬನಾಗಲೀ ಇಟ್ಟು ಕೊಂಡ ಗುಮಾಸ್ತ ಅಥವಾ ಸೇವಕ.

೧೮೬೮ನೇ ಇಸವಿ ಮೇ ೧ನೇ ತಾರೀಕಿನ ಲಾಗಾಯಿತು ಯಾವದೊಂದು ವೃತ್ತಿಯನ್ನಾಗಲೀ ಕಸಬನ್ನಾಗಲೀ ನಡಿಸುವ, ವರುಷಕ್ಕೆ ೫೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಯಾ ಅದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಲಾಭ ಉಳ್ಳಂಥಾ ಪ್ರತಿ ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ಈ ಆಕ್ಟು ಪ್ರಕಾರ ವರುಷ ವರುಷಕ್ಕೆ ಒಂದು ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟನ್ನು ತೆಗದು ಕೊಳ್ಳ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಈ ಪ್ರಕಾರ ತೆಗದು ಕೊಂಡ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟು ಅದರ ತಾರಿಕು ಮೊದಲ್ಗೊಂಡು ಮುಂದಿನ ಎಪ್ರೆಲ್ ೩೦ನೇ ತಾರಿಕು ವರೆಗೆ ಜಾರಿಯಲ್ಲಿರ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಆಯಾಯ ಜಿಲ್ಲೆಯ ಕಲೆಕ್ಟರರಿಂದ ಈ ಆಕ್ಟಿಗನುಗುಣವಾದ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟುಗಳು ಕೊಡೋಣಾದಾವು, ಮತ್ತು ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಹಣಗಳು ತೆಗದು ಕೊಳ್ಳೋಣಾದಾವು.

ಕಲೆಕ್ಟರರಿಂದ ಇಡೋಣಾಗುವ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟು ಪಡಕೊಂಡ ಜನರ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಹೆಸರು ನಮೂದಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಯಾವನೊಬ್ಬನು ತನ್ನ ಹೆಸರನ್ನು ಹಾಕಿದ ತರಗತಿಯನ್ನು ಕುರಿತು ಆಕ್ಷೇಪಿಸುವವನಾಗಿ, ಅಥವಾ ಈ ಆಕ್ಟಿನ ಪ್ರಕಾರ ತನಗೆ ತೆರಿಗೆ ವಿಧಿಸ ಕೂಡದೆಂದು ಹೇಳುವವನಾಗಿ, ತೆರಿಗೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದರೆ, ಅಂಥವನು ಈ ಆಕ್ಟಿನ ೧೪ನೇ ಪ್ರಕರಣದ ಪ್ರಕಾರ ಹಣವನ್ನು ಕೊಟ್ಟ ೩೦ ದಿವಸಗಳೊಳಗೆ ಕಲೆಕ್ಟರರಿಗೆ ೮ ಆಣೆ ಕಿಮ್ಮತಿನ ಛಾಪಾ ಕಾಗದದ ಮೇಲೆ ಅರ್ಜಿ ಬರ ಕೊಳ್ಳ ತಕ್ಕದ್ದು. ಸದರಿ ಅರ್ಜಿದಾರನು, ದಾವಾ ಅರ್ಜಿಗಳನ್ನು ದೃಢ ಪಡಿಸ ಬೇಕಾದ

ಮೇರಿಗೆ, ತಾನಾಗಲೀ ಇತರ ಯೋಗ್ಯ ಮನುಷ್ಯನಿಂದಾಗಲೀ, ಸದರಿ ಅರ್ಜಿಯಲ್ಲಿದ್ದ ವಿವರಗಳನ್ನು ದೃಢ ಪಡಿಸ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಇಂಥಾ ಅರ್ಜಿಯ ಮೇಲಾದ ಹುಕುಮಿಗೆ ಸಮಾಧಾನ ಪಡದಿದ್ದ ಯಾವನೊಬ್ಬನು ಸದರಿ ಹುಕುಮಿನ ತಾರಿಕಿನಿಂದ ೧೫ ದಿವಸಗಳೊಳಗೆ ಆ ಡಿವಿಜನ್ ಕಂದಾಯ ಕಮ್ಮಿಶನರರ ಬಳಿಯ ಅಪ್ಪೀಲ್ ದಾಖಲು ಮಾಡ ತಕ್ಕದ್ದು. ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮೇಲೆ ಅವರು ಕೊಡುವ ಶೀರ್ಪು ಆಖೈರ ಫೈಸಲು ಆಗಿರ ತಕ್ಕದ್ದು. ಅಪ್ಪೀಲಾಂಟನಿಗೆ ಗುಣವಾದ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಅವನು ಕೊಡ ಬೇಕಾದದ್ದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ವಸೂಲು ಮಾಡಿದ ಹಣವು ಅಪ್ಪೀಲಿನ ಛಾಪಾ ಕಿಮ್ಮತು ಸಮೇತ ಅವನಿಗೆ ವಾಪಸು ಶಿಕ್ಕ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಕಲೆಕ್ಟರರು ಒಬ್ಬನ ಹೆಸರನ್ನು ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಶೇರಿಸಿ, ತೆರಿಗೆ ವಿಧಿಸಿ, ಆ ಬಾಬತು ಕೊಡ ಬೇಕಾದ ಹಣವನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟ್ ತೆಗದು ಕೊಳ್ಳ ಬೇಕೆಂದು ನೋಟಿಸನ್ನು ಅವನ ಮೇಲೆ ಜಾರಿ ಮಾಡಿರುತ್ತಾ, ಅಂಥವನು ಸದರಿ ನೋಟಿಸಿನಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿದ ವಾಯಿದೆಯೊಳಗೆ ತನಗೆ ನೇಮಿಸಿದ ಹಣವನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟನ್ನು ತೆಗದು ಕೊಳ್ಳದಿದ್ದರೆ, ಸದರಿ ನೋಟಿಸಿನಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿದರ ಎರಡಷ್ಟು ಹಣ ಜುರುಮಾನೆ ಕೊಡುವದಕ್ಕೆ ಪಾತ್ರನಾಗುತ್ತಾನೆ.

ಮೇಲೆ ವಿನಾಯಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರು ಹೊರ್ತು, ಮಹಾ ರಾಣಿಯ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರ ಕೈಕೆಳಗಿರುವ ಯಾವದೊಂದು ಹುದ್ದೆಯನ್ನಾಗಲೀ ಉದ್ಯೋಗವನ್ನಾಗಲೀ ಪಡ ಕೊಂಡಿರುವ ಇತರ ಯಾವನೊಬ್ಬನು ಈ ಆಕ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಶೇರುವ ಒಂದು ವೃತ್ತಿಯನ್ನು ನಡಿಸುವವನಾಗಿ ಗ್ರಹಿಸ ತಕ್ಕದ್ದು. ಪರಂತು ಅವನು ಈ ಆಕ್ಟು ಪ್ರಕಾರ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟನ್ನು ತೆಗದು ಕೊಳ್ಳುವದು ಅವಶ್ಯವಿಲ್ಲ; ಆದರೆ ಅವನ ಸಂಬಳದಿಂದ ಶೇಕಡ ೧೮ ಮೇರೆಗೆ ವಜಾ ಮಾಡ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಈ ಆಕ್ಟಿನ ಪ್ರಕಾರ ತೆರೋಣಾಗುವ ಎಲ್ಲಾ ತೆರಿಗೆಗಳು ಪ್ರತಿ ವರುಷದ ಮೇ ಶಿಂಗಳ ೧ನೇ ತಾರಿಕಿನಲ್ಲಿ ತೆರ ತಕ್ಕದ್ದು.

## ವೃತ್ತಿ ಮತ್ತು ಕಸಬುಗಳ ಮೇಲೆ ನಿಶ್ಚೈಸೋಣಾಗುವ ತೆರಿಗೆಯ ದರ.

| ತರಗತಿ. | ವರುಷಕ್ಕೆ ಹುಟ್ಟುವ ನಫೇ ಕಿಮ್ಮತು | | | | ರೂಪಾಯಿ. |
|---|---|---|---|---|---|
| ೧. | ೪೦೦,೦೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಯಾ ಅದಕ್ಕೆ ಮಿರಿದ್ದರೆ | | | | ೬,೪೦೦ |
| ೨. | ೨೦೦,೦೦೦ ರೂಪಾಯಿ, ಯಾ ಅದಕ್ಕೆ ಮಿರಿ | | ೪೦೦,೦೦೦ಕ್ಕೆ ಮಿರದಿದ್ದರೆ | | ೩,೨೦೦ |
| ೩. | ೧೦೦,೦೦೦ | „ | „ | ೨೦೦,೦೦೦ „ | ೧,೬೦೦ |
| ೪. | ೫೦,೦೦೦ | „ | „ | ೧೦೦,೦೦೦ „ | ೮೦೦ |
| ೫. | ೨೫,೦೦೦ | „ | „ | ೫೦,೦೦೦ „ | ೪೦೦ |
| ೬. | ೧೦,೦೦೦ | „ | „ | ೨೫,೦೦೦ „ | ೧೬೦ |
| ೭. | ೫,೦೦೦ | „ | „ | ೧೦,೦೦೦ „ | ೮೦ |
| ೮. | ೨,೫೦೦ | „ | „ | ೫,೦೦೦ „ | ೪೦ |
| ೯. | ೧,೦೦೦ | „ | „ | ೨,೫೦೦ „ | ೧೬ |
| ೧೦. | ೫೦೦ | „ | „ | ೧,೦೦೦ „ | ೮ |

ಒಂದು ಅವಿಭಕ್ತ ಕುಟುಂಬದ ಎಲ್ಲಾ ಜನರು ಮೇಲಿನ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟು ತೆರಿಗೆಯನ್ನು ಕೊಡುವ ಬಾಬಿನಲ್ಲಿ ಒಂದು ಸಂಘವೆಂದೆಣಿಸಿ, ಆ ಪ್ರಕಾರವೇ ತೆರಿಗೆ ತೆರುವದಕ್ಕೆ ಅರ್ಹರಾಗುತ್ತಾರೆ ಎಂತ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರು ಏರ್ಪಡಿಸಿದ್ದಾರೆ.*

---

(೧೮೬೮ನೇ ಇಸವಿ ಫೆಬ್ರುವರಿ ೮ನೇ ತಾರೀಕಿನ ಗಜೆಟ.)

## ರೆವಿನ್ಯು ಬೋರ್ಡಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲು ಮಾಡುವವರು ತಿಳಿಯ ತಕ್ಕ ಸಂಗತಿ.

ರೆವಿನ್ಯು ಬೋರ್ಡಿನವರ ಅಪ್ಪಣೆ ಪ್ರಕಾರ ರೆವಿನ್ಯು ಅಪ್ಪೀಲುಗಳು, ಅಪ್ಪೀಲು ಮಾಡುವಣಾದ ಹುಕುಂಗಳ ನಕಲು ಸಮೇತ, ಸದರಿ ಹುಕುಮ್ ಆದ ತಾರೀಕಿನಿಂದ ೩ ತಿಂಗಳ ಒಳಗೆ ದಾಖಲು ಮಾಡೋಣಾದ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಮಾತ್ರ ಅಂಗೀಕರಿಸೋಣಾದಾವು. ಇಲ್ಲವಾದರೆ, ತದನಂತರ ಅಪ್ಪೀಲಾಂಟನಿಂದ ಆದ ದೇರಿ ಬಗ್ಗೆ ಸಮಾಧಾನಕರವಾದ ಸಬಬು ಕೊಟ್ಟ ಹೊರತು, ದಾಖಲು ಮಾಡಿ ಕೊಳ್ಳೋಣಾಗಲಿಕ್ಕಿಲ್ಲ.

---

## ಹೈಕೋರ್ಟಿಗೆ ಅರ್ಜಿ ಬರ ಕೊಳ್ಳುವವರ ಅನುಭವದ ಬಗ್ಗೆ.

೧. ಕೋರ್ಟಿನ ಅಪ್ಪೀಲೇಟ್ ಸೈಡಿನಲ್ಲಿ ಬರಕೊಳ್ಳುವ (ಯಾವದೊಂದರ ವ್ಯವಹರಣೇರೀತಿಯು ಕಾನೂನಿನಿಂದ ಅನ್ಯಥಾ ನಿಬಂಧಿಸಲಿಲ್ಲವೋ, ಅಂಥಾ) ಪ್ರತಿ ಅರಿಕೆಯು ೧೮೬೮ನೇ ಇಸವಿ ಮಾರ್ಚಿ ೧ನೇ ತಾರೀಕಿನಾರಭ್ಯಾ ಒಂದು ಅರ್ಜೀ ಮೂಲಕವಾಗಿರ ತಕ್ಕದ್ದು. ಅಂಥಾ ಅರ್ಜಿಯನ್ನು ಆ ಅರಿಕೆ ಮಾಡೋಣಾಗುವ ಪೂರ್ಣ ೩ ದಿವಸದ ಮುಂಚಿತಾಗಿ ರಿಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸಿರ ಬೇಕು. ಸದರಿ ಅರಿಕೆಗೆ ಆಧಾರವಾದ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಅನಾವಶ್ಯಕ ದೀರ್ಘತೆಗಳಿಂದ ಬೆಳಿಸದೆ, ನಮೂದಿಸ ತಕ್ಕದ್ದು. ಮತ್ತು ಅದರ ಬುಡದಲ್ಲಿ ಈ ಕೆಳಗಿನ ನಮೂನೆ ಪ್ರಕಾರ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ಪಡಿಸುವ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಬರದು, ಅರ್ಜಿದಾರನಾಗಲೀ, ಅಥವಾ ಆ ಸಂಗತಿಗಳು ಅವನ ವಕೀಲನಿಗಾಗಲೀ ಎಟೊರ್ನಿಗಾಗಲೀ ತಿಳುವಳಿಕೆ ಮತ್ತು ನಂಬಿಕೆ ಇರುವಂಥವುಗಳಾಗಿದ್ದರೆ ಅವನಾಗಲೀ ದಸ್ಕತು ಹಾಕಿ, ದೃಢ ಪಡಿಸ ತಕ್ಕದ್ದು. ದೃಢ ಪಡಿಸುವಂತೆ ಬರಿಯುವ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ವಚನಗಳು ಯಾವವಂದರೆ —

"ಮೇಲೆ ಹೇಳಿರುವ ಅರ್ಜಿದಾರನಾದ ನಾನು ಇದರಲ್ಲು ನಮೂದಿಸಿದ ಹೇಳಿಕೆಗಳನ್ನು ನನ್ನ ತಿಳುವಳಿಕೆ ಮತ್ತು ನಂಬಿಕೆ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ನಿಜವಾಗಿರುತ್ತದೆ ಎಂತ ದೃಢ ಪಡಿಸುತ್ತೇನೆ."

೨. ಅಂಥಾ ಪ್ರತಿ ಅರ್ಜಿಯು ವಕೀಲನಿಂದ ಅಥವ ಎಟೊರ್ನಿಯಿಂದ ಹಾಜರು ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟರೆ, ಅದು ಅವನಿಂದ ದಸ್ಕತ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟಿರ ಬೇಕು. ಅಂಥಾ ಅರ್ಜಿಯು ಇಂಗ್ಲಿಷ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿದ್ದರೆ, ಮತ್ತು ಅರ್ಜಿದಾರನು ಸ್ವತಹಾ ಹಾಜರಾಗಿ ಇಂಗ್ಲಿಷ ಭಾಷೆ ಅರಿಯದ ದೇಶಸ್ಥನಾದರೆ, ಆ ಅರ್ಜಿ ಹಾಜರಾದ ಕೂಡಲೇ ಕೋರ್ಟಿನ ಅಪ್ಪೀಲೇಟ ಸೈಡಿನ ಭಾಷಾಂತ್ರಗಾರರಲ್ಲಿ ಅಥವ ದ್ವಿಭಾಷಿಗಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬನಿಂದ ಆಗಲೀ, ಜಿಲ್ಲಾ ಕೋರ್ಟುಗಳಲ್ಲಿ

---

* ೧೮೬೮ನೇ ಇಸವಿ ಅಗೊಸ್ತು ೭ನೇ ತಾರೀಕಿನ ಫೋರ್ಟಸೆಂಟ ಜಾರ್ಜ ಗಜೆಟಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಟಿಸಿದ ಇಸ್ತ್ಯಾರನ್ನು ನೋಡು.

ಯ ಆ ತರದ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥನಿಂದಾಗಲೀ, ಸದರಿ ಅರ್ಜಿಯು ಆತಗೆ ವಿವರಿಸಲ್ಪಟ್ಟು, ಆ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥನ ಮುಂದೆ ದಸ್ಕತು ಅಥವಾ ಗುರುತು ಹಾಕಲ್ಪಡ ತಕ್ಕದ್ದು; ಅಥವ ಆ ಪ್ರಕಾರ ಹಾಕಿದ ದಸ್ಕತು ಯಾ ಗುರುತನ್ನು ಒಪ್ಪಿ ಕೊಳ್ಳೋಣಾಗ ತಕ್ಕದ್ದು. ಆಗ ಆ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥನು ಈ ಕೆಳಗಿನ ನಮೂನೆಯಲ್ಲಿ ಅದನ್ನು ದೃಢ ಪಡಿಸ ತಕ್ಕದು.

"ಈ ಅರ್ಜಿಯ ಮತ್ಲಬನ್ನು ನಾನು ವಿವರಿಸಿದೆನು, ಮತ್ತು ನೇ ಇಸವಿ ತಿಂಗಳ ನೇ ತಾರಿಕಿನಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಮುಂದೆ ದಸ್ಕತು (ಅಥವಾ ಗುರುತು) ಮಾಡಲಾಯಿತು (ಅಥವಾ ದಸ್ಕತು ತನ್ನದೆಂದು ಒಪ್ಪಿ ಕೊಳ್ಳೋಣಾಯಿತು)."

೩. ಆದಿತ್ಯವಾರ ಮತ್ತು ಕೋರ್ಟು ಮೋಖುಫ್ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ವಿನಹಾ ಇತರ ಯಾವ ದಿವಸದಲ್ಲಾದರೂ ೧೧ ಘಂಟೆಯಿಂದ ೪ ಘಂಟೆ ವರೆಗೆ ಅರ್ಜಿಗಳನ್ನು ಹಾಜರು ಪಡಿಸಲೂ ಬಹುದು; ಮತ್ತು ಯಾವದೊಂದು ಯೋಗ್ಯ ಅರಿಕೆಗಳನ್ನು ಮಾಡಲೂ ಬಹುದು.

# ಹಾಗಾದರೆ ಏನು?

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರೆನ್ನಿಸುವವರಲ್ಲಿ ಒಂದರೆ ತರದ ಶ್ಲೋಕಗಳು ನಡೆಯುವದು ಅದೆ. ಆಪಸ್ತಂಬಾದಿ ಕಲ್ಪಸೂತ್ರಪುರಾಣದಲ್ಲಿರುವ ಅಂಥಾದ್ದೊಂದು ಶ್ಲೋಕವೇನಂದರೆ,

ಅಶ್ವಾಲಂಭಂ ಗವಾಲಂಭಂ ಸನ್ಯಾಸಂ ಪಲಪೈತೃಕಂ |
ದೇವರಾಚ್ ಚ ಸುತೋತ್ಪತ್ತಿಃ ಕಲೌ ಪಂಚ ವಿವರ್ಜಯೇತ್!||

ಅಂದರೆ, ಕುದುರೆ ಕೊಲ್ಲುವದನ್ನೂ ದನ ಕೊಲ್ಲುವದನ್ನೂ ಸನ್ಯಾಸವನ್ನೂ ಮಾಂಸದಿಂದ ಪಿತೃಕಾರ್ಯ ಮಾಡುವದನ್ನೂ ಗಂಡನ ಸಹೋದರನಿಂದ ಪುತ್ರನ ಹುಟ್ಟಿಸುವದನ್ನೂ ಈ ಐದನ್ನು ಕಲಿಯುಗದಲ್ಲಿ ಬಿಟ್ಟು ಬಿಡ ತಕ್ಕದ್ದು!—ಮಾನವ ಧರ್ಮದ್ದೆನ್ನಿಸುವ ಅಂಥಾದ್ದು ಮತ್ತೊಂದು ಏನಂದರೆ,

ಆಕಾಶಗಾಮಿನೋ ವಿಪ್ರಾಃ ಪತನ್ತೇ ಮಾಂಸಭಕ್ಷಣಾತ್; |
ವಿಪ್ರಾಣಾಂ ಪತನಂ ದೃಷ್ಟ್ವಾ ತತೋ ಮಾಂಸಾನಿ ವರ್ಜಯೇತ್!||

ಅಂದರೆ, ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹೋಗ ಬಲ್ಲವರಾದಂಥ ವಿಪ್ರರು (ಆದರೂ) ಮಾಂಸವನ್ನು ತಿನ್ನುವದರಿಂದ ಬೀಳುತ್ತಾರೆ; ವಿಪ್ರರ ಬೀಳುವಿಕೆಯನ್ನು ನೋಡಿ, ಅದರ ದೆಸೆಯಿಂದ ಮಾಂಸಗಳನ್ನು ಬಿಡ ತಕ್ಕದ್ದು!—

ಈ ಎರಡು ಶ್ಲೋಕಗಳೆದುರಿನಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯನ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದ ಪ್ರಥಮ ಅಧ್ಯಾಯದ್ದೊಂದು ಕೇಳಿರಿ; ಏನಂದರೆ,

ಪ್ರಾಣಾತ್ಯಯೇ, ತಥಾ ಶ್ರಾದ್ಧೇ, ಪ್ರೋಕ್ಷಿತಂ, ದ್ವಿಜಕಾಮ್ಯಯಾ, |
ದೇವಾನ್ ಪಿತೄನ್ ಸಮಭ್ಯರ್ಚ್ಯ, ಖಾದನ್ ಮಾಂಸಂ ನ ದೋಷಭಾಕ್!|| ೧೭೮ ||

ಅಂದರೆ, ಪ್ರಾಣ ಹೋಗುವ ಹಾಗಾದಲ್ಲಿಯೂ (ಪಿತೃಗಳ) ಶ್ರಾದ್ಧದಲ್ಲಿಯೂ ಚಿಮಿಕಿಸಿ ಕೊಂಡದನ್ನೂ ದ್ವಿಜರ ಅಪೇಕ್ಷೆಯ ಮೇಲೆಯೂ ದೇವತೆಗಳಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಿತೃಗಳಿಗೆ ಅ

ರ್ಜನೆ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆಯೂ (ಈ ಐದು ಸಂಗತಿಗಳಲ್ಲಿ) ಮಾಂಸ ತಿನ್ನುವವನು ದೋಷವಾಗಿ ತಿನ್ನುವವನಲ್ಲ!—

ಪುನಃ, ರೂಢಿಯಾದ ಒಂದೆರಡು ಶ್ಲೋಕಗಳು ಯಾವವೆಂದರೆ,

ಉದುಹ್ಯತೇ ದಾಕ್ಷಿಣಾತ್ಯೈರ್ ಮಾತುಲಸ್ಯ ಸುತಾ ದ್ವಿಜೈಃ; |
ದಾಸೀ ಸಂಗೋ ಮಧ್ಯದೇಶ; ಉದಜ್ ಮಾಂಸಸ್ಯ ಭಕ್ಷಣಂ;||
ಮತ್ಸ್ಯಾದಾಶ್ ಚ ನರಾಃ ಪೂರ್ವೇ, ವ್ಯಭಿಚಾರರತಾಃ ಸ್ತ್ರಿಯಃ; |
ಪಶ್ಚಿಮೇ ಬಾಡಬಾಶ್ ಚರ್ಮದ್ರೋಣಿಸ್ಥಜಲಪಾಯಿನಃ;||
ಅನೇನ ಕರ್ಮಣಾ ನೈತೇ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತದಮಾರ್ಹಕಾ! ಇತಿ |

ಅಂದರೆ, ದಕ್ಷಿಣ ದಿಕ್ಕಿನವರಾದ ದ್ವಿಜರಿಂದ ಮಾತುಲನ ಮಗಳು (ಮದುವೆಗೆ) ವೈಯಲ್ಪಡುತ್ತಾಳೆ; ಮಧ್ಯದೇಶದಲ್ಲಿ ದಾಸಿಗಳ ಸಂಗವು (ಅದೆ); ಉತ್ತರ ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಮಾಂಸದ ಭಕ್ಷಣವು (ನಡೆಯುತ್ತದೆ); ಪೂರ್ವದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ನರರು ಮೀನುಗಳನ್ನು ತಿನ್ನುತ್ತಾರೆ, ಸ್ತ್ರೀಯರು ವ್ಯಭಿಚಾರ ನಡಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ; ಪಶ್ಚಿಮದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಬ್ರಾಹ್ಮಣರು ತೊಗಲಿನ ಚೀಲದೊಳಗಿರುವ ನೀರನ್ನು ಕುಡಿಯುತ್ತಾರೆ; (ಆದರೂ) ಈ ಕರ್ಮದಿಂದ ಅವರು ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತಗಳ ದಮಕ್ಕೆ ಒಳಗಾಗ ತಕ್ಕವರಲ್ಲ!—

ಹಿಂದೆ ಹೇಳಿದ ಶ್ಲೋಕಗಳಿಗೆಲ್ಲಾ ಒಂದೇ ಅರ್ಥ ಮಾಡಿ ಹಚ್ಚಲೊದ್ದಾಡುವದು ಪಂಚಾಂಗಗಾರನ ಕೆಲಸವಲ್ಲ; ಹಿಂದು ಧರ್ಮವೇನೆಂದು, ಈಗ ಅವನ ಒಂದೇ ವಿಚಾರವು. ಶ್ರಾತಸೂತ್ರಗಳ ಪರಿಭಾಷೆಗಳೆಂಬ ಆಜ್ಞೆಗಳನ್ನು ಸಹ ಅವನು ಈ ಸರ್ತಿ ಲಕ್ಷಿಸುವದಿಲ್ಲ; ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಿಗೆ ನೇಮಿತವಾಗಿರುವ ಗೃಹ್ಯಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಕುರಿತೇ ಅವನ ಮಾತು. ವೇದದಲ್ಲಿಯೂ ಆಶ್ವಲಾಯನ-ಪಾರಸ್ಕರ-ಆದಿಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಪರಿಭಾಷಿತವಾಗಿರುವ ನಿತ್ಯ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಅನೇಕಗಳನ್ನು ಬ್ರಾಹ್ಮಣರೆನ್ನಿಸುವವರು ಕೈಗೊಳ್ಳದವರಾಗಿದ್ದಾರೆಂತ, ಪಂಚಾಂಗಗಾರನು ತೋರಿಸುವನು. ಹ್ಯಾಗಂದರೆ ಅತಿಥಿಕ್ರಿಯೆ ಎಂಬದು ಬ್ರಾಹ್ಮಣರ ಗೃಹ್ಯ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡದು; ಮದುಮಗನು ಮಾವನ ಮನೆಗೆ ಬಂದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಸಹ ಅದು ನಡೆಯ ಬೇಕು. ಅತಿಥಿಕ್ರಿಯೆಗಳಲ್ಲಿ ಗೋ ಮುಂತಾದ ಜೀವಿಗಳನ್ನು ಕೊಂದು ಭಕ್ಷಿಸುವದು ನಿತ್ಯ ನಿಯಮವು.

ಇದಕ್ಕೆ ಸಾಧಾರಣವಾದದ್ದು ಒಂದು ಋಚೆ ಋಗ್ವೇದದ ೧ನೇ ಮಂಡಲದ ೩೧ನೇ ಸೂಕ್ತದಲ್ಲಿ ಅದೆ; ಏನಂದರೆ,

ತ್ವಮ್ ಅಗ್ನೇ ಪ್ರಯತದಕ್ಷಿಣಂ ನರಂ ವರ್ಮೇವ ಸ್ಯೂತಮ್ ಪರಿಪಾಸಿ ವಿಶ್ವತಃ |
ಸ್ವಾದುಕ್ಷದ್ಮಾ ಯೋ ವಸತೌ ಸ್ಯೋನಕೃಜ್ ಜೀವಯಾಜಂ ಯಜತೇ ಸೋಪಮಾದಿವಃ || ೧೫||

ಅಂದರೆ, ಅಗ್ನಿಯೇ, ದಕ್ಷಿಣೆ ಕೊಟ್ಟ ನರನನ್ನು ನೀನು ಹೊಲಿದಂಥಾದ್ದೊಂದು ಕವಚದಂತೆ ಸುತ್ತಲೂ ಕಾಯುತ್ತೀ; ಶ್ರೀಯಾದ ಆಹಾರವು (ಮಧುಪರ್ಕವು) ಇದ್ದು, ಮನೆಯಲ್ಲಿ (ಅತಿಥಿಗೆ) ಸುಖ ಕೊಡುವಂಥವನಾಗಿ, ಜೀವದ ಯಜ್ಞವನ್ನು ಮಾಡುವಂಥವನು ದಿವಕ್ಕೆ ಸಮಾನನೇ!—

ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ವಿವಾಹದ ಆತಿಥ್ಯದಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಜೀವಯಜ್ಞವನ್ನು ವಿಧಿಸುವ ಋಚೆಯು ಋಗ್ವೇದದ ೧೦ನೇ ಮಂಡಲದ ಸೂರ್ಯಾಸೂಕ್ತವೆಂಬ ಲ೫ನೇದರಲ್ಲಿ ಅದೆ; ಎಂತೆಂದರೆ,

> ಸೂರ್ಯಾಯಾ ವಹತುಃ ಪ್ರಾಗಾತ್ ಸವಿತಾ ಯಮ್ ಅವಾಸೃಜತ್ |
> ಅಘಾಸು ಹನ್ಯಂತೇ ಗಾವೋಽರ್ಜುನ್ಯೋಃ ಪರ್ಯುಹ್ಯತೇ ||೧೩||

ಅಂದರೆ, ಸೂರ್ಯಳೆಂಬವಳ (ಮದುವೇ) ಮೆರವಣಿಗೆಯು ಆರಂಭಿಸಿತು, ಸೂರ್ಯನು ಅದನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದನು. (ವಿವಾಹಕ್ಕೋಸ್ಕರ) ಮಘಾನಕ್ಷತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ಗೋವುಗಳನ್ನು ಕೊಲ್ಲುತ್ತಾರೆ, ಎರಡು ಫಲ್ಗುಣಿಗಳಲ್ಲಿ ಗುಂಪುಗೂಡುತ್ತಾರೆ.—

ರಾಜ ಮುಂತಾದ ಅತಿಥಿಗಳಿಗೆ ಮಾಡ ತಕ್ಕ ಆತಿಥ್ಯವು ಕ್ರೀತ (ಅಂದರೆ ಕ್ರಯಕ್ಕೆ ಕೊಂಡ) ಸೋಮವೆಂಬದರದಕ್ಕೆ ಸಮ; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ ಋಗ್ವೇದದ ಐತರೇಯ ಬ್ರಾಹ್ಮಣದ ೧ನೇ ಪಂಚಿಕೆಯ ೩ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿರುವದೇನಂದರೆ—

> ಅಗ್ನಿಂ ಮಂಥಂತಿ ಸೋಮೇ ರಾಜನ್ಯ್ ಆಗತೇ; ತದ್ ಯಥೈವಾದೋ ಮನುಷ್ಯರಾಜನ್ಯ್
> ಆಗತೇಽನ್ಯಸ್ಮಿನ್ ವಾರ್ಹತ್ಯ್ ಉಕ್ಷಾಣಂ ವಾವೇಹತಂ ಕ್ಷದಂತ, ಏವಾಸ್ಮಾ ಏತತ್
> ಕ್ಷದಂತೇ ಯದಾಗ್ನಿಂ ಮಂಥಂತ್ಯ್; ಅಗ್ನಿರ್ ಹಿ ದೇವಾನಾಂ ಪಶುಃ || ೧೫ ||

ಅಂದರೆ, ಸೋಮವೆಂಬ ರಾಜನು (ಯಜಮಾನನ ಮನೆಗೆ) ಬಂದಲ್ಲಿ ಅಗ್ನಿಯನ್ನು ಮಥಿಸುತ್ತಾರೆ; (ಅದಲ್ಲದೆ ಅದನ್ನು ಮತ್ತೊಂದು ಅಗ್ನಿಯಲ್ಲಿ ಹಾಕುವದರಿಂದ ಕೊಯಿದಂತೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ;) ಮನುಷ್ಯರಲ್ಲಿ ಈಗ ಒಬ್ಬ ರಾಜನು ಆಗಲಿ ಮತ್ತೊಬ್ಬ ಯೋಗ್ಯನಾಗಲಿ (ಒಬ್ಬನ ಮನೆಗೆ) ಬಂದಲ್ಲಿ ಹ್ಯಾಗೆ ಒಂದು ಗುಳಿಯನ್ನಾಗಲಿ ಸರಿಯಾಗಿ ಈಯದ ಆಕಳನ್ನಾಗಲಿ ಕೊಯ್ಯುತ್ತಾರೋ, ಹಾಗೆಯೇ ಅಗ್ನಿಯನ್ನು ಮಥಿಸುವಾಗ ಇದನ್ನು ಅವನಿಗೋಸ್ಕರ (ಸೋಮವೆಂಬವನಿಗೋಸ್ಕರ) ಕೊಯ್ಯುತ್ತಾರೆ; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ ಅಗ್ನಿಯು ದೇವತೆಗಳ ಪಶುವು.—

ಇದರ ವಿಷಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಬ್ರಾಹ್ಮಣದ ೩ನೇ ಕಾಂಡದ ೪ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿರುವದೇನಂದರೆ—

> ಅತಿಥಿರ್ ವಾ ಏಷ ಏತಸ್ಯಾಗಚ್ಛತಿ ಯತ್ ಸೋಮಃ ಕ್ರೀತಸ್; ತಸ್ಮಾ ಏತದ್,
> ಯಥಾ ರಾಜ್ಞೇ ವಾ ಬ್ರಾಹ್ಮಣಾಯ ವಾ ಮಹೋಕ್ಷಂ ವಾ ಮಹಾಜಂ ವಾ ಪಚೇತ್||

ಎನಲಾಗಿ, ಕ್ರೀತಸೋಮನು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಅತಿಥಿಯಾಗಿ ಬರುತ್ತಾನೆ; (ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಬಂದ) ರಾಜನಿಗಾಗಲಿ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನಿಗಾಗಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಗುಳಿಯನ್ನಾಗಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಹೋತನ್ನಾಗಲಿ ಹ್ಯಾಗೆ ಬೇಯಿಸ ತಕ್ಕದ್ದೋ, ಹಾಗೆಯೇ ಅವನಿಗೆ (ಅಗ್ನಿಯೆಂಬ ಪಶುವನ್ನು).—

ಅದೇ ವಿಷಯವು ಪಾರಸ್ಕರನ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ 1ನೇ ಕಾಂಡದ 3ನೇ ಕಂಡಿಕೆಯಲ್ಲಿ ವರ್ಣಿಸಿರುವದೆಂತೆಂದರೆ,

ಷಡ್ ಅರ್ಘ್ಯಾರ್ ಭವನ್ತ್ಯ ಆಚಾರ್ಯ ಋತ್ವಿಗ್ ವೈವಾಹ್ಯೋಃ ರಾಜಾ ಪ್ರಿಯಃ ಸ್ನಾತಕ ಇತಿ; | ಪ್ರತಿಸಂವತ್ಸರಾನ್ ಅರ್ಹಯೇಯುರ್; ಯಕ್ಷ್ಯಮಾಣಾಸ್ ತ್ವ್ ಋತ್ವಿಜಃ | . . . . . ಆಚಾನ್ತೋದಕಾಯ, ಶಾಸಮ್ ಆದಾಯ, ಗೌರ್ ಇತಿ ತ್ರಿಃ ಪ್ರಾಹ | ಪ್ರತ್ಯಾಹ ಮಾತಾ ರುದ್ರಾಣಾಂ ದುಹಿತಾ ವಸೂನಾಂ ಸ್ವಸಾದಿತ್ಯಾನಾಮ್ ಅಮೃತಸ್ಯ ನಾಭಿಃ | ಪ್ರನು ವೋಚಂ ಚಿಕಿತುಷೇ, ಜನಾಯ ಮಾ ಗಾಮ್ ಅನಾಗಾಮ್ ಅದಿತಿಂ ವಧಿಷ್ಠ! ಮಮ ಚಾಮುಷ್ಯ ಚ ಪಾಪ್ಮಾನಂ ಹನೋಮೀತಿ, ಯದ್ಯ್ ಆಲಭೇತ್ | ಅಥ ಯದ್ಯ್ ಉತ್ಸಿಸೃಕ್ಷೇನ್, ಮಮ ಚಾಮುಷ್ಯ ಪಾಪ್ಮಾ ಹತಃ! | ಓಮ್, ಉತ್ಸೃಜತ! ತೃಣಾನ್ಯ್ ಅತ್ತ್ವ! ಇತಿ ಬ್ರೂಯಾತ್ | ನ ತ್ವ್ ಏವಾಮಾಂಸೋಽರ್ಘಃ ಸ್ಯಾದ್ ಅಧಿಯಜ್ಞಮ್ ಅಧಿವಿವಾಹಂ! ಕುರುತೇತ್ಯ್ ಏವ ಬ್ರೂಯಾತ್ | ಇತ್ಯಾದಿ.

ಏನಂದರೆ, ಆರು ಜನರಿಗೆ, ಅಂದರೆ ಆಚಾರ್ಯನಿಗೂ ಋತ್ವಿಜನಿಗೂ ಮದುಮಗನಿಗೂ ರಾಜನಿಗೂ (ಯಾವನೂ ಒಬ್ಬ) ಪ್ರಿಯನಿಗೂ ಸ್ನಾತಕನಿಗೂ ಅರ್ಘವನ್ನು ಮಾಡ ಬೇಕು; ವರುಷ ವರುಷಕ್ಕೆ ಅವರಿಗೆ ಅರ್ಘವನ್ನು ಮಾಡ ಬೇಕು, ಆದರೆ ಋತ್ವಿಜರು ಯಜ್ಞ ಮಾಡಲಪೇಕ್ಷಿಸುವ ಯಾವ ಸಮಯದಲ್ಲೂ ಇವರಿಗೆ . . . (ಯಜಮಾನನು) ಕತ್ತಿಯನ್ನು ಹಿಡು ಕೊಂಡು, ನೀರು ಮುಕ್ಕುಳಿಸುವವನಿಗೆ (ಅಂದರೆ ಅತಿಥಿಗೆ) ಮೂರು ಸಾರಿ, ಇಗೋ, ಗೋವು! ಎಂತ, ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ಅವನು ಪ್ರತ್ಯುತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳುವದೇನಂದರೆ—ರುದ್ರಗಳ ತಾಯಿ, ವಸುಗಳ ಮಗಳು, ಆದಿತ್ಯಗಳ ಸಹೋದರಿಯು, ಅಮೃತದ ನಾಭಿಯು! ನಿರ್ಮಲವಾದ ಮತ್ತು ಅದಿತಿಯಾದ ಗೋವನ್ನು ವಧೆ ಮಾಡ ಬೇಡವೆಂತ, ಬುದ್ಧಿಯುಳ್ಳವನಿಗೆ ವದಿಸುತ್ತೇನೆ; ನನ್ನ ಮತ್ತು ಇವನ ಪಾಪವನ್ನು ಕೊಲ್ಲುತ್ತೇನೆ.—ಅದನ್ನು ಕೊಲ್ಲುವ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ ಹಾಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ಆದರೆ ಬಿಟ್ಟು ಬಿಡುವ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ ಅವನು—ನನ್ನ ಮತ್ತು ಇವನ ಪಾಪವು ಕೊಲ್ಲಲ್ಪಟ್ಟದೆ; ಓಂ! ಬಿಟ್ಟು ಬಿಡೋಣ! ತೃಣಗಳನ್ನು ತಿನ್ನಲಿ! ಎಂತ, ಹೇಳಲಿ! ಆದರೂ ಯಜ್ಞವನ್ನೂ ವಿವಾಹವನ್ನೂ ಕುರಿತು ಅರ್ಘವು ಮಾಂಸವಿಲ್ಲದೆ ನಡಿಯಲೇ ಬಾರದು! ಮಾಡಿರೆಂತಲೇ ಹೇಳಲಿ!—

ಈ ಅರ್ಘಕ್ರಿಯೆಯು ಅದೇ ಪ್ರಕಾರ ಅಶ್ವಲಾಯನನ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ ಪ್ರಥಮ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ವಿವರಿಸಿ ಅದೆ. ಅದರಲ್ಲಿಯ ಕಡೆಯ ಮಾತು ಏನಂದರೆ,

ನಾಮಾಂಸೋ ಮಧುಪರ್ಕೋ ಭವತಿ, ಭವತಿ || ೨೪ ||

ಅಂದರೆ, (ಅತಿಥಿಗೆ ಕೊಡ ತಕ್ಕ ಶೀ ಆಹಾರವಾದ) ಮಧುಪರ್ಕವು ಮಾಂಸವಿಲ್ಲದಲೇ ನಡೆಯ ಬಾರದು!—

ಅದಲ್ಲದೆ ಕೌಶಿಕ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ ೯೨ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ಆ ಕ್ರಿಯೆ ವರ್ಣಿತವಾದಂದು ಬರುವದೇನಂದರೆ,

ನಾಲೋಹಿತೋ ಮಧುಪರ್ಕೋ ಭವತಿ||

ಅಂದರೆ, ಮಧುಪರ್ಕವು ರಕ್ತವಿಲ್ಲದೆ ಆಗದು.—

ಪುನಃ ಶಾಂಖ್ಯಾಯನ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ ಪ್ರಥಮ ಅಧ್ಯಾಯದೊಂದು ಶ್ಲೋಕವೇನಂದರೆ,

ಮಧುಪರ್ಕೇಚ ಸೋಮೇಚ ಪಿತೃದೈವತಕರ್ಮಣಿ |
ಅತ್ರೈವ ಪಶವೋ ಹಿಂಸ್ಯಾ ನಾನ್ಯತ್ರೇತ್ಯ್ ಅಬ್ರವೀನ್ ಮನುಃ||

ಎನಲಾಗಿ, ಮಧುಪರ್ಕದಲ್ಲಿಯೂ ಸೋಮಯಾಗದಲ್ಲಿಯೂ ಪಿತೃಗಳ ಮತ್ತು ದೇವತೆಗಳನ್ನು ಕುರಿತ ಕರ್ಮಾಂಗಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಇವುಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಪಶುಗಳನ್ನು ಕೊಲ್ಲ ಬೇಕು; ಅಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಪಕ್ಷಗಳಲ್ಲಿ ಬೇಡವೆಂತ, ಮನುವು ಹೇಳಿದನು.—

ಹೀಗಿರಲಾಗಿ ಪಾಣಿನಿಯ ವ್ಯಾಕರಣದಲ್ಲಿ ಇರುವದೇನಂದರೆ,

ಗೋಘ್ನ ಇತಿ ಯಸ್ಮೈ ಗಾಂ ಘ್ನಂತೀತಿ |

ಅಂದರೆ, (ಅತಿಥಿಗೆ ಹೆಸರು ಬಿದ್ದ) ಗೋಘ್ನನೆಂಬವನು ಯಾರಂದರೆ, ಒಂದು ಗೋವನ್ನು ಯಾವನಿಗಾಗಿ ಕೊಲ್ಲುತ್ತಾರೋ ಅವನು.—

ಪಶುಹಿಂಸೆಯು ನಡೆಯ ತಕ್ಕ ಸಾಧಾರಣವಾದ ನಿತ್ಯ ಕ್ರಮವನ್ನು ನೀವು ಆಶ್ವಲಾಯನ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ ಪ್ರಥಮ ಅಧ್ಯಾಯದ ೧೧ನೇ ಕಂಡಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಓದ ಬಹುದು.

ಇಷ್ಟೆಲ್ಲಾ ಮಾತು ಅತಿಥಿ ಕ್ರಿಯೆಯ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಡೆದ ಮೇಲೆ ಬೇರೆ ಗೃಹ್ಯಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಪಶುಹಿಂಸೆಯ ವಿಷಯವಾಗಿಯೂ ಕೆಲವು ಹೇಳುವ! ಆಶ್ವಲಾಯನ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ ಪ್ರಥಮ ಅಧ್ಯಾಯದ ೧೬ನೇ ಕಂಡಿಕೆಯಲ್ಲಿ ೬ ತಿಂಗಳಿನ ಶಿಶುವಿಗೆ ಮಾಂಸ ತಿನ್ನಿಸುವ ಬಗೆಯು ತೋರಿಸಿರುವದೇನಂದರೆ,

ಷಷ್ಠೇ ಮಾಸ್ಯೇ ಅನ್ನಪ್ರಾಶನಮ್ | ಆಜಮ್ ಅನ್ನಾದ್ಯ ಕಾಮಃ |
ತೈತ್ತಿರಂ ಬ್ರಹ್ಮವರ್ಚಸಕಾಮ ಇತ್ಯಾದಿ |

ಅಂದರೆ ೬ನೇ ಮಾಸದಲ್ಲಿ ಅನ್ನವನ್ನುಣ್ಣಿಸುವದು; (ಕುಮಾರನಿಗೆ ಬಹಳ) ಅನ್ನಾಹಾರವು ಪ್ರಾಪಿಸಲೆಂದು, ಅಪೇಕ್ಷಿಸುವಂಥವನು (ಅವನಿಗೆ) ಹೋತಿನ ಮಾಂಸದ್ದನ್ನು ಉಣ್ಣಿಸಬೇಕು; (ಅವನಿಗೆ) ಬ್ರಹ್ಮವರ್ಚಸ್ಸು ಪ್ರಾಪಿಸಲೆಂದು, ಅಪೇಕ್ಷಿಸುವಂಥವನು ತಿತ್ತಿರಿಪಕ್ಷಿಯ ಮಾಂಸದ್ದನ್ನು ಉಣ್ಣಿಸ ಬೇಕು.—

ಪುನಃ, ಅದೇ ಸೂತ್ರಗಳ ದ್ವಿತೀಯ ಅಧ್ಯಾಯದ ४ನೇ ಕಂಡಿಕೆಯಲ್ಲಿ ವರುಷದ ४ ಅಷ್ಟಕೆಗಳಲ್ಲಿ ಆಗ ತಕ್ಕ ಪಶುಹಿಂಸೆಯ ವಿಷಯವು ಇರುವದೆಂತೆಂದರೆ,

ಹೇಮಂತ ಶಿಶಿರಯೋಶ್ ಚತುರ್ಣಾಮ್ ಅಪರಪಕ್ಷಾಣಾಮ್ ಅಷ್ಟಮೀಷ್ವ್
ಅಷ್ಟಕಾಃ | . . . . ಅಷ್ಟಕಾಃ ಪಶುನಾ ಸ್ಥಾಲೀಪಾಕೇನ ಚ||

ಅಂದರೆ, ಹೇಮಂತ ಶಿಶಿರ ಈ ಋತುಗಳ ನಾಲ್ಕು ತಿಂಗಳುಗಳ ಕೃಷ್ಣಪಕ್ಷದ ಅಷ್ಟಮಿಗಳಲ್ಲಿ (ನಾಲ್ಕು) ಅಷ್ಟಕೆಗಳು ಆಗುತ್ತವೆ; ಅಷ್ಟಕೆಗಳು ಪಶುವಿನಿಂದಲೂ ಬೋಗುಣಿಯೊಳಗಿನ ಪಕ್ವಾನ್ನದಿಂದಲೂ ನಡಿಸಲಾಗುವದು.—

ಮತ್ತೆ, ಅವೇ ಸೂತ್ರಗಳ ಚತುರ್ಥ ಅಧ್ಯಾಯದ ೧ನೇ ಕಂಡಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಅಗ್ನಿಸ್ಥಾಪನೆ ಮಾಡುವಾಗ ರೋಗ ಹಿಡಿದು, ಬಳಿಕ ತಿರಿಗಿ ಗುಣ ಪಟ್ಟವನಿಗೆ ಪಶುಯಾಗವು ನಿಯಮವಾಗಿರುವದೆಂತೆಂದರೆ,

ಅಗದಃ ಸೋಮೇನ ಪಶುನೇಷ್ಟ್ವೇಷ್ಟ್ವಾ ವಸ್ಯೇತ್ |

ಅಂದರೆ, ರೋಗ ಕಳೆದವನು ಸೋಮದಿಂದಲೂ ಪಶುವಿನಿಂದಲೂ ಹೋಮವಾಗಿ ಯಜಿಸಿ, (ಊರಲ್ಲಿ ಮತ್ತು) ವಾಸ ಮಾಡಲಿ!—

ಅದಲ್ಲದೆ, ಪ್ರೇತಸಂಸ್ಕಾರದಲ್ಲಿ ಸಹ ಒಂದು ಗೋವನ್ನಾಗಲಿ ಏಕವರ್ಣದ ಹೋತನ್ನಾಗಲಿ ಕೃಷ್ಣವರ್ಣದ ಹೋತನ್ನಾಗಲಿ ಹಿಂಸಿಸ ತಕ್ಕದ್ದೆಂದು, ಆಶ್ವಲಾಯನ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ ೪ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ಓದ ಬಹುದು.

ಇನ್ನು ಅವೇ ಗೃಹ್ಯಸೂತ್ರಗಳ ೪ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದ ೮ನೇ ಕಂಡಿಕೆಯಲ್ಲಿ ರುದ್ರನಿಗೋಸ್ಕರ ನಿತ್ಯವಾದ್ದೊಂದು ಪಶುಹಿಂಸೆಯು ಪರಿಭಾಷಿತವಾಗಿದೆ; ಅದರ ಆರಂಭವು—

ಅಥ ಶೂಲಗವಃ | ಶರದಿ ವಸಂತೇ ವಾರ್ದ್ರಯಾ | ಶ್ರೇಷ್ಠಂ ಸ್ವಸ್ಯ ಯೂಥಸ್ಯ | ಅಕುಷ್ಠಿಪೃಷತ್ | ಕಲ್ಮಾಷಮ್ ಇತ್ಯ್ ಏಕೇ | ಕಾಮಂ ಕೃಷ್ಣಮ್ ಆಲೋಹವಾಂಶ್ ಚೇತ್ | . . . . ಪುಚ್ಛಂ ಚರ್ಮ ಶಿರಃ ಪಾದಾನ್ ಇತ್ಯ್ ಅಗ್ನಾವ್ ಅನುಪ್ರಹರೇತ್ | ಭೋಗಂ ಚರ್ಮಣಾ ಕುರ್ವೀತೇತಿ ಶಾಂವತ್ಯಃ | ಇತ್ಯಾದಿ.

ಎನಲಾಗಿ, ಈಗ ಶೂಲಗವವೆಂಬ ಗುಳಿಯಾಗವು; ಶರತ್ಕಾಲದಲ್ಲಿ, ವಸಂತಕಾಲದಲ್ಲಿ, ಆರ್ದ್ರೆ ಎಂಬ ನಕ್ಷತ್ರದಿಂದ ಅದಾಗುವದು; ತನ್ನ ಹಿಂಡಿನ ಶ್ರೇಷ್ಠವಾದದ್ದೂ ಕುಷ್ಠವಿಲ್ಲದ್ದೂ ಕೆಂಪು ಬಿಳೀದಲ್ಲದ್ದೂ ಒಂದನ್ನು (ತಕ್ಕೊಳ್ಳಲಿ)! ಬಿಳಿದು ಕಪ್ಪಾದ್ದೊಂದನ್ನು! ಎಂತ, ಒಬ್ಬರ ಹೇಳಿಕೆ; ಬೇಕಾದರೆ ಕಬ್ಬಿಣದ ಛಾಯೆಯಾದ ಕಪ್ಪಾದ್ದೊಂದನ್ನು (ಹಿಂಸೆಗೆ ಪ್ರಯೋಗಿಸಲಿ)! (ಗುಳಿಯ) ಬಾಲವನ್ನೂ ತೊಗಲನ್ನೂ ತಲೆಯನ್ನೂ ಕಾಲುಗಳನ್ನೂ ಬೆಂಕಿಯೊಳಗೆ ಹಾಕಲಿ! ಅದಲ್ಲದೆ ತೊಗಲಿನಿಂದ ಭೋಗವನ್ನು (ಅಂದರೆ ಮೊಚ್ಚೆ ಮುಂತಾದ್ದನ್ನು ಮಾಡುವ ಪ್ರಯೋಗವನ್ನು) ಗೈಯಲಿ! ಎಂತ, ಶಾಂವತ್ಯನೆಂಬ ಕಲ್ಪಕಾರನು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ.—

ಅದು ಹೊರ್ತು, ಕೌಶಿಕಸೂತ್ರಗಳ ೩೫ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರಜೋತ್ಪತ್ತಿಯ ವಿಷಯವಿರುವದೇನಂದರೆ,

ಪ್ರಜಾಪತಿರ್ ಅನುಮತಿಃ ಸಿನೀವಾಲ್ಯ್ ಅಚೀಕ್ಲೃಪದ್ ಇತಿ ಪ್ರಜಾಕಾಮಾಯಾ ಉಪಸ್ಥೇ ಜುಹೋತಿ, ಲೋಹಿತಾಜಾಪಿಶಿತಾನ್ಯ್ ಆಶಯತಿ||

ಅಂದರೆ, ಪ್ರಜಾಪತಿಯು ಅನುಮತಿಯು ಸಿನೀವಾಲಿಯು ಕಲ್ಪಿಸಿಟ್ಟರು! ಎಂತ, ಹೇಳಿ, ಪ್ರಜೆಯ ಆಶೆಯುಳ್ಳವಳ ಉಡಿಯಲ್ಲಿ ತುಪ್ಪದಿಂದ ಹೋಮಿಸಲಿ, (ಅವಳಿಗೆ) ಕೆಂಪು ಆಡಿನ ಮಾಂಸವನ್ನು ತಿನಿಸ್ಸಲಿ!—

ತಿರಿಗಿ, ಅದೇ ಕೌಶಿಕಸೂತ್ರಗಳ ೧೩ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ನಕ್ಷತ್ರ ಪ್ರತಾಪಗಳನ್ನು ಕುರಿತು ನೇಮಿಸಿರುವದೇನೆಂದರೆ,

ಅಥ ಯತ್ರೈತದ್ ಧೂಮಕೇತುಃ ಸಪ್ತರ್ಷೀನ್ ಉಪಧೂಪಯತಿ, ತದ್ ಅಯೋಗ ಕ್ಷೇಮಾ ಶಂಕಮ್ ಇತ್ಯ್ ಉಕ್ತಮ್; ಪಂಚ ಪಶವಸ್ ತಾಯಂತೇ; ವಾರುಣಃ ಕೃಷ್ಣೋ ಗೌರ್, ವಾಜೋ, ವಾವಿರ್ ವಾ; ವಾಯುವ್ಯೋ ಬಹುರೂಪೋ; ದಿಶ್ಯೋ; ಮಾರುತೀ ಮೇಷ್ಯಾಗ್ನೇಯಃ; ಪ್ರಾಜಾಪತ್ಯಶ್ ಚ ಕ್ಷೀರೌದನೋಪಾಂನಸ್ತ್ರ ಉದ್ರ ಇತ್ಯಾದಿ||

ಏನಂದರೆ, ಈಗ ಯಾವಾಗ ಧೂಮಕೇತುವೆಂಬದು ಸಪ್ತಋಷಿ(ನಕ್ಷತ್ರ)ಗಳನ್ನು ತನ್ನ ಹೊಗೆಯಿಂದ ಕವಿಯುತ್ತದೋ, ಆಗ ಯೋಗಕ್ಷೇಮ ತಪ್ಪುವ ಅನುಮಾನವಾಯಿತೆಂತ, ಹೇಳಿ ಅದೆ; ಹಾಗಾದರೆ ೫ ಪಶುಗಳನ್ನು ಯಜಿಸ ಬೇಕು; ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ವರುಣನದು ಒಂದು ಕಪ್ಪು ಎತ್ತು ಇಲ್ಲವೆ ಒಂದು ಹೋತು ಇಲ್ಲವೆ ಒಂದು ಟಗರು; ವಾಯುವಿನದು ಚಿತ್ರವರ್ಣದ್ದು; ದಿಕ್ಕುಗಳದ್ದೊಂದು; ಮಾರುತನದು ಒಂದು ಹೆಣ್ಣು ಕುರಿ; ಅಗ್ನಿಯದೊಂದು; ಪ್ರಜಾಪತಿಯದು ಹಾಲನ್ನವು; ಅಪಾಂನಪ್ತೃವಿನದು ಒಂದು ಉದ್ರವೆಂಬ ಜಲಚರವು.—

ಅರಿಯದವರಿಗೆ ನಾವು ಇನ್ನು ಹೇಳ ತಕ್ಕದ್ದೇನಂದರೆ, ಯಜ್ಞದಲ್ಲಿ ಉಳಿದ ಮಾಂಸ ಮುಂತಾದ್ದನ್ನು ಬ್ರಾಹ್ಮಣರೆಲ್ಲರೂ ಆಸ್ವಾದಿಸ ಬೇಕು; ಇದಕ್ಕೆ ಕಾತೀಯ ಶ್ರೌತಸೂತ್ರಗಳು ಹೇಳುವದೇನಂದರೆ,

ಯಜಮಾನಗೃಹ್ಯಾ ಹವಿರುಚ್ಛಿಷ್ಟಾಶಾ ಋತ್ವಿಜೋ; ಬ್ರಾಹ್ಮಣಾಶ್ ಚಾನ್ಯೇ, ಬಹುಃ ಚೇತ್॥

ಅಂದರೆ, ಯಜಮಾನನ ಗೃಹದ ಸಂಬಂಧವಾದ ಋತ್ವಿಜರು ಯಜ್ಞದಲ್ಲಿ ಉಳಿದದ್ದನ್ನು ತಿನ್ನುವವರಾಗಿದ್ದಾರೆ; ಆದರೆ ಬಹಳ ಉಳಿದರೆ, ಬೇರೆ ಬ್ರಾಹ್ಮಣರು ಸಹ.—

ಇಂತಿರಲಿಕ್ಕೆ ಮಾಂಸ ಭಕ್ಷಣದಿಂದ ಬ್ರಾಹ್ಮಣರು ಬೀಳುತ್ತಾರೆಂದರೆ ಅದು ಹ್ಯಾಗಾದೀತು? ಕೌಶಿಕಸೂತ್ರದ ೧೩ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ರಕ್ತಪ್ರಾಶನಕ್ಕೆ ಮಾತ್ರ ಗಾರ್ಗ್ಯನೆಂಬವನ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ಸ್ವಲ್ಪ ಅಡ್ಡಗಟ್ಟ ಇದೆ; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ,

ಅಕುಶಲೋ ಯೋ ಬ್ರಾಹ್ಮಣೋ ಲೋಹಿತಮ್ ಅಶ್ನೀಯಾದ್ ಇತಿ ಗಾರ್ಗ್ಯಃ ।

ಅಂದರೆ, ಯಾವ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನು ರಕ್ತವನ್ನು ಪ್ರಾಶನ ಮಾಡ್ಯಾನೋ, ಅವನು ಕುಶಲನಲ್ಲವೆಂತ, ಗಾರ್ಗ್ಯನು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ.—

ಹಿಂದೆ ವಿವರಿಸಿದ ಗೃಹ್ಯಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲವು ಸಾರ್ವಜನೀನ್ಯವಾದ ನಿತ್ಯ ಕಾರ್ಯಗಳು; ಇಂತಿರಲಾಗಿ, ಬ್ರಾಹ್ಮಣರೆನ್ನಿಸುವವರು ಅಂಥವುಗಳನ್ನು ನಡಿಸುವದು ಬಿಟ್ಟು ಬಿಟ್ಟು, ಹೀಗೆ ಧರ್ಮಭ್ರಷ್ಟರಾಗಿರುವಲ್ಲಿ ಅವರು—

ಯುಗೇ ಯುಗೇ ಚ ಯೇ ಧರ್ಮಾಸ್ ತತ್ರ ತತ್ರ ಚ ಯೇ ದ್ವಿಜಾಃ ।
ತೇಷಾಂ ನಿಂದಾ ನ ಕರ್ತವ್ಯಾ ಯುಗರೂಪಾ ಹಿ ತೇ ದ್ವಿಜಾಃ॥

ಅಂದರೆ, ಒಂದೊಂದು ಯುಗದಲ್ಲಿ ಯಾವ ಯಾವ ಧರ್ಮಗಳೋ, ಅದರದರಲ್ಲಿ ಎಂಥ ಎಂಥ ದ್ವಿಜರೋ, ಆ ಧರ್ಮಗಳಿಗೂ ದ್ವಿಜರಿಗೂ ನಿಂದೆ ಮಾಡ ಬಾರದು; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ ದ್ವಿಜರು ಒಂದೊಂದು ರೂಪಕ್ಕೆ ಅನುಸಾರವಾಗುವಂಥವರು! ಎಂತ, ಹೇಳುವದಾದರೆ ಏನು? ಹಾಗಾದರೆ ಬ್ರಾಹ್ಮಣಧರ್ಮವೇನು? ಮತ್ತೆ ಬ್ರಾಹ್ಮಣರು ಈಗ ಕ್ರಿಸ್ತನಾಥನ ಭಕ್ತರಾಗುವದಕ್ಕೆ ಅಭ್ಯಂತರವೇನು?

# ಟಪ್ಪಾಲಿನ ವಿಷಯವಾದ ಮುಖ್ಯ ಕಟ್ಟಳೆಗಳು.

## ೧. ಇಂಡಿಯದ ಸಾಧಾರಣವಾದ ಕಾಗದಟಪ್ಪಾಲು.

ಈ ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಮುಖಾಂತ್ರವಾಗಿ ಚಾರದಲ್ಲಿ ೧೨ ತೊಲೆಗಳಿಗೆ ಮೀರದ ಕಾಗದ ಮುಂತಾದವುಗಳು ಇದರ ಕೆಳಗಿನ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ನಿರಕುಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಇಂಡಿಯಾ ಗವರ್ನಮೆಂಟ್ ಎಂಬ ಸರಕಾರದ ಕೆಳಗಿರುವ ದೇಶಗಳಲ್ಲಿಯ ಯಾವದಾದರೂ ಒಂದು ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯಿಂದ ಬೇರೊಂದಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡ ಬಹುದು.

| ಚಾರದಲ್ಲಿ | ೧/೪ ತೊಲೆ | ೧/೨ ತೊಲೆ | ೧ ತೊಲೆ | ೧ ೧/೨ ತೊಲೆ | ೨ ತೊಲೆ |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | ಮೀರದ್ದಕ್ಕೆ | | |
| ಟಪ್ಪಾಲ ದಸ್ತೂರಿ | ೬ ಪೈ | ೧ ಆಣೆ | ೨ ಆಣೆ | ೩ ಆಣೆ | ೪ ಆಣೆ |

ಚಾರದಲ್ಲಿ ಎರಡು ತೊಲೆಗೆ ಮೀರಿ ಇರುವ ಪ್ರತಿ ಅರ್ಧ ತೊಲೆಗೆ ಅಥವಾ ಅರ್ಧ ತೊಲೆಯ ಅಂಶಗಳಿಗೆ ಒಂದು ಆಣೆ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ವಸೂಲು ಮಾಡಲಾದೀತು.

ಕಾಗದವನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವವನು ಅದನ್ನು, ದಸ್ತೂರಿ ಮುಂದಾಗಿ ಕೊಟ್ಟು ಆಗಲಿ, (bearing) ಬೇರಿಂಗ್ ಆಗಿ ಅಂದರೆ, ಕಾಗದ ಯಾರಿಗೆ ಕಳುಹಿಸ ಬೇಕೋ ಅವನೇ ದಸ್ತೂರಿ ಕೊಡ ಬೇಕೆಂತ ಆಗಲಿ, ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಮೇಲೆ ಹಾಕ ಬಹುದು.

ಕಾಗದವನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಮೇಲೆ ಹಾಕುವಾಗ ಅದರ ಬಲಗಡೆಯಲ್ಲಿ (stamp) ಸ್ಟೆಂಪ್ ಎಂಬ ಟಪ್ಪಾಲುಚೀಟನ್ನು ಹಚ್ಚಿದರೆ, ದಸ್ತೂರಿ ಮುಂದಾಗಿ ಕೊಟ್ಟ ಹಾಗೆ ಆಯಿತು.

ಕಾಗದಗಳು ಬೇರಿಂಗ್ ಆಗಿ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟರೆ, ಮೇಲಿನ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ನಿರಕಿನ ಇಮ್ಮಡಿ ದಸ್ತೂರಿ ವಸೂಲು ಮಾಡಲಾದೀತು.

ಮತ್ತು ಕಾಗದಕ್ಕೆ ಅದರ ಚಾರಕ್ಕೆ ನೇಮಿಸಿದ ಸರಿಯಾದ ಸ್ಟೆಂಪನ್ನು ಹಚ್ಚದೆ ಅದಕ್ಕಿಂತ ಕಡಿಮೆಯದನ್ನು ಹಚ್ಚಿದರೆ, ಆ ಸರಿಯಾದ ಸ್ಟೆಂಪಿಗೂ ಇದಕ್ಕೂ ಇರುವ ಹೆಚ್ಚು ಕಡಿಮೆಯ ಎರಡು ಪಾಲು ಹೆಚ್ಚು ವಸೂಲು ಮಾಡಲಾದೀತು.

ಒಬ್ಬನು ಒಂದು ಕಾಗದವನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಮೇಲೆ ಹಾಕಿದ ತರುವಾಯ, ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರ ಅಪ್ಪಣೆ ಪಡಕೊಂಡ ವಿನಹಾ, ತನಗೆ ಅದನ್ನು ವಾಪಸು ಕೊಡಿಸ ಬೇಕೆಂತ ಹೇಳ ಕೂಡದು.

ಚಂಗಿಟಪ್ಪಾಲು ಇರುವಲ್ಲಿ ಚಾರದಲ್ಲಿ ೧೨ ತೊಲೆಗಳಿಗೆ ಮೀರಿ ಇರುವ ಯಾವ ಕಾಗದವಾದರೂ ಕಾಗದಟಪ್ಪಾಲಿನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡಲಿಕ್ಕಿಲ್ಲ.

ಆದರೆ ಚಂಗಿಟಪ್ಪಾಲು ಇಲ್ಲದ್ದಲ್ಲಿ ೧೨ ತೊಲೆಗಳಿಗೆ ಮೀರಿ ೪೦ ತೊಲೆಗಳಿಗೆ ಮೀರದೆ ಇರುವ ಕಾಗದಗಳು ಅಂಗೀಕರಿಸಲ್ಪಟ್ಟು, ಕಾಗದಟಪ್ಪಾಲಿನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡುವವು.

ಕಾಗದಗಳು ಯಾವಾಗಲೂ ಅಂದರೆ ಹಗಲಿನಲ್ಲಿಯೂ ಇರುಳಿನಲ್ಲಿಯೂ ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಮೇಲೆ ಹಾಕ ಬಹುದು. ಟಪ್ಪಾಲು ಕೈದು ಮಾಡುವ ಒಂದು ತಾಸಿನ ಮುಂಚೆ ಬಂದ ಕಾಗದಗಳೆಲ್ಲವೂ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡುವವು. ಆದರೆ ಅದರ ತರುವಾಯ ಬಂದವುಗಳು ಎರಡನೇ ಟಪ್ಪಾಲಿನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡುವವು.

ಟಪ್ಪಾಲದಸ್ತೂರಿಯ ಖರ್ಚನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ ಕೊಳ್ಳುವ ಹಾಗೆ ಬೇರೆ ಬೇರೆಯವರಿಗೆ ಪ್ರತ್ಯ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ಬರೆದ ಕಾಗದಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಲಿಫಾಪೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ ಕಳುಹಿಸುವಂಥವರು ಪೋಸ್ಟ್‌ಹಾಫಿಸ್ ಆಕ್ಟಿನ ಪ್ರಕಾರ ಶಿಕ್ಷೆಗೆ ಪಾತ್ರರಾಗುತ್ತಾರೆ.

ತಮ್ಮ ಕಾಗದವನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಭದ್ರತೆಯಿಂದ ತಲಪ ಬೇಕೆಂದು ಮನಸ್ಸುಳ್ಳವರು ಅದನ್ನು ೫ನೇ ಅಂಕೆಯ ಕೆಳಗೆ ವಿವರಿಸಿದ ಪ್ರಕಾರ ೪ ಆಣೆ ಕೊಟ್ಟು, ರಿಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸ ಬಹುದು.

## ೨. ಇಂಡಿಯನ್ ಬುಕ್‌ಪೋಸ್ಟ್.

ಇದರಿಂದ ಭಾರದಲ್ಲಿ ೨೦೦ ತೊಲೆಗಳಿಗೆ ಮೀರದ ಪುಸ್ತಕಗಳೂ ಪಾಂಫ್ಲೆಟ್‌ಗಳೂ ವರ್ತಮಾನಪತ್ರಿಕೆಗಳ ಕಟ್ಟುಗಳೂ ವರ್ತಮಾನಪತ್ರಿಕೆಗಳಲ್ಲದ ಛಾಪಿಸಿದ ಕಾಗದಗಳೂ ಕೆಳಗಿನ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ನಮೂದ ಇರುವ ನಿರಕುಗಳಿಗೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಸ್ಟೆಂಪ್ಸ್ ಎಂಬ ಚೀಟುಗಳನ್ನು ಮುಂದಾಗಿಯೇ ಹಚ್ಚಿದರೆ, ಬಂಗೀ ಮೈಲ್ ಎಂಬ ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಮೇಲೆ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡ ಬಹುದು.

ಭಾರದಲ್ಲಿ

| | ೧೦ ತೊಲೆಗಳಿಗೂ | ೨೦ ತೊಲೆಗಳಿಗೂ ಮೀರದ್ದಕ್ಕೆ |
|---|---|---|
| ಟಪ್ಪಾಲದಸ್ತೂರಿ | ೧ ಆಣೆ | ೨ ಆಣೆ |

ಭಾರದಲ್ಲಿ ೨೦ ತೊಲೆಗಳಿಗೆ ಮೀರಿ ಇರುವ ಪ್ರತಿ ೧೦ ತೊಲೆಗಳಿಗೂ ಅದರ ಅಂಶಗಳಾದ ೫, ೮ ಮುಂತಾದ ತೊಲೆಗಳಿಗೂ ಒಂದೊಂದು ಆಣೆ ಹೆಚ್ಚು ಕೊಡ ಬೇಕು.

ಈ ಟಪ್ಪಾಲಿನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡುವ ಕಾಗದ ಮುಂತಾದವುಗಳು ಲಿಫಾಪೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಲ್ಪಡದೆ ಅಥವಾ ಚಿಕ್ಕ ಲಿಫಾಪೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟು, ಆ ಲಿಫಾಪೆಯ ಎರಡು ಕಡೆಗಳನ್ನು ಖುಲ್ಲಾ ಬಿಟ್ಟು ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡುವವು.

ಒಂದೇ ಲಿಫಾಪೆಯಲ್ಲಿ ಬೇಕಾದಷ್ಟು ಪುಸ್ತಕಗಳು ಅಥವಾ ವಿದ್ಯೆಗೆ ಸಂಬಂಧವಾದ ಪ್ರಕಟಣೆಗಳು ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡ ಬಹುದು, ಆದರೆ ಯಾವ (ಪತ್ರಿಕೆ) ಕಾಗದವಾದರೂ ಗರ್ಭಿಸ ಬಾರದು.

ತನಿಖಿ ಮಾಡದ ಹಾಗೆ ಮುಚ್ಚಲ್ಪಟ್ಟ ಅಥವಾ ಖುಲ್ಲಾ ಇರುವ ಕಾಗದ ಮುಂತಾದ್ದೇನಾದರೂ ಈ ಟಪ್ಪಾಲಿನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಡಲಿಕ್ಕಿಲ್ಲ. ಮತ್ತು ಕಾಗದದ ಛಾಪವುಳ್ಳ ಯಾವ ಸಂಗತಿಯನ್ನಾದರೂ ಪುಸ್ತಕ ಮುಂತಾದ್ದು ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಫಾಪೆಯ ಮೇಲೆ ಬರಿಯಲೂ ಛಾಪಿಸಲೂ ಕೂಡದು.

ಪುಸ್ತಕಗಳ ಕಟ್ಟಿನ ಮೇಲ್ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿ ಟಪ್ಪಾಲಕಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ಇಡದೆ ಇರುವ ಕಾರಣ, ಅಂಥಾ ಪ್ರತಿ ಪುಸ್ತಕದ ಕಟ್ಟನ್ನು ೪ ಆಣೆ ಕೊಟ್ಟು, ರಿಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸಿ ಕೊಳ್ಳ ಬಹುದು.

ಛಾಪಿಸದೆ ಇರುವಂಥಾ ಲಿಖಿತಗಳಾಗಲೀ ಲಿಖಿತಗಳ ಸ್ವಭಾವವುಳ್ಳ ಪತ್ರಗಳಾಗಲೀ ಅಥವಾ ಒಡರಿ ಹೋಗುವ ಯಾ ಅಪಾಯಕರವಾದ ವಸ್ತುಗಳಾಗಲೀ ಹೊರ್ತು, ಇತರ ಯಾವ ವಸ್ತುವನ್ನಾಗಲೀ ಇಂಡಿಯಾ ದೇಶದ ಒಂದು ಪ್ರಾಂತ್ಯದಿಂದ ಇನ್ನೊಂದು ಪ್ರಾಂತ್ಯಕ್ಕೆ ಬುಕ್‌ಪೋಸ್ಟ್ ಎಂಬ ಟಪ್ಪಾಲಿನ ದ್ವಾರಾ ಕಳುಹಿಸುವದಕ್ಕೆ ಆತಂಕವಿರುವದಿಲ್ಲ; ಅಂದರೆ ಛಾಪಿಸಿದ ಅಥವಾ ಬೇರೆ ತರದ ಪುಸ್ತಕಗಳು, ಛಾಪಿಸಿದ ಅಥವಾ ಕೈಬರಹದ ಪಂಚಾಂಗಗಳೂ ನಕ್ಷೆಗಳೂ, ಛಾಪಿಸಿದ ಅಥವಾ ಬರೆದ ಅಥವಾ ಖಾಲಿಯಾದ ಯಾವ ತರದ ಕಾಗದಗಳೂ, ಪೆನಶಿಲು ಲೇಖಣಿ ಇತ್ಯಾದಿಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸ ಬಹುದು.

ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಹಾಕುವ ಪುಸ್ತಕ ಮುಂತಾದ್ದನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲಕಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿರುವ ಕ್ಲರ್ಕನ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಕೊಡ ಬಹುದು, ಅಥವಾ ಕಾಗದಪೆಟ್ಟಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕ ಬಹುದು.

## ೩. ಭಂಗೀ ಟಪ್ಪಾಲು.

ಈ ಟಪ್ಪಾಲಿನಲ್ಲಿ ಕಳುಹಿಸುವ ಸಮಸ್ತ ಒಡವೆಗಳಿಗೆ ಭಾರ ಮತ್ತು ಮೈಲುಗಳ ಲೆಖ್ಖದ ಪ್ರಕಾರ ದಸ್ತೂರಿ ಕಟ್ಟುತ್ತದೆ. ಹ್ಯಾಗಂದರೆ:

| ದೂರ. | ತೂಕದಲ್ಲಿ ಕೆಳಗಿನ ಭಾರ ಮೀರದಿದ್ದರೆ | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ೨೦ ತೊಲೆ. | | ೫೦ ತೊಲೆ. | | ೧೦೦ ತೊಲೆ. | | ಇದಕ್ಕೆ ಮೀರಿರುವ ಪ್ರತಿ ೧೦೦ ತೊಲೆ. | |
| ಮೈಲುಗಳು | ರೂ. | ಆ. | ರೂ. | ಆ. | ರೂ. | ಆ. | ರೂ. | ಆ. |
| ೩೦೦ ಮೀರದಿದ್ದರೆ | ೦ | ೪ | ೦ | ೮ | ೦ | ೧೨ | ೦ | ೧೨ |
| ೬೦೦ ,, | ೦ | ೮ | ೧ | ೦ | ೧ | ೮ | ೧ | ೮ |
| ೯೦೦ ,, | ೦ | ೧೨ | ೧ | ೮ | ೨ | ೪ | ೨ | ೪ |
| ೧೨೦೦ ,, | ೧ | ೦ | ೨ | ೦ | ೩ | ೦ | ೩ | ೦ |
| ೧೨೦೦ ಮೀರಿದರೆ | ೧ | ೪ | ೨ | ೮ | ೩ | ೧೨ | ೩ | ೧೨ |

ಪತ್ರಿಕೆಗಳ ಟಪ್ಪಾಲೂ ಭಂಗೀ ಟಪ್ಪಾಲೂ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ನಡಿಯುವ ಮಾರ್ಗಗಳಲ್ಲಿ ಭಂಗೀ ಕಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನು ಗರ್ಭಿಸ ಕೂಡದು; ಆದರೆ ಟಪ್ಪಾಲುಗಾಡಿಗಳೂ ಲೋಹಮಾರ್ಗಗಳೂ ಇರುವಲ್ಲಿ ಪತ್ರಿಕೆಗಳ ಟಪ್ಪಾಲೂ ಭಂಗೀ ಟಪ್ಪಾಲೂ ಒಟ್ಟಿಗೆ ನಡಿಯುವದರಿಂದ, ಅಂಥಾ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನು ಭಂಗೀ ಕಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಗರ್ಭಿಸಿ ಕಳುಹಿಸ ಕೂಡದು.

ಭಂಗೀ ಟಪ್ಪಾಲು ಇಲ್ಲದೆ ಇರುವಲ್ಲಿ, ೧೨ ತೊಲೆ ಭಾರದ ಮೇಲೆ ೪೦ ತೊಲೆ ಭಾರದ ಒಳಗೆ ಟಪ್ಪಾಲು ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥನು ತಕ್ಕೊಂಡು ಮುಂದೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಕೊಡುವನು; ಮತ್ತು ಟಪ್ಪಾಲುದಸ್ತೂರಿ ಮೇಲೆ ಭಂಗೀ ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಪಟ್ಟಿಯ ದಸ್ತೂರಿಯೆ ಆಗಿರುವದು.

ಜಂಗೀ ಟಪ್ಪಾಲು ನಡಿಯುವಲ್ಲಿ, ೪೦ ತೊಲೆ ಚಾರದ ಮೇಲೆ ೬೦೦ ತೊಲೆ ಚಾರದ ಒಳಗೆ ತರುವ ಕಟ್ಟುಗಳು, ಪೋಸ್ತುಮಾಸ್ತರನು ಅನುಕೂಲವೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಕಾಲಗಳಲ್ಲಿ ಯೂ ರೀತಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಮುಂದೆ ಕಳುಹಿಸಲಾದಾವು.

ಜಂಗೀ ಕಟ್ಟು ಮೂರು ಫೂಟು ಉದ್ದ, ಒಂದು ಫೂಟು ಅಗಲ, ಒಂದು ಫೂಟು ದ ಪ್ಪಕ್ಕಿಂತ, ಅಥವಾ ಎರಡು ಸಾವಿರದ ಐನೂರ ತೊಂಚತ್ತೆರಡು ಘನ ಇಂಚುಗಳಿಗಿಂತ ಗಾ ತ್ರವಾಗಿರ ಕೂಡದು.

ಜಂಗೀ ಕಟ್ಟುಗಳನ್ನು ಯಾವಾಗಲೂ ಬಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ, ಅಥವಾ ಮೇಣವಸ್ತ್ರದಲ್ಲಿ, ಅಥವಾ ತವರದ ತಗಡಿನಲ್ಲಿ ಕಟ್ಟಿ, ತರ ಬೇಕು. ಇದಲ್ಲದೆ ಆ ಗವಸಣಿಗೆ ಘಟ್ಟಿ ಮಾಡುವದಕ್ಕೆ ಹೊ ಲಿದ ಹೊಲಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ಮೂರು ಇಂಚು ಮೀರದ ದೂರ ದೂರದಲ್ಲಿ (ನಡಿಯುವ ನಾ ಣ್ಯದಿಂದಲ್ಲಾ) ಯಾವದಾದರೂ ಮುದ್ರೆಯಿಂದ ಸಷ್ಟವಾದ ಅಂಕಿತವನ್ನು ಹಾಕ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಜಂಗೀ ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಕಟ್ಟುಗಳನ್ನು ತಕ್ಕೊಳ್ಳುವ ಸಮಯವು, ಆದಿತ್ಯವಾರ ಹೊರ್ತು, ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ದಿನ ಮಧ್ಯಾನ್ಹದ ಮುಂಚೆ ೧೦ ಘಂಟೆಯಿಂದ ಮಧ್ಯಾನ್ಹದ ಮೇಲೆ ೪ ಘಂಟೆ ವರೆಗೆ, ರಾಜಧಾನಿಯಲ್ಲಿ ಮಧ್ಯಾನ್ಹದ ಮುಂಚೆ ೧೦ ಘಂಟೆಯಿಂದ ಮಧ್ಯಾನ್ಹದ ಮೇಲೆ ೫ ಘಂಟೆ ವರೆಗೆ. ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಗೆ ಮುಂಚೆಯೇ ಬರದು ತಂದ ರಶೀದಿಗಳಿಗೆ ಟಪ್ಪಾ ಲುಮುದ್ರೆ ಹಾಕಿ ಕೊಡಲಾದೀತು.

ಸಮುದ್ರಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಟಪ್ಪಾಲು ಕಳುಹಿಸುವಲ್ಲಿ, ಜಂಗೀ ಕಟ್ಟುಗಳಿಗೆ ೧೦೦ ತೊಲೆ ಗೆ ೮ ಆಣೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಹಡಗದ ದಸ್ತೂರಿಯಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿಗೆ ಕೊಡ ತಕ್ಕದ್ದು. ೧೦೦ ತೊಲೆ ಯ ಅಂಶಕ್ಕೆ ಸಹಾ ನೂರು ತೊಲೆ ಎಂಬಂತೆ ದಸ್ತೂರಿ ಕೊಡ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಈ ದಸ್ತೂರಿ ಸರ್ಕಾರಿ ಹಡಗಗಳು ತಕ್ಕೊಂಡು ಹೋಗುವ ಕಟ್ಟುಗಳಿಗೆ ಮಾತ್ರವೆ ನೇ ಮಕ. ಬೇರೆ ಜನರ ಹಡಗಗಳು ಅಂಥಾ ಒಡವೆಗಳನ್ನು ತಕ್ಕೊಂಡು ಹೋಗುವ ಹಂಗಿಗೆ ಒಳಗಾಗಿರುವದಿಲ್ಲ.

## ೪. ತಿರಿಗಿ ಮೇಲುವಿಳಾಸ ಬರದು ಬೇರೆ ಕಡೆಗೆ ಕಳುಹಿಸುವ ವಿಷಯ.

ಟಪ್ಪಾಲಿನವರ ಮೇಲೆ ಕೆಳಗೆ ಕಾಣಿಸುವ ಸಮಯಗಳಲ್ಲಿ ಅಧಿಕ ಕೆಲಸವೂ ಕಷ್ಟವೂ ಬೀಳುವದರಿಂದ, ಪತ್ರಿಕೆಗಳಿಗೂ ಕಾಗದಗಳಿಗೂ ಪುಸ್ತಕಗಳಿಗೂ ಕಟ್ಟುಗಳಿಗೂ ತಿರಿಗಿ ಮುಂದೆ ಕಳುಹಿಸುವ ದಸ್ತೂರಿ ನೇಮಕವಾಗಿಯದೆ. ಯಾವಾಗ ಅಂದರೆ:

೧. ಪತ್ರಿಕೆ ಮುಂತಾದ್ದನ್ನು, ಮೊದಲು ವಿಳಾಸ ಬರದು ಕಳುಹಿಸಿದ ಠಾಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಹೊಂದ ತಕ್ಕ ಜನವು ಇಲ್ಲದಿರುವದರಿಂದ, ಬೇರೊಂದು ಠಾಣ್ಯಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸ ಬೇಕಾಗುವಾಗ.

೨. ಪತ್ರಿಕೆ ಮುಂತಾದ್ದು ಒಂದು ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯೊಳಗಿಂದ ದಾಟಿ ಹೋಗುತ್ತಿರು ವಷ್ಟರೊಳಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿ ಕೊಡಿಸುವ ಬಗ್ಯೆ, ಆ ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ನಿಲ್ಲಿಸುವಾಗ.

೩. ಮುಂಚೆ ಮೇಲುವಿಳಾಸವಿದ್ದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ, ಬೇರೊಂದು ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸುವ ಬಗ್ಯೆ ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯೊಳಗಿಂದ ದಾಟಿ ಹೋಗುತ್ತಿರುವಷ್ಟರೊಳಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸುವಾಗ.

ಸರ್ಕಾರಿ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥರು ಉದ್ಯೋಗದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಸ್ಥಳದಿಂದ ಮತ್ತೊಂದು ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ

ತಿರುಗುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಕಾಗದ ಮುಂತಾದ್ದನ್ನು ಖಾಸಗಿಯಲ್ಲಿ ಕಳುಹಿಸಿದರೆ, ಆ ಕಾಗದ ಮುಂತಾದ್ದನ್ನು ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಪ್ರಕಾರ ಬೇರೊಂದು ಕಡೆಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಕೊಡುವ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ, ಮುಂದೆ ಕಳುಹಿಸುವ ದಸ್ತೂರಿ ಅವರಿಗೂ ತಪ್ಪದು. ಸೋಲ್ಜರರಿಗೆ ವಿಲಾಯತಿಯಿಂದ ಬಂದ ಪತ್ರಿಕೆಗಳಿಗೆ ಮಾತ್ರವೆ ಹೆಚ್ಚಿಗೆ ದಸ್ತೂರಿ ಇಲ್ಲಾ.

## ೫೪. ಪತ್ರಿಕೆ, ವರ್ತಮಾನಕಾಗದ, ವಹಿ, ಪುಸ್ತಕಗಳ ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ವಿಷಯ.

ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನೂ ವರ್ತಮಾನಕಾಗದಗಳನ್ನೂ ವಹಿಗಳನ್ನೂ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನೂ ಸಾಧಾರಣ ಟಪ್ಪಾಲುದಸ್ತೂರಿಯ ಹೊರ್ತು, ಬೇರೆ ೪ ಆಣೆ ರುಸುಮು ಕೊಟ್ಟು, ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸ ಬಹುದು; ಆದರೆ ದಸ್ತೂರಿಯನ್ನು ರುಸುಮನ್ನೂ ಮುಂದಾಗಿ ಸಲ್ಲಿಸ ಬೇಕು. ಯಾವ ಪತ್ರಿಕೆ, ವರ್ತಮಾನಕಾಗದ, ವಹಿ, ಪುಸ್ತಕವನ್ನಾದರೂ ಹಿಂದುಸ್ಥಾನ ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಒಳಗಾಗಿರುವ ಅಥವಾ ಐಕ್ಯರಾಜ್ಯವೆಂಬ ಇಂಗ್ಲಿಷು ಸಂಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿರುವ ಮತ್ತು 'ಅದರ್ ಕೊಲೊನಿ' ಎಂಬಆಜ್ಞಾಧಿಕಾರದಲ್ಲಿರುವ ದೇಶಗಳಲ್ಲಿರುವ ಯಾವ ಸ್ಥಳಕ್ಕಾದರೂ ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸ ಬಹುದು.

ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಲಿಕ್ಕೆ ಆಲೋಚಿಸಿದ ಕಾಗದಗಳನ್ನು, ಟಪ್ಪಾಲುಚೀಲ ಮುಚ್ಚುವದಕ್ಕೆ ನಿಶ್ಚಯಿಸಿ ಇರುವ ಸಮಯದ ಅರ್ಧ ತಾಸಾದರೂ ಮುಂಚೆಯೆ, ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಗೆ ತರ ಬೇಕು. ಆ ಸಮಯದ ತರುವಾಯ ತಂದರೆ, ತಡವಾಯಿತು ಎಂಬ ಅರ್ಥವುಳ್ಳ 'ಟೂ ಲೇಟ್' ಎಂಬ ಮುದ್ರೆ ಹಾಕಿ, ಮರುಸರ್ತಿಗೆಂದು ಇಡಲಾದಾವು.

ಪೋಸ್ತ್‌ಮಾಸ್ತರನಾಗಲಿ ಬೇರೆ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥನಾಗಲಿ, ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸುವವನಿಗೆ ರಶೀದಿ ಕೊಟ್ಟು, ಚೆಕ್ ಬೂಕಿನ ಅತ್ತಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಪ್ರತಿಯನ್ನು ಇಟ್ಟು ಕೊಳ್ಳುವನು; ತಾರೀಕಿನ ಟಪ್ಪಾಲುಮುದ್ರೆಯನ್ನು ರಶೀದಿಗೂ ಪ್ರತಿಗೂ ಹಚ್ಚ ತಕ್ಕದ್ದು.

ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿದ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಒಪ್ಪಿಸಿ ಕೊಡುವಾಗ, ಟಪ್ಪಾಲಿನವನು ಪತ್ರಿಕೆ ಹೊಂದಿದವನ ದಸ್ಕತನ್ನು ಹಳದಿ ಬಣ್ಣದ ಸುತ್ತುಕಾಗದದಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿ ಕೊಳ್ಳ ಬೇಕು; ಅಸಲು ರಶೀದಿಯನ್ನು ಪತ್ರಿಕೆ ಮುಟ್ಟಿಸಿದ ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟು ಕೊಂಡು, ಅದರ ಜೋಡಿನ ರಶೀದಿಯನ್ನು ಆರಂಭದಲ್ಲಿ ಕಳುಹಿಸಿದ ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಗೆ ಅಂದಿನಿಂದ ಮೊದಲನೇ ಟಪ್ಪಾಲು ಹೋಗುವಾಗ ಕಳುಹಿಸಿ ಕೊಡ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಟಪ್ಪಾಲು ಆಕ್ಟಿನ ೪೯ನೇ ಸೆಕ್ಶನಿನ ಪ್ರಕಾರ, ಸರ್ಕಾರದವರು ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿದ ಪತ್ರಿಕೆಯ ಜಪ್ರತೆಗೆ ಹೊಣೆಯಲ್ಲಾ, ಜವಾಬುದಾರರೂ ಅಲ್ಲಾ; ಆದಾಗ್ಯೂ, ಯಾವ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥನ ಅಜಾಗ್ರತೆಯಿಂದ ಅದು ಕಳದು ಹೋಗುತ್ತದೋ, ಅಥವಾ ಅಪಹಾರವಾಗುತ್ತದೋ, ಅವನಿಂದ ಖಂಡಿತವಾಗಿ ಉದಾಹರಣೆ ಕೇಳ್ಯಾರು, ಮತ್ತು ಆಗುವ ನಷ್ಟ ಅವನಿಂದ ಕೊಡಿಸ ಬಹುದು.

ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿದ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯಿಂದ ಮತ್ತೊಂದಕ್ಕೆ ಹೆಜ್ಜೆ ಹಿಡಿದು ಹೋಗಲಿಕ್ಕೆ ಆಗುವ ಕಾರಣ, ಪತ್ರಿಕೆ ಕಳುಹಿಸುವದು ಅಧಿಕ ಜಪ್ರವಾಗುತ್ತದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ, ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿದ ಒಡವೆಯು, ನಿಬಂಧನೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಅಸಡ್ಡೆ

ಮಾಡುವದರಿಂದ ಕಳದು ಹೋದರೆ, ಅಥವಾ ಅಪಹಾರವಾದರೆ, ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥರನ್ನು ಅವರ ಅಸಡ್ಡೆಯ ಫಲವಾಗಿ, ಜವಾಬುದಾರರೆಂದು ಮಾಡುವಲ್ಲಿ ಅವರು ಮತ್ತೊಬ್ಬರನ್ನು ದೂರಲಿಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಿಲ್ಲ.

ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡುವದರಿಂದ, ಪತ್ರಿಕೆ ಮುಂತಾದರ ಒಳಗಿರುವ ವಸ್ತುಗಳಿಗೆ ರಶೀದಿ ಕೊಟ್ಟ ಹಾಗೆ ಆಗದಿರುವದರಿಂದಲೂ, ಲಕೋಟೆಯನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಗೆ ಕೊಡುವ ಮುಂಚೆಯೂ ಮತ್ತೆಯೂ, ಹೊಂದುವವನ ಕೈಗೆ ಮುಟ್ಟಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಸಹಾ, ಆ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಅಪಹರಿಸ ಬಹುದಾಗಿರುವದರಿಂದಲೂ, ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಗರ್ಭಿತವಾಗಿ ಹೊಂದಲಿಕ್ಕೆ ನಿರೀಕ್ಷಿಸುವವನು, ರಶೀದಿ ಕೊಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಟಪ್ಪಾಲಿನವನ ಕಣ್ಣ ಮುಂದೆ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ತೆರೆಯ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಹುಂಡಿಗಳೂ ಟಪ್ಪಾಲುಚೀಟುಗಳೂ ಬೇರೆ ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ ಒಡವೆಗಳೂ ಇರುವ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಸಾಧಾರಣವಾಗಿ ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸಿ, ದಪ್ಪವಾದ ಲಕೋಟೆಯಲ್ಲಿ ಭದ್ರವಾಗಿ ಮಡಿಚಿ, ಅಥವಾ ಗರ್ಭಿಸಿ, ಯಾವಾಗಲೂ ಅರಗಿನಿಂದ ಮುದ್ರೆ ಹಾಕ ಬೇಕು. ಈ ಪ್ರಕಾರ, ಸಾಧ್ಯವಾಗುವಷ್ಟು, ಅಪಾಯವಾಗದಂತೆ ಆದೀತು.

ಒಂದು ಪತ್ರಿಕೆಯು, ಹೊಂದ ತಕ್ಕವನಿಗಲ್ಲದೆ, ಯಾರಿಗೂ ಸಾಧಾರಣವಾಗಿ ವಿಶೇಷವಲ್ಲಾ; ಆದರೆ ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ ಒಡವೆಗಳು ಗರ್ಭಿಸಿ ಇದ್ದರೆ, ಆ ಸಂಗತಿ ಬೇರೆ. ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ಯಾರ್‍ಯಾರ ಕೈಯಿಂದ ನಡಿಯುತ್ತದೋ, ಅನೇಕರಾದ ಈ ಜನರಲ್ಲಿ ಆ ಪತ್ರಿಕೆಯಿಂದ ಅಭಿಲಾಷೆಯ ಶೋಧನೆ ಹುಟ್ಟುವದಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ದೆಶೆಯಿಂದ, ಅಂಥಾ ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನು ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡುವ ಮುಂಚಿಂತೆ ಒಳ್ಳೇದೆಂದು ತಿಳಿಸಿಯದೆ.

## ೬. ಸರ್ವರಿಗೆ ಸೂಚನಾಲೋಚನೆಗಳು.

ಟಪ್ಪಾಲಿನವರಿಗೆ ತಮ್ಮಿಂದಾಗುವಷ್ಟು ಆಧಾರ ಕೊಡುವ ಬಗ್ಯೆ, ಸರ್ವರು ಕೆಳಗೆ ಬರುವ ಸೂಚನೆಗಳಿಗೂ ಆಲೋಚನೆಗಳಿಗೂ ಲಕ್ಷ ಕೊಟ್ಟರೆ ಆದೀತು.

ಎಲ್ಲಾ ಒಡವೆಗಳನ್ನು, ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ವರ್ತಮಾನಕಾಗದಗಳಿಗೆ ಅನೇಕ ಸರ್ತಿ ಸಂಭವಿಸುವ ಪ್ರಕಾರ, ಅವು ಅನೇಕವಾಗಿರುವಾಗ್ಯೆ, ಆಗುವಷ್ಟು ಬೇಗ ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿರಿ.

ಪತ್ರಿಕೆ ಹೊಂದುವವರ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ಸಂಕ್ಷೇಪಿಸದೆ ಪೂರ್ಣವಾಗಿಯೂ ಸ್ಪಷ್ಟ ಅಕ್ಷರದಿಂದಲೂ ಬರಿಯ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಎಲ್ಲಾ ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನೂ ವರ್ತಮಾನಕಾಗದಗಳನ್ನೂ ಬೇರೆ ಕಟ್ಟುಗಳನ್ನೂ ಭದ್ರವಾಗಿ ಮಡಚಿ, ಮುದ್ರೆ ಹಾಕ ತಕ್ಕದ್ದು; ಇಲ್ಲದಿದ್ದರೆ, ಅವುಗಳನ್ನು ಅನೇಕ ಸರ್ತಿ ಆಚೆ ಈಚೆ ಹಾಕುತ್ತಿರುವದರಿಂದ, ಅವು ತೆರೆದು ಹೋದಾವು; ಇದಲ್ಲದೆ ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ತಕ್ಕೊಂಡು ಹೋಗುವ ಚಾಕರರು ಅವುಗಳಲ್ಲಿರುವ ಒಡವೆಗಳನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಲಿಕ್ಕೆ ಸಾಕು.

ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಕಳುಹಿಸುವ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲದ ಮುಂಚೆಯೇ ಚೀಟು ಹಚ್ಚ ತಕ್ಕದ್ದು; ಮತ್ತು ಕಾಗದಗಳಿಗೆ ಹಚ್ಚುವ ಬಗ್ಯೆ ಚೀಟುಗಳನ್ನು ಕ್ರಯಕ್ಕೆ ಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೆಂದು ಚಾಕರರ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಎಂದಿಗೂ ಹಣ ಕೊಡ ಬಾರದು.

ವರ್ತಮಾನಕಾಗದಗಳನ್ನೂ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನೂ ಸಣ್ಣ ಕಾಗದಗಳಲ್ಲಿ ಸುತ್ತುವದಾದರೆ,

ಒಡವೆಯು ಜಾರಿ ಬೀಳದಂತೆ, ಆ ಸುತ್ತನ್ನು ಬಿಮ್ಮಗೆ ತಗಲುವ ಹಾಗೆ ಮಾಡ ಬೇಕು. ಮಳೆಗಾಲದಲ್ಲಿ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು, ಆಚೆ ಈಚೆ ಸ್ವಲ್ಪ ಸ್ಥಳ ಬಿಟ್ಟು, ಯಾವಾಗಲೂ ಮೇಣವಸ್ತ್ರದಲ್ಲಿ ಮುಚ್ಚ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಒಡವೆಗಳನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲುಪೆಟ್ಟಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕುವಾಗ್ಯೆ, ಬೀಳುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಕಿಕೊಂಡವೊ, ಅಥವಾ ಪೆಟ್ಟಿಗೆಯೊಳಗೆ ಬಿದ್ದವೊ ಎಂದು ಚನ್ನಾಗಿ ನೋಡಿ ಕೊಳ್ಳ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಹಣವನ್ನಾಗಲಿ ಬೇರೆ ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ ಒಡವೆಗಳನ್ನಾಗಲಿ ಟಪ್ಪಾಲಿನಲ್ಲಿ ಕಳುಹಿಸುವದಕ್ಕೆ ಶಿಳಿಪು ತಕ್ಕೊಳ್ಳಲಿಕ್ಕಿಲ್ಲಾ; ಆದರೂ ಬೆಂಕ್‌ನೋಟ್ ಎಂಬ ಹುಂಡೀ ಚೀಟುಗಳ ಅರ್ಧವನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವದಕ್ಕೆ ನಿಷೇಧ ಇಲ್ಲ.

ಏನಾದರೂ ವಿಶೇಷ ಒಡವೆಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವದಾದರೆ, ಆ ಒಡವೆಯನ್ನು ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡಿಸುವದು ಒಳ್ಳೇದು; ಯಾಕಂದರೆ, ಆ ಪ್ರಕಾರ ಮಾಡುವದರಿಂದ, ಟಪ್ಪಾಲಿನವರು ಅಂಥಾ ಒಡವೆ ತಪ್ಪಿ ಹೋದ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲಿ ಕಾಣದೆ ಹೋಯಿತೊ, ಅಲ್ಲಿ ವರೆಗೆ ಹುಡುಕಿ ನೋಡಲಿಕ್ಕೆ ಆದೀತು.

ಚಂಗೀ ಕಟ್ಟುಗಳನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲುಕಟ್ಟೆಯ ಪುಸ್ತಕಗಳಲ್ಲಿ ವಿವರವಾಗಿ ಬರದು ಇಡುವದರಿಂದ, ಅವುಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡುವದು ಅಗತ್ಯವಲ್ಲಾ.

ಯಾರಾದರೂ ಬೇರೆ ಕಡೆಗೆ ಹೋಗಿ ಉಳಕೊಂಡರೆ, ಅದನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲಿನವರಿಗೆ ಯಾವಾಗಲೂ ಶಿಳಿಸ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಒಂದು ಒಡವೆಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವವನ ಹೆಸರು ಯಾವಾಗಲೂ ಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಬರಿಯುವದು ಒಳ್ಳೇದು. ಯಾಕಂದರೆ ಆ ಒಡವೆ ಹೊಂದ ತಕ್ಕವನು ಶಿಕ್ಕದಿದ್ದ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ, ಅದನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದವನಿಗೆ ಶಿರಿಗಿ ಮುಟ್ಟಿಸುವದು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ. ಇದಲ್ಲದೆ ಕಳುಹಿಸಿದವನ ಹೆಸರನ್ನು ಕೂಲಂಕುಶವಾಗಿ ಲಕೋಟೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಗೆ ಬರದರೆ, ಹೊಂದ ತಕ್ಕವನು ಶಿಕ್ಕದಿದ್ದರೂ ಟಪ್ಪಾಲಿನವರು ಲಕೋಟೆಯನ್ನು ಒಡೆಯದೆ, ಕಳುಹಿಸಿದವನಿಗೆ ಕೂಡಲೆ ಶಿರಿಗಿ ಮುಟ್ಟಿಸುವರು.

ಕಳುಹಿಸಿದ ಒಡವೆ ನಷ್ಟವಾದರೆ, ತಪ್ಪಿ ಹೋದರೆ, ಅಥವಾ ಮುಟ್ಟುವದಕ್ಕೆ ತಡವಾದರೆ, ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಸಂಗತಿಯ ವಿದ್ಯಮಾನಗಳ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಆಗುವಷ್ಟು ವರ್ತಮಾನವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟ ಮಾತುಗಳಿಂದ ಕೊಡ ತಕ್ಕದ್ದು. ಮತ್ತು ಫಿರ್ಯಾದು ಮಾಡುವವನ ಸ್ವಾಧೀನದಲ್ಲಿ ಇರುವಂಥಾ, ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಆಧಾರ ಕೊಡುವಂಥಾ ಪತ್ರಗಳನ್ನು ಸಹಾ ಕಳುಹಿಸಿ ಕೊಡ ತಕ್ಕದ್ದು.

ಯಾರಾದರೂ ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ ಒಡವೆಗಳನ್ನು ಟಪ್ಪಾಲಿನಲ್ಲಿ ಕಳುಹಿಸುವದಾದರೆ, ಬರುವ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ತಾವೆ ಹೊಣೆ ಎಂಬದನ್ನು ಮನಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಇಡ ಬೇಕು. ಯಾಕಂದರೆ, ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸುವ ಯಾವ ವಸ್ತುವಿನ ವಿಷಯದಲ್ಲಿಯಾದರೂ ನಷ್ಟ ಹಾನಿ ಬಂದರೆ, ಸರ್ಕಾರದವರು ಜವಾಬುದಾರರಲ್ಲಾ.

ಹುಂಡಿಗಳನ್ನೂ ಬೇರೆ ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ ವಸ್ತುಗಳನ್ನೂ ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡದ ಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಎಂದಿಗೂ ಕಳುಹಿಸ ಬಾರದು. ಯಾಕಂದರೆ ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ವೈಯುವದಕ್ಕೆ ಸಾಧಾರಣವಾಗಿ

ಕಳುಹಿಸುವ ಕೀಲು ಚಾಕರರೂ, ಯಾರ್‍ಯಾರ ಕೈಯಿಂದ ನಡಿಯುತ್ತದೊ, ಆ ಟಪ್ಪಾಲಿನ ಅನೇಕ ಉದ್ಯೋಗಸ್ಥರೂ ಅಭಿಲಾಷೆಯ ಶೋಧನೆಗೆ ಒಳಗಾಗುತ್ತಾರೆ. ಹಣವಾಗಲಿ ಬೇರೆ ಬೆಲೆಯುಳ್ಳ ವಸ್ತುಗಳಾಗಲಿ ಇರುವ ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನು ರೆಜಿಸ್ತ್ರಿ ಮಾಡದೆ ಟಪ್ಪಾಲಿಗೆ ಕೊಟ್ಟರೆ, ಫ್ರೆಂಚು ದೇಶದಲ್ಲಿ ಅದು ಶಿಕ್ಷೆಗೆ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಅಪರಾಧವೆಂದು ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ.

ಫಿರ್ಯಾದುಗಳನ್ನು ಇನ್ಸ್‌ಪೆಕ್ಟಿಂಗ್ ಪೋಸ್ತ್‌ಮಾಸ್ತರರಿಗೆ ಮಾಡ ತಕ್ಕದ್ದು. ಆಗ್ಯೆ ವಿಚಾರಿಸುವದಕ್ಕೆ ಬಹಳ ಸರ್ತಿ ಸಮಯವು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಶಿಕ್ಕುತ್ತದೆ. ಫಿರ್ಯಾದು ಮಾಡುವವರು, ಮನಸ್ಸಿದ್ದರೆ, ಫಿರ್ಯಾದಿಯ ನಕಲು ಪೋಸ್ತ್‌ಮಾಸ್ತರ ಜನರಲನಿಗೆ ಕಳುಹಿಸ ಬಹುದು. ಆದರೆ ಇದು ಅವಶ್ಯವಲ್ಲಾ, ಯಾಕಂದರೆ ಎಲ್ಲಾ ಫಿರ್ಯಾದುಗಳೂ, ಇನ್ಸ್‌ಪೆಕ್ಟಿಂಗ್ ಪೋಸ್ತ್‌ಮಾಸ್ತರನ ರಿಪೋರ್ಟಿನೊಡನೆ ಆತನಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಕೊಡುತ್ತವೆ.

# ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನ ಉಂಗುರವು.

ಗ್ರೀಕ ದೇಶದ ಬಳಿಯ ಸಾವೋಸ್ ಎಂಬ ಒಂದು ದ್ವೀಪ ಉಂಟು. ಪೂರ್ವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸಮುದ್ರರಾಜನೆನ್ನಿಸಿ ಕೊಂಡ ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನೆಂಬವನು ಅದನ್ನಾಳಿ ಕೊಂಡು ಇದ್ದನು. ಅವನು ತನ್ನ ನೆರೆರಾಜರುಗಳ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು, ಅವರ ರಾಜ್ಯವನ್ನು ಸುಲುಕೊಂಡು, ಐಶ್ವರ್ಯವನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಕೊಂಡಿದ್ದನು. ಅವನ ಬಳಿಯಲ್ಲಿರುವಷ್ಟು ನೌಕಾ ಸೈನ್ಯವು ಇಡೀ ಗ್ರೀಕ ದೇಶದಲ್ಲಿರಲಿಲ್ಲ. ಮತ್ತು ಅವನು ಬಲವೂ ಶೌರ್ಯವೂ ಪರಾಕ್ರಮವೂ ಉಳ್ಳವನಾಗಿದ್ದದರಿಂದ ಶತ್ರುಗಳೂ ಮಿತ್ರರೂ ಅವನನ್ನು ಸರಿಯಾಗಿ ಹೆದರುತ್ತಿದ್ದರು. ಇದಲ್ಲದೆ, ತನ್ನ ರಾಜ್ಯದ ಸಮೀಪದಲ್ಲಿರುವ ಈಗಿಯನ್ ದ್ವೀಪವನ್ನೂ ಆಸ್ಯ ಖಂಡದ ಒಂದು ಭಾಗವನ್ನೂ ಜೈಸಿ ಕೊಳ್ಳ ಬೇಕೆಂಬ ಅವನ ಅತ್ಯಾಶೆಯಾಗಿತ್ತು. ಈ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ಪೂರೈಸುವದಕ್ಕಾಗಿ, ಅವನು ಅನೇಕ ದ್ರೋಹಗಳನ್ನೂ ಹತ್ಯಗಳನ್ನೂ ಮಾಡಿದ್ದಲ್ಲದೆ, ನಿಷ್ಕರುಣವಾಗಿ ತನ್ನ ಸ್ವಂತ ಸಹೋದರನನ್ನು ಸಹಾ ಕೊಲ್ಲಿಸಿದನು. ಅವನು ದುಷ್ಟನೂ ಮಾನಾತುರನೂ ಆಗಿರುವ ಪ್ರಕಾರವೇ ಅಧಿಕ ಧನಾಢ್ಯನೂ ಆಗಿದ್ದನು. ಹೀಗಾಗಿ ದಿವಸ ಹೋಗುತ್ತಾ ಅವನ ಭಾಗ್ಯವು ಹೆಚ್ಚಿತಲ್ಲದೇ ಕುಂದಲಿಲ್ಲ.

ಒಂದಾನೊಂದು ಸಾರಿ ಈ ಅರಸನಿಗೆ ಆತನ ಮಿತ್ರನಾದ ಅಮುಸಿಸನೆಂಬ ಐಗುಪ್ತ ದೇಶದ ಅರಸನು ಒಂದು ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಬರೆದನು, ಏನಂದರೆ: “ಅಮುಸಿಸನು ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನಿಗೆ ಬರಿಯುವದು. ನನ್ನ ಗೆಳೆಯನೂ ಮಿತ್ರನೂ ಆದ ನೀನು ಸುಖವಾಗಿರುತ್ತೀ ಎಂಬದನ್ನರಿತು, ಬಹಳ ಸಂತೋಷ ಪಡುತ್ತೇನೆ. ಆದರೆ ಈ ಭಾಗ್ಯವನ್ನು ನೀನು ಕಷ್ಟ ಪಡಿಯದೇ ದುಡಿದದ್ದಾದರಿಂದ, ನಾನು ಬಹಳ ವ್ಯಸನ ಪಡುತ್ತೇನೆ. ಯಾಕಂದರೆ ಐಶ್ವರ್ಯದ ಫಲಾಫಲಗಳನ್ನು ನಾನು ಅರಿತಿದ್ದೇನೆ. ನಾನಾಗಲೀ ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತರಾಗಲೀ ಸುಖವನ್ನೆ ಅನುಭವಿಸುವದಕ್ಕಿಂತ ಸುಖವನ್ನೂ ದುಃಖವನ್ನೂ ಸರಿಯಾಗಿ ಸಾಧಿಸಿ ಕೊಳ್ಳುವದು ಒಳ್ಳೇದು. ಯಾತಕ್ಕಂದರೆ ಸುಖ ಮಾತ್ರವೇ ಆಗಲಿ ಕಷ್ಟ ಮಾತ್ರವೇ ಆಗಲಿ ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ಹಿತವಾದ್ದಲ್ಲ. ಒಂ

ಪರ ವಿರಹಿತವಾಗಿ ಇನ್ನೊಂದನ್ನು ನಾನು ಯಾವನೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನಲ್ಲಿಯೂ ಕಾಣಲಿಲ್ಲ; ಮತ್ತು ಅಂಥವನು ಲೋಕದಲ್ಲಿ ಇರಲಿಕ್ಕಿಲ್ಲ. ಆದರಿಂದ ನಿನ್ನ ಭಾಗ್ಯವು ಸಾರ್ಥಕವಾಗುವ ಹಾಗೆ ಈ ನನ್ನ ಆಲೋಚನೆಯನ್ನು ಕೇಳು: ನಿನ್ನ ಧನದೊಳಗೆ ಅಧಿಕವಾಗಿ ನೀನು ಪ್ರೀತಿ ಮಾಡುವ ಒಂದು ಒಡವೆಯನ್ನು ಮುಂದೆ ಯಾವಾಗಲೂ ಶಿಕ್ಕದಂತೆ ದೂರವಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಸಾಡು; ಆಗ ನಿನಗೆ ದುಃಖ ಉಂಟಾಗುವದು. ಹಾಗಾದೇ ಪುನಹಾ ಸುಖ ಮಾತ್ರವೇ ನಿನಗೆ ಪ್ರಾಪ್ತಿಯಾದರೆ, ಪದೇ ಪದೇ ಆ ರೀತಿ ಮಾಡುತ್ತಾ ಬಾ.

ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನು ಈ ಕಾಗದವನ್ನು ಓದಿ ನೋಡಿ, ತನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತನ ಈ ಆಲೋಚನೆಯನ್ನು ಕುರಿತು ಬಹಳವಾಗಿ ಚಿಂತಿಸಿದನು. ತನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತನ ಮಾತು ವಿಹಿತವೇ ಸರಿ ಎಂದು ನಿಶ್ಚೈಸಿ, ತನ್ನ ಹತ್ತರವಿರುವ ಒಡವೆಗಳಲ್ಲಿ ತಾನು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಪ್ರೀತಿ ಮಾಡುವ, ಅದರ ನಾಶನದಿಂದ ತನಗೆ ಸದಾ ದುಃಖವುಂಟಾಗುವ ಒಂದು ವಸ್ತುವನ್ನು ಹುಡುಕಿದನು. ಅವನ ಹತ್ತರ ಒಬ್ಬ ಘಟ್ಟಿಗ ಶಿಲ್ಪಿಗಾರನು ಕೆತ್ತಿದ ರತ್ನಖಚಿತವಾದ ಒಂದು ಉಂಗುರವಿತ್ತು. ಅದು ಅವನ ಅಕ್ಕರೆಯ ಒಡವೆಯಾಗಿರುವದರಿಂದ ಅದನ್ನು ಕಳಕೊಂಡರೆ, ಅಮಸಿಸನು ಹೇಳುವ ಪ್ರಕಾರ ತನಗೆ ದುಃಖ ಪ್ರಾಪ್ತಿಯಾಗುವದೆಂದು ಆಲೋಚಿಸಿ, ಅದನ್ನು ಕಳಕೊಳ್ಳ ನಿಶ್ಚೈಸಿದನು. ಮರು ದಿವಸ ತನ್ನ ಪರಿವಾರ ಸಮೇತ ಹಡಗದ ಮೇಲೆ ಸಮುದ್ರಪಯಣ ಮಾಡಿ, ತನ್ನ ರಾಜ್ಯದಿಂದ ಬಹಳ ದೂರವಿರುವ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಜನರ ಮುಂದೆ ಆ ಉಂಗುರವನ್ನು ಬಿಸಾಡಿ ಬಂದನು. ಈ ಪ್ರಕಾರ ತನ್ನ ಪ್ರಿಯ ಒಡವೆಯನ್ನು ಬಿಸಾಡಿ, ವ್ಯಸನ ಉಂಟು ಮಾಡಿ ಕೊಂಡು ಅದರಲ್ಲಿ ಬಳಲುತ್ತಾ ಇದ್ದನು. ಹೀಗೆ ದುಃಖವು ಅವನ ಬೆನ್ನು ಹಿಡಿದಂತೆ ಕಂಡಿತು. ಆದರೆ ಆ ಉಂಗುರ ಬಿಸಾಡಿದ ೫ನೇ ದಿವಸದ ಹೊತ್ತಾರೆ ಒಬ್ಬ ಮೊಗೇರನು ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಅರಸನ ಬಳಿಗೆ ತಂದು, ಅವನಿಗೆ ಕಾಣಿಕೆಯಾಗಿ ಒಪ್ಪಿಸಿದನು. ಅರಸನ ಬಾಣಸಿಗರು ಆತನ ಊಟಕ್ಕೆ ಪಲ್ಯ ಮಾಡುವದಕ್ಕಾಗಿ ಅದನ್ನು ಕೊಯ್ಯಲು, ಇಗೋ, ಅದರೊಳಗೆ ೫ ದಿವಸಗಳ ಹಿಂದೆ ಬಹಳ ದೂರ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಅರಸನು ತಾನೇ ಬಿಸಾಡಿದ ಉಂಗುರವಿತ್ತು. ಅದನ್ನು ಅರಸನ ಬಳಿಗೆ ತರಲು, ಅವನು ನೋಡಿ, ಬಹಳ ಆಶ್ಚರ್ಯ ಪಟ್ಟನು. ದುಃಖ ಉಂಟಾಗುವಂತೆ ತಾನು ಆ ಉಂಗುರವನ್ನು ಬಿಸಾಡಿದರೂ, ತನ್ನ ಸಂತೋಷವನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸದಂತೆ ಅದು ತನಗೆ ಹಿಂದೆ ದೊರಕಿತು; ಆದದರಿಂದ ಈ ಸಂಗತಿಯಲ್ಲಿ ಮನುಷ್ಯನ ಜ್ಞಾನಕ್ಕೂ ಸಂಕಲ್ಪಕ್ಕೂ ಗೋಚರವಾಗದ್ದೇನಾದರೂ ಇರ ಬೇಕು ಎಂದು ದೃಢ ಪಟ್ಟು, ಈ ತನ್ನ ಉಂಗುರದ ಚರಿತ್ರವನ್ನು ಬರದಿಡಿಸಿ, ಆ ವೃತ್ತಾಂತವನ್ನು ತನ್ನ ಮಿತ್ರನಾದ ಆ ಐಗುಪ್ತದ ಅರಸನಿಗೆ ಬರಸಿ ಕಳುಹಿಸಿದನು.

ಅಮಸಿಸನು ಈ ವರ್ತಮಾನವನ್ನು ಕೇಳಿ, ಬಹಳ ಚಿಂತೆ ಪಟ್ಟು, ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಬರಲಿಕ್ಕಿರುವ ಕಂಟಕವನ್ನು ದೈವ ಇಚ್ಛೆಯಿಂದಲ್ಲದೆ ಅನ್ಯಥಾ ತನ್ನಿಂದ ತಪ್ಪಿಸಲಸಾಧ್ಯವಾಗಿದೆ ಎಂದು ಕಂಡು ಕೊಂಡನು. ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನು ತನಗೆ ದುಃಖ ಬರ ಬೇಕೆಂದು ಬಿಸಾಡಿದ ತನ್ನ ಪ್ರಿಯ ಒಡವೆಯನ್ನು ಪುನಹಾ ಕಂಡು ಕೊಂಡು, ಸುಖವು ತನ್ನಿಂದ ತೊಲಗಿ ಹೋಗದಂತೆ ಅವನು ನೆನಸಿದರೂ, ಕಾಲಕ್ರಮಣದಲ್ಲಿ ಆಗಲೀ ಅವನಿಗೆ ಆಪತ್ತು ಬಂದು, ಅವನನ್ನು ನಾಶ ಮಾಡದೆ ಇರದು ಎಂದು ನಿಶ್ಚಯ ಪಟ್ಟನು. ಆದ್ದರಿಂದ ತನ್ನ ಒಬ್ಬ ರಾಯಭಾರಿಯನ್ನು ಅವನೆಡೆಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ, ತಮ್ಮೊಳಗಿನ ಮಿತ್ರಬಂಧವನ್ನು ಇಂದಿನಿಂದ ತೊಲಗ ಬೇಕೆಂದು ತಿಳಿಸಿದನು.

ಅಮುಸಿಸನು ನೆನಸಿದ ಪ್ರಕಾರ ಅವನ ಸ್ನೇಹಿತನಿಗೆ ಕಂಟಕ ಬಂತು, ಸರಿ; ಏನಂದರೆ, ಪಾರ್ಶಿಸ್ಥಾನದ ಒಬ್ಬ ಅಧಿಪತಿಯು ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನನ್ನು ಕೊಲ್ಲ ಬೇಕೆಂದು ಎತ್ನೈಸಿದನು; ಆದರೆ ಕಾರಣವಿಲ್ಲದೆ ಪ್ರಕಟವಾಗಿ ಅವನೊಡನೆ ಯುದ್ಧ ಮಾಡಲಿಕ್ಕೆ ಅವನು ಧೈರ್ಯ ಪಡ ಲಿಲ್ಲ. ಆದ್ದರಿಂದ ಒಂದು ಉಪಾಯ ಮಾಡಿದನು; ಯಾವದಂದರೆ — ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನಿಗೆ "ನನ್ನ ರಾಜ್ಯದ ಒಂದು ಭಾಗದಲ್ಲಿ ದ್ರವ್ಯದ ಕೊಪ್ಪರಿಗೆಗಳಿರುತ್ತವೆ. ನೀನು ನನ್ನ ರಾಜ್ಯದೊಳಗೆ ಬಂದು, ಅವುಗಳನ್ನು ಆಳವಾದ ಸ್ಥಳದಿಂದ ಮೇಲೆ ತೆಗಿಯುವಂತೆ ನನಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡಿ ದರೆ, ಆ ಕೊಪ್ಪರಿಗೆಗಳಲ್ಲಿ ಅರೆವಾಶಿ ನಿನಗೆ ಕೊಡುವೆನು" ಎಂದು ಹೇಳಿ ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಇದರ ಸತ್ಯತ್ವವನ್ನು ನೋಡ ಬಂದ ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನ ದೂತನಿಗೆ ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ಕಲ್ಲು ತುಂಬಿ, ಮೇಲೆ ಮಾತ್ರ ಭಂಗಾರದ ಸಲಾಕಿಗಳನ್ನಿಟ್ಟ ದೊಡ್ಡ ಕೊಪ್ಪರಿಗೆಗಳ ಗುಣಿಯನ್ನು ತೋರಿಸಿ ದನು. ದ್ರವ್ಯಾಶೆಯಿಂದ ಧಾವತಿ ಪಟ್ಟ ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನು ಅವನ ತಂತ್ರಕ್ಕೆ ಒಳಗಾಗಿ, ಆ ಅಧಿಪತಿಯ ರಾಜ್ಯಕ್ಕೆ ಹೋದನು. ಅವನನ್ನು ಕೊಲೆ ಮಾಡುವದಕ್ಕೆ ಕಾದು ಕೊಂಡಿರುವ ಆ ಅಧಿಪತಿಯು, ಅವನು ತನ್ನ ರಾಜ್ಯವನ್ನು ಹೊಕ್ಕಿದ ಕೂಡಲೇ ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದು, ಸಂ ಹಾರ ಮಾಡಿ, ಅವನ ಶ್ರವವನ್ನು ಕ್ರೂಜೆಗೆ ಹಾಕಿದನು.

ಈ ಕಥೆಯು ಒಬ್ಬ ಒಳ್ಳೇ ಮನುಷ್ಯನದ್ದಲ್ಲವಾದರೂ, ಇದರಿಂದ ನಾವು ಒಂದು ಬುದ್ಧಿ ಜ್ಞಾನವನ್ನೂ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯನ್ನೂ ಪಡ ಕೊಳ್ಳ ಬಹುದು. ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನು ತನಗೆ ಮಾನವ ನ್ನೂ ಐಶ್ವರ್ಯವನ್ನೂ ಘಳಿಸಿ ಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕಾಗಿ ತನ್ನ ಸಹೋದರನನ್ನೂ ಇತರ ಅನೇಕರನ್ನೂ ಹತ ಮಾಡಿದನು, ಘಾತಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದನು, ದ್ರೋಹಗಳನ್ನು ನಡಿಸಿದನು. ಆದರೆ ನೀತಿ ಯು ಮೊದಲು ಅಳಿದು ಹೋದಂತೆ ಕಂಡರೂ, ಅವನ ಕೃತ್ಯಗಳ ಫಲವನ್ನು ತಕ್ಕ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅವನಿಂದ ಉಣ್ಣಿಸದೇ ಬಿಡಲಿಲ್ಲ. ನಿಶ್ಚಯವಾಗಿ ಅವನ ದುಷ್ಟತನವೇ ಅವನಿಗೆ ಮೃತ್ಯು ವಾಗಿ ನಿಂತಿತು. ದೇವರ ಖಡ್ಗವು ಶಿಕ್ಷಿಸುವದಕ್ಕೆ ತ್ವರೆ ಪಡುವದಿಲ್ಲವಾದರೂ ನೀತಿ ತೀರಿಸದೆ ಇರುವದಿಲ್ಲವೆಂದು ಒಬ್ಬ ಸದ್ಭಕ್ತನು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ಒಳ್ಳೆದಾಗಲೀ ಕೆಟ್ಟದಾಗಲೀ, ಮನು ಷ್ಯನು ತಾನು ಮಾಡಿದ ಕರ್ಮದ ಫಲವನ್ನು ತಿನ್ನಲೇ ಬೇಕು ಎಂಬದು ನಿಶ್ಚಯ. ಮತ್ತು ಮನುಷ್ಯನು ಈ ಲೋಕದ ಭಾಗ್ಯವನ್ನೇ ಅನುಭವಿಸ ಬೇಕೆಂದು ದೇವಸಂಕಲ್ಪವಲ್ಲವೆಂಬದು ದಿನಚರ್ಯದ ಅನುಭವದಿಂದ ಕಂಡು ಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ. ಈ ಮಾತಿಗನುಗುಣವಾಗಿ ಲೋಕದಲ್ಲಿ ಎಷ್ಟೋ ದೃಷ್ಟಾಂತಗಳನ್ನು ಕಾಣ ಬಹುದು. ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ಸಮೃದ್ಧಿಯಾಗಿದ್ದರೂ ಎಷ್ಟು ಸಾರಿ ಅವನ ಅಪೇಕ್ಷೆಗಳು ನಿಶ್ಫಲವಾಗಿ ಹೋಗುತ್ತವೆ! ಎಷ್ಟು ಸಾರಿ ಅಕಸ್ಮಾತ್ತಾಗಿ ಅವನ ಸಂತೋಷವೆಲ್ಲಾ ಅಣಗಿ ಹೋಗಿ, ತೊಂದರೆಯೂ ವ್ಯಸನವೂ ಅವನಿಗೆ ಬರುತ್ತವೆ! ಒಬ್ಬನ ಆಯುಷ್ಕಾಲವು ಕೆಲವು ಕಾಲದ ವರೆಗೆ ಸುಖದಲ್ಲಿಯೇ ಸಾಗಿ ಹೋದರೂ, ದುಃಖ ವಾಗಲೀ ಕಷ್ಟವಾಗಲೀ ಅನೇಕ ಕಾಲದ ವರೆಗೆ ಕಾಣದೆ ಹೋದರೂ, ಒಂದು ವೇಳೆ ಒಂದೇ ಪೆಟ್ಟಿನೊಳಗೆ ನಿರ್ಭಾಗ್ಯವು ಎಂದೂ ನಿವೃತ್ತಿ ಪಡಿಯದಂತೆ ಅವನ ತಲೆಯನ್ನು ತಿವಿದು ಬಿಡಲಿಕ್ಕೆ ಸಾಕು!

ಕಷ್ಟವಾಗಲೀ ಸುಖವಾಗಲೀ, ದುಃಖವಾಗಲೀ ಸಂತೋಷವಾಗಲೀ ನಮ್ಮ ಮನಸ್ಸಿಯಾ ಗಿ ನಮಗೆ ದೊರಕವು. ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನು ತನಗೆ ಕಷ್ಟ ಬರ ಬೇಕೆಂದು ಅಪೇಕ್ಷಿಸಿದನು; ಆದರೆ ಅ ದಕ್ಕಿಂತ ದೊಡ್ಡ ಶಿಕ್ಷೆಯು ಅವನಿಗೆ ಕಾದಿದ್ದದರಿಂದ, ಅವನು ಅಪೇಕ್ಷಿಸಿದಾಗ ಬರಲಿಲ್ಲ.

ದೇವರು ನಮ್ಮ ಪಾಪಗಳನ್ನು ಶಿಕ್ಷಿಸುವದಕ್ಕೂ ನಮ್ಮ ನಡತೆಯನ್ನು ತಿದ್ದುವದಕ್ಕೂ ನಮ್ಮ ಗರ್ವವನ್ನು ಮುರಿಯುವದಕ್ಕೂ ನಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸವನ್ನೂ ಭಕ್ತಿಯನ್ನೂ ಭದ್ರ ಪಡಿಸುವದಕ್ಕೂ ಲೋಕದ ಅಸ್ಥಿರತ್ವವನ್ನು ಕಂಡು ಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ನಮಗೆ ಸಂಕಷ್ಟಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸುತ್ತಾನೆ. ಮತ್ತು ಅದು ಹೊರತು ಯಾವ ಪ್ರಕಾರ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವದರಿಂದ ವಿಶ್ರಾಂತಿಯು ಅವಶ್ಯವೋ, ಅಥವಾ ಕತ್ತಲೆ ಇರುವದರಿಂದ ಬೆಳಕು ಅವಶ್ಯವೋ, ತದೋಪಾದಿ ಸಂಕಷ್ಟಗಳು ಬರುವದರಿಂದಲೇ ಸುಖವನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತೇವೆ.

ಸರ್ವ ಜ್ಞಾನಿಯಾದ ದೇವರು ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳನ್ನು ಪ್ರೀತಿ ಮಾಡುವದರಿಂದ, ಅವರಿಗೆ ಅನೇಕ ಸಾರಿ ಆಶೀರ್ವಾದಗಳನ್ನೂ ಕೃಪಾದಾನಗಳನ್ನೂ ·ಅವರಿಗೆ ಕಳುಹಿಸುತ್ತಾನೆ. ಆದರೆ ಅವನು ಪಾಪದ ಕೊಂಡದೊಳಗೆ ಬೀಳಿಸುವಂಥಾ ಯಾವದೊಂದು ಸಂತೋಷಗಳನ್ನಾಗಲೀ ಇಷ್ಟಾರ್ಥಗಳನ್ನಾಗಲೀ ನಮಗೆ ದಯಪಾಲಿಸುವದಿಲ್ಲ. ಅಲ್ಪ ಬುದ್ಧಿಗಳಾದ ನಮಗೆ ಸಹ ನಮ್ಮ ಪ್ರಿಯರಿಗೆ ಕೇಡಿನಲ್ಲಿ ನಡಿಸುವದಕ್ಕೆ ಮನಸ್ಸು ಬರುವದಿಲ್ಲ; ಅಂದರೆ ಪರಮಾತ್ಮನಾದ ದೇವರು ನಮಗೆ ಎಷ್ಟು ಪ್ರೀತಿದಾಯಕನಾಗಿರ ಬೇಕು! ಆದರೆ ಲೋಕದಲ್ಲಿ ಎಷ್ಟೋ ಜನರು ಇಂಥಾ ನಮ್ಮ ಕ್ಷೇಮಚಿಂತಕನಾದ ದೇವರ ಮಮತೆಯನ್ನು ಗ್ರಹಿಸದೇ, ಅವನು ತಮಗೆ ಅನ್ಯಾಯವಾಗಿ ಸಂಕಷ್ಟಗಳನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆಂತಲೂ, ತಮ್ಮ ಕಣ್ಣು ಮುಂದೆ ಇರುವ ಐಶ್ವರ್ಯವಂತರಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಹಾಗೆ ತಮಗೆ ಭಾಗ್ಯವನ್ನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲವೆಂತಲೂ ಗುಣುಗುಟ್ಟುತ್ತಾರೆ! ಎಷ್ಟೋ ಸಾರಿ ತಮಗೆ ದೇವರು ಯಾವ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿಟ್ಟಿದ್ದಾನೋ ಅದರಲ್ಲಿ ಸಂತೃಪ್ತರಾಗಿರದೆ, ಆ ಪೊಲಿಕ್ರೆಟೆಸನಂತೆ, ತನಗಿರುವದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಐಶ್ವರ್ಯ ಬೇಕೆಂದು, ಇನ್ನೂ ಹೆಚ್ಚು ಸಮೃದ್ಧಿಯುಳ್ಳವರಾಗ ಬೇಕೆಂದು ಆಸಕ್ತರಾಗಿ, ಕಡೆಗೆ ಇದ್ದದ್ದೆಲ್ಲ ಕಳಕೊಂಡು, ನಾಶವಾಗುತ್ತಾರೆ! ಅಂಥವರು ಪ್ರಪಂಚದ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲೆಲ್ಲ ಸುಖ ಉಂಟೆಂದು ತಿಳಿದು ಮೋಸ ಹೋಗುತ್ತಾರೆ. ಪರಾತ್ಪರನಾದ ದೇವರು ಕರುಣೆಯಿಂದಲೂ ಪ್ರೀತಿಯಿಂದಲೂ ಅನುಗ್ರಹಿಸುವ ವರಗಳು ಅವರಿಗೆ ಅಂಥವುಗಳಾಗಿ ತೋರುವದಿಲ್ಲ. ಹೀಗಾಗಿ ಅವರು ಅಸಮಾಧಾನದಿಂದಲೂ ಅಸಂತೋಷದಿಂದಲೂ ನಿಜಸುಖಕ್ಕೆ ಕುರುಡರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ.

ಆದರೆ ನಿಜಸುಖವು ಪ್ರಪಂಚದವರು ತಿಳುಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಲೋಕದ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲಾಗಲೀ ಐಶ್ವರ್ಯದಲ್ಲಿ ಆಗಲೀ ಇರುವದಿಲ್ಲ. ಲೋಕದ ವಿಷಯಗಳು ಎಲ್ಲಾ ತರದ ದುಃಖಗಳ ಮೂಲವಾಗಿರುವ ಪಾಪಕ್ಕೆ ಶೋಧನೆ ಮಾಡುತ್ತವೆ. “ಮತ್ತು ಐಶ್ವರ್ಯವು ಶೋಧನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉರುಲಿನಲ್ಲಿಯೂ ಬುದ್ಧಿ ಇಲ್ಲದ ನಷ್ಟವುಳ್ಳ ಅನೇಕ ಆಶೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಬೀಳಿಸುತ್ತದೆ. ಅದು ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ನಾಶನದಲ್ಲಿಯೂ ಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮುಣುಗಿಸುತ್ತದೆ.” ಮತ್ತು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವು ಹೇಳುವದೇನಂದರೆ, “ಭೂಮಿಯ ಮೇಲೆ ನಿಮಗೆ ದ್ರವ್ಯವನ್ನು ಇಟ್ಟು ಕೊಳ್ಳ ಬೇಡಿರಿ; ಅಲ್ಲಿ ನುಶಿಯೂ ಕಿಲುಬೂ ಕೆಡಿಸುತ್ತವೆ; ಅಲ್ಲಿ ಕಳ್ಳರು ಕನ್ನ ಕೊರೆದು ಕದಿಯುತ್ತಾರೆ. ಆದರೆ ಪರಲೋಕದಲ್ಲಿ ನಿಮಗೆ ದ್ರವ್ಯವನ್ನು ಇಟ್ಟು ಕೊಳ್ಳಿರಿ; ಅಲ್ಲಿ ನುಶಿಯಾದರೂ ಕಿಲುಬಾದರೂ ಕೆಡಿಸದು; ಅಲ್ಲಿ ಕಳ್ಳರು ಕನ್ನ ಕೊರೆದು ಕದಿಯರು.” ಆದರೆ ನಿಜಸುಖವನ್ನು ಸಂಪಾದಿಸಿ, ಪರಲೋಕದಲ್ಲಿ ಈ ನಾಶವಾಗದ ದ್ರವ್ಯವನ್ನು ಇಟ್ಟು ಕೊಳ್ಳುವದು ಹ್ಯಾಗೆ? ಅಂಥಾ ಮನಸ್ಸುಳ್ಳವನು ತನ್ನ ಪಾಪವನ್ನೂ ಅದರ ದುಷ್ಟತ್ವವನ್ನೂ ಅಪರಾಧವನ್ನೂ ಶಿಕ್ಷೆಯನ್ನೂ ತಿಳು ಕೊಂಡು, ಈ ಲೋಕದ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲಿ ತತ್ಪರನಾಗದೆ, ಸೈತಾನನ ದಾರಿಯನ್ನು

ಬಿಟ್ಟು, ಅವನಿಂದ ತೊಲಗಲಿ! ಮತ್ತು ಅವನ ಎಲ್ಲಾ ಶೋಧನೆಗಳನ್ನು ತ್ಯಜಿಸಲಿ! ಆದರೆ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಪಾಪದ ಮೂಲಕ ಇವುಗಳನ್ನು ಸ್ವತಂತ್ರದಿಂದ ಸಾಧಿಸುವದಕ್ಕೆ ಅಶಕ್ತನಾಗಿರುವದನ್ನು ಕಂಡು, ಪರಮಾತ್ಮನಾದ ದೇವರು ತನ್ನ ವಾಕ್ಯರೂಪವಾದ ನಮ್ಮ ರಕ್ಷಕನಾದ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನನ್ನು ಭೂಲೋಕಕ್ಕೆ ನಮ್ಮ ಪಾಪಗಳ ಬಲಿಯನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುವಂತೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಈತನಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಕೃಪೆಯನ್ನೂ ಕರುಣೆಯನ್ನೂ ಮೂಡಿಸಿದ್ದಾನೆ. ಈತನ ಮುಖಾಂತ್ರ ದೇವರು ತನ್ನನ್ನು ಈ ಲೋಕಕ್ಕೆ ಪ್ರಕಟಿಸಿ ಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ. ಈತನೇ ನಮ್ಮ ಪಾಪವನ್ನು ಕ್ಷಮಿಸಲೂ, ನಮ್ಮ ದುರಿತಗಳನ್ನು ನಿವಾರಿಸಲೂ ಶಕ್ತನಾಗಿದ್ದಾನೆ. "ಈತನಲ್ಲಿ ವಿಶ್ವಾಸವಿಡುವವರು ನಾಶವಾಗದೆ ನಿತ್ಯಜೀವವನ್ನು ಹೊಂದುವರು" ಎಂದು ದೇವರು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ.

ಆದದರಿಂದ ಈ ಗೆರೆಗಳನ್ನು ಓದುವ ಪ್ರಿಯ ಸ್ನೇಹಿತನೇ, ನಿಜಸುಖವನ್ನು ದುಡಿಯ ಮನಸ್ಸಿದ್ದರೆ, ನಿಃಸಂಕೋಚಭಾವದಿಂದ ನಮ್ಮ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸುವಿನಲ್ಲಿ ವಿಶ್ವಾಸವಿಡು. ಆತನ ಮುಂದೆ ನಿನ್ನ ಪಾಪಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಅರಿಕೆ ಮಾಡಿ, ಅವುಗಳಿಗಾಗಿ ಹೃದಯಪೂರ್ವಕವಾದ ಮಾನಸಾಂತರ ಪಟ್ಟು, ರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ಬೇಡಿಕೋ. ಆತನು ತನ್ನ ಹತ್ತರ ಬರುವವರಿಗೆ ತಿರಸ್ಕರಿಸದೆ, ತನ್ನ ರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ಅನುಗ್ರಹಿಸಿ, ದಯೆಯಿಂದಲೂ ಪ್ರೀತಿಯಿಂದಲೂ ತನ್ನವರಾಗಿ ಮಾಡಿ ಕೊಳ್ಳುತ್ತಾನೆ. ಆತನಲ್ಲಿ ಆ ದ್ರವ್ಯದ ಬುಡವು ಇದೆ. ಲೋಕದ ಎಲ್ಲಾ ವಸ್ತುಗಳಿಗಿಂತಲೂ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನನ್ನು ಪ್ರೀತಿ ಮಾಡಿ, ಭಕ್ತಿಯಿಂದಲೂ ಸನ್ಮಾನದಿಂದಲೂ ಆತನ ಪರಿಶುದ್ಧ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೈಕೊಂಡು, ಸತ್ಯದಲ್ಲಿಯೂ ನೀತಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಮನೋದೀನತ್ವದಲ್ಲಿಯೂ ನಡ ಕೊಳ್ಳುವವನೇ ಈ ಪರಲೋಕದ ಐಶ್ವರ್ಯದಲ್ಲಿ ಪಾಲುಗಾರನಾಗುತ್ತಾನೆ. ಅಂಥವನ ಮನಸ್ಸು ಈ ಲೋಕದ ಅಸ್ಥಿರವಾದ ಐಶ್ವರ್ಯದಿಂದಾಗಲೀ ಸುಖದಾಪೇಕ್ಷೆಯಿಂದಾಗಲೀ ಶಳ ಕೊಳ್ಳದು; ಅಥವಾ ಈ ಲೋಕದ ಸಂಕಷ್ಟಗಳಾಗಲೀ ದುಃಖವಾಗಲೀ ಚಿಂತೆಗಳಾಗಲೀ ಅವನ ವಿಶ್ವಾಸವನ್ನು ಚಂಚಲಿಸವು; ಆದರೆ ಅವು ಅವನ ವಿಶ್ವಾಸವನ್ನೂ ಭಕ್ತಿಯನ್ನೂ ಭದ್ರ ಮಾಡುವವು. ಯಾಕಂದರೆ ಅವನ ಎಲ್ಲಾ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ದೇವರ ಪರಾಂಬರಿಕೆಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿ, ದೇವರ ಆಶೀರ್ವಾದಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಸಂತೋಷ ಪಟ್ಟು, ಆತನ ಕೃಪಾದಾನಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಸಂತೃಪ್ತನಾಗುತ್ತಾನೆ. ಇಂಥಾ ಮನುಷ್ಯನು ನಿಜವಾಗಿ ಭಾಗ್ಯವಂತನಾಗಿದ್ದಾನೆ.

ಆದದರಿಂದ, ಓ ಪ್ರಿಯ ಓದುವವನೇ, ಅಂಥವನಾಗುವದಕ್ಕೆ ಪ್ರಯಾಸ ಪಡು. ಇದಕ್ಕಾಗಿ ನಮ್ಮ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ಮುಖಾಂತರ ದೇವರಿಗೆ ಸದಾ ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುತ್ತಾ ಇರು. ಆತನು ನಿನ್ನನ್ನು ಅಂಗೀಕರಿಸುವನು; ತನ್ನ ಪರಿಶುದ್ಧಾತ್ಮದ ಬೆಳಕನ್ನು ನಿನ್ನಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಾಶಿಸ ಮಾಡಿ, ನಿನ್ನ ಜೀವವನ್ನೂ ಆತ್ಮವನ್ನೂ ಸಾರ್ಥಕ ಮಾಡುವನು. ಆಗ ನೀನು ಇಹದಲ್ಲಿ ಸಂತೃಪ್ತನಾಗಿಯೂ ಸಮಾಧಾನದಿಂದಲೂ ಇದ್ದು, ಪರದಲ್ಲಿ ನಿತ್ಯಜೀವವನ್ನೂ ಭಾಗ್ಯವನ್ನೂ ಪೂರ್ಣ ಭರವಸದಿಂದ ನಿರೀಕ್ಷಿಸುವಿ!

# ಕಾ ಲ ಗ ಣ ನೆ.

ದೇವರು ಲೋಕವನ್ನು ನಿರ್ಮಿಸಿದಾಗ, ಇತರ ಸೃಷ್ಟಿಯ ಸಂಗಡ, ಕಾಲಭೇದಗಳನ್ನು ಸಹಾ ಮಾಡಿದನು. ಇದರಲ್ಲಿ ದಿವಾರಾತ್ರಿಗಳು ಆಧಾರಪ್ರಮಾಣವಾಗಿರುತ್ತವೆ. ಪೂರ್ವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಜನರು ದಿವಾರಾತ್ರಿಗಳ ಸಮಯವನ್ನು ಗಣಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ಉಪಾಯಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ಅಂಗ್ಲ ದೇಶದ ಪೂರ್ವ ರಾಜನಾದ ಮಹಾ ಎಲ್‌ಫ್ರೆಡನು ಒಂದೇ ಪ್ರಮಾಣದ ಬತ್ತಿಗಳನ್ನು ಮಾಡಿ, ಅವುಗಳನ್ನು ಸುಡುವದಕ್ಕೆ ತಾಗುವ ಹೊತ್ತಿನಿಂದ ತನ್ನ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ ಸಮಯವನ್ನು ಗಣಿಸುವ ಉಪಾಯ ಮಾಡಿದ್ದನು. ಹಾಗೆಯೇ ಈ ದೇಶದ ಜನರು ಇದೇ ತರದ ಇನ್ನೊಂದು ಉಪಾಯ ಮಾಡಿದರು; ಏನಂದರೆ, ಹಾಳಿತದ ಒಂದು ಉರುಟಾದ ಪಾತ್ರಕ್ಕೆ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಚಿಕ್ಕ ತೂತು ತೆಗದು, ಅದನ್ನು ನೀರು ತುಂಬಿದ ಒಂದು ಮರಗಿಯಲ್ಲಿಟ್ಟು, ಅದು ಮುಣುಗುವದಕ್ಕೆ ತಾಗಿದ ಸಮಯದಿಂದ ಘಳಿಗೆಗಳನ್ನು ಎಣಿಸುವರು. ಇದಲ್ಲದೆ ಸೂರ್ಯದ ನೆರಳಿನಿಂದ ಘಳಿಗೆ ನಿಶ್ಚೈಸುವ ಕ್ರಮವನ್ನು ಈ ಕೆಳಗಿನ ಪದ್ಯದಿಂದ ತಿಳಿಯ ಬಹುದು:

ಅಡಿಯನಿಂಮಡಿ ಮಾಡಿ, ಒಡಗೂಡಿ ಹಂನೊಂದ
ತಡೆಯದಿಂನೂರಹತ್ತಕೆ ಭಾಗಿಸಲು,
ನಡವಘಳಿಗಕ್ಕು; ಸರ್ವಜ್ಞ.

(ತನ್ನ ದೇಹಛಾಯವನ್ನು ತನ್ನ ಪಾದದಿಂದ ಅಳೆದು, ಬಂದ ಅಡಿಗಳನ್ನು ಇಮ್ಮಡಿ ಮಾಡಿ, ಅದಕ್ಕೆ ೧೧ ಕೂಡಿಸಿ, ಬಂದದರಿಂದ ೨೧೦ನ್ನು ಭಾಗಿಸಿ, ಬಂದ ಲಬ್ಧವು ಘಳಿಗೆ ಎಂತ ತಿಳಿಯ ಬೇಕು: ೬ ತಾಸಿನೊಳಗಾದರೆ ಸೂರ್ಯೋದಯವಾಗಿ ಅಷ್ಟು ಘಳಿಗೆ ಆಯಿತೆಂತಲೂ, ಅದರ ಮೇಲಾದರೆ ಹೊತ್ತು ಮುಣುಗಲಿಕ್ಕೆ ಅಷ್ಟುಂಟೆಂತಲೂ ತಿಳಿಯ ಬೇಕು.)

ಆದರೆ ಈ ಎಲ್ಲಾ ಉಪಾಯಗಳಿಗಿಂತ ವಿಲಾಯತಿಯವರು ಕೌಶಲದಿಂದ ಉಂಟು ಮಾಡಿದ ಘಡಿಯಾರ ಯಂತ್ರವೇ ಬಹಳ ಚಾತುರ್ಯದ್ದು. ಇದರಿಂದ ಅತಿ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾದ ಸಮಯಾಂಶವನ್ನು ಕೂಡಾ ಅರಿಯ ಬಹುದು. ಈ ಯಂತ್ರದ ಪ್ರಯೋಜನವು ವಿಶೇಷವೆಂಬದಕ್ಕೆ ಸಂಶಯವಿಲ್ಲ. ಅದು ಸಮಯದ ಮೌಲ್ಯವನ್ನು ಸಹ ನಮಗೆ ತಿಳಿಸುತ್ತದೆ: ಕಳದು ಹೋದ ಸಮಯವು ಎಂದೂ ತಿರಿಗಿ ಬಾರದೆಂದೂ, ಇತರ ವಸ್ತುಗಳ ಚಲನೆಯನ್ನು ಒಂದು ವೇಳೆ ನಿಲ್ಲಿಸ ಬಹುದು, ಆದರೆ ಕಾಲಗಮನವನ್ನು ಯಾರಿಂದಲೂ ಲವ ಮಾತ್ರಕ್ಕಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸ ಕೂಡದೆಂದೂ, ನಾವು ಕಳೆಯುವ ಪ್ರತಿ ನಿಮಿಷವನ್ನು ನಮ್ಮ ಆಯುಷ್ಯದಿಂದ ಕಮ್ಮಿ ಮಾಡುತ್ತೇವೆ ಎಂದೂ, ಅದು ನಮಗೆ ಗೋಚರಿಸುತ್ತದೆ, ಅದನ್ನು ವ್ಯರ್ಥ ಮಾಡದಂತೆ ಎಚ್ಚರಿಸುತ್ತದೆ. ಆದದರಿಂದ ಇಷ್ಟು ಅಮೂಲ್ಯವಾದ ಈ ಸಮಯವನ್ನು ಪಾಪದಲ್ಲಾಗಲೀ ಅದಕ್ಕೆ ದಾರಿಯಾದ ಸೋಮಾರಿತನದಿಂದಾಗಲೀ ವ್ರಯ ಮಾಡದೆ, ಅದನ್ನು ಕೊಟ್ಟ ದೇವರ ಮುಂದೆ ನ್ಯಾಯತೀರ್ವಿಕೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೇ ಲೆಖ್ಖವನ್ನು ಕೊಡುವ ಹಾಗೆ, ನಮ್ಮ ಬುದ್ಧಿವೃದ್ಧಿಗೂ ನೆರೆಯವನ ಉಪಕಾರಕ್ಕೂ ದೇವರ ಪಾರಮಾರ್ಥಿಕ ಸೇವೆಗೂ ಮಹಿಮೆಗೂ ವೆಚ್ಚ ಮಾಡಿದರೆ, ಎಷ್ಟೋ ಸಫಲವಾಗುವದು.

# ಠಸ್ಸೆತೀರ್ವೆ.

ಹುಂಡಿ ಮತ್ತು ಬಿಲ್ ಒಫ್ ಎಕ್ಸ್ಚೇಂಜ್‌ಗಳು (on demand) ಕೇಳಿದಾಗಲೇ ಹಣ ಪಾವತಿ ಮಾಡ ಬೇಕಾಗಿ ಬರೆದಿರುವ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ ೨೦ ರೂಪಾಯಿಯೊ ಕೆಳಗೆ ಮಾಫು, ಅಂದರೆ ಸ್ಟಾಂಪ ಹಚ್ಚ ಬೇಕೆಂಬ ಅವಶ್ಯವಿಲ್ಲ. ೨೦ ರೂಪಾಯಿಯೊ ಮೇಲೆ ಆದರೆ ೧ ಆಣೆ ಬಾಬತು ಮುದ್ರೆಯುಳ್ಳ ಠಸ್ಸೆಗಳಾಗಿರ ಬೇಕು.

ಆದರೆ ಒಂದು ವರ್ಷಕ್ಕೆ ಮೀರದೆ ಇರುವಂಥ ವಾಯಿದೆ ಕಾಣಿಸುವಂಥ ಹುಂಡಿಗಳಿಗೆ ಕೆಳಗೆ ಬರೆದಿರುವ ಪ್ರಕಾರವಾಗಿ ಸ್ಟಾಂಪ್ಸ್ ಹಚ್ಚ ಬೇಕು.

| | | | | | ರೂ. | ಆ. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ೧೦೦ ರೂಪಾಯಿಗೆ ಮೀರದಿದ್ದರೆ | | | ೦ | ೧ |
| ೧೦೦ ಕ್ಕೆ ಮೀರಿ | | ೨೫೦ | ,, | ,, | ೦ | ೩ |
| ೨೫೦ | ,, | ೫೦೦ | ,, | ,, | ೦ | ೬ |
| ೫೦೦ | ,, | ೧೦೦೦ | ,, | ,, | ೦ | ೧೨ |
| ೧೦೦೦ | ,, | ೨೫೦೦ | ,, | ,, | ೧ | ೮ |
| ೨೫೦೦ | ,, | ೫೦೦೦ | ,, | ,, | ೩ | ೦ |
| ೫೦೦೦ | ,, | ೧೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೬ | ೦ |
| ೧೦೦೦೦ | ,, | ೨೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೧೨ | ೦ |
| ೨೦೦೦೦ | ,, | ೩೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೧೮ | ೦ |
| ೩೦೦೦೦ಕ್ಕೆ ಮೀರಿ ಇರುವ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ | | | | | ೨೪ | ೦ |

ಅದವು ಮುಂತಾದ ಪತ್ರಗಳ ಠಸ್ಸೆಕಾಗದಗಳ ವಿಷಯ ಕೆಳಗೆ ಕಾಣಿಸಿ ಅದೆ:

| | | | | | ರೂ. | ಆ. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ೫೦ ರೂಪಾಯಿಗೆ ಮೀರದಿದ್ದರೆ | | | ೦ | ೪ |
| ೫೦ ರೂಪಾಯಿಗೆ ಮೀರಿ | | ೧೦೦ | ,, | ,, | ೦ | ೮ |
| ೧೦೦ | ,, | ೨೦೦ | ,, | ,, | ೧ | ೦ |
| ೨೦೦ | ,, | ೩೦೦ | ,, | ,, | ೨ | ೦ |
| ೩೦೦ | ,, | ೫೦೦ | ,, | ,, | ೪ | ೦ |
| ೫೦೦ | ,, | ೭೦೦ | ,, | ,, | ೫ | ೦ |
| ೭೦೦ | ,, | ೧೦೦೦ | ,, | ,, | ೬ | ೦ |
| ೧೦೦೦ | ,, | ೨೦೦೦ | ,, | ,, | ೧೦ | ೦ |
| ೨೦೦೦ | ,, | ೩೦೦೦ | ,, | ,, | ೧೫ | ೦ |
| ೩೦೦೦ | ,, | ೫೦೦೦ | ,, | ,, | ೨೫ | ೦ |
| ೫೦೦೦ | ,, | ೧೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೩೫ | ೦ |
| ೧೦೦೦೦ | ,, | ೨೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೬೦ | ೦ |
| ೨೦೦೦೦ | ,, | ೪೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೧೦೦ | ೦ |
| ೪೦೦೦೦ | ,, | ೬೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೧೨೫ | ೦ |
| ೬೦೦೦೦ | ,, | ೮೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೧೫೦ | ೦ |
| ೮೦೦೦೦ | ,, | ೧೦೦೦೦೦ | ,, | ,, | ೨೦೦ | ೦ |

ಮತ್ತು ಮುಂದಕ್ಕೆ ಒಂದೊಂದು ಲಕ್ಷದ ಅಂಶಕ್ಕಾಗಿ ೧೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಹೆಚ್ಚು, ಒಂದೊಂದು ಲಕ್ಷಕ್ಕಾಗಿ ೨೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಹೆಚ್ಚು ಇತ್ಯಾದಿ.

ಕ್ರಯಚೀಟುಗಳು. ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಮೌಲ್ಯದ ಹಣ, ಅಥವಾ ಕೊಟ್ಟ ಹಣ

ರೂ. ಸ್ಟೆಂಪ್ಸ್ ಬೇಕು.

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ೧೦೦ರೂಪಾಯಿಗೆ ಮೀರದಿದ್ದರೆ | | | ೧ | „ | „ |
| ೧೦೦ ರೂಪಾಯಿಗೆ ಮೀರಿ | | | ೨೦೦ | „ | „ | ೨ | „ | „ |
| ೨೦೦ | „ | „ | ೪೦೦ | „ | „ | ೪ | „ | „ |
| ೪೦೦ | „ | „ | ೮೦೦ | „ | „ | ೮ | „ | „ |
| ೮೦೦ | „ | „ | ೧೨೦೦ | „ | „ | ೧೨ | „ | „ |
| ೧೨೦೦ | „ | „ | ೨೦೦೦ | „ | „ | ೨೦ | „ | „ |
| ೨೦೦೦ | „ | „ | ೩೦೦೦ | „ | „ | ೩೦ | „ | „ |
| ೩೦೦೦ | „ | „ | ೪೦೦೦ | „ | „ | ೪೦ | „ | „ |
| ೪೦೦೦ | „ | „ | ೫೦೦೦ | „ | „ | ೫೦ | „ | „ |
| ೫೦೦೦ | „ | „ | ೭೫೦೦ | „ | „ | ೭೫ | „ | „ |
| ೭೫೦೦ | „ | „ | ೧೦೦೦೦ | „ | „ | ೧೦೦ | „ | „ |
| ೧೦೦೦೦ | „ | „ | ೨೦೦೦೦ | „ | „ | ೧೫೦ | „ | „ |
| ೨೦೦೦೦ | „ | „ | ೪೦೦೦೦ | „ | „ | ೨೦೦ | „ | „ |
| ೪೦೦೦೦ | „ | „ | ೬೦೦೦೦ | „ | „ | ೩೦೦ | „ | „ |
| ೬೦೦೦೦ | „ | „ | ೮೦೦೦೦ | „ | „ | ೪೦೦ | „ | „ |
| ೮೦೦೦೦ | „ | „ | ೧೦೦೦೦೦ | „ | „ | ೫೦೦ | „ | „ |

ಮತ್ತು ಮುಂದಕ್ಕೆ ಐವತ್ತೈವತ್ತು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಾಗಿ ೨೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಹೆಚ್ಚು. ೫೦೦೦೦ ರೂಪಾಯಿಯ ಒಂದೊಂದು ಅಂಶಕ್ಕಾಗಿ ೧೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸ್ಟೆಂಪ್ಸ್ ಬೇಕು. ಬಿಲ್ ಒಫ್ ಲೇಡಿಂಗ್ ಎಂಬ ಪತೆವಾರಿ ಮತ್ತು ಹಡಗುಗಳಿಗೆ ಸಾಮಾನು ಹತ್ತಿಸಿ, ತಂಡೇಲನಿಂದ ತೆಗದು ಕೊಂಡ ರಸೀದಿಯಾದರೆ, ಒಂದೊಂದಕ್ಕೆ ೪ ಆಣೇ ಸ್ಟೆಂಪ್ ಹಚ್ಚ ಬೇಕು.

ಮುಬಾದಲೆ ತೆಗದು ಕೊಂಡು ವ್ಯಾಪಾರದ ಜೀನಸುಗಳನ್ನು ಸಾಗುವಳಿ ಮಾಡಲಿಕ್ಕೆ ಆಗಲಿ, ಉತ್ಪತ್ತಿ ಮಾಡಲಿಕ್ಕೆ ಆಗಲಿ, ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಕೊಡಲಿಕ್ಕೆ ಆಗಲಿ, ಸಂಪಾದಿಸಿ ಕೊಡಲಿಕ್ಕೆ ಆಗಲಿ ಮಾಡುವ ಕರಾರುಗಳು ಆ ಮುಬಾದಲೆ ಕೊಟ್ಟ ಹಣಕ್ಕೆ ಅನುಸಾರವಾಗಿ ಮೇಲೆ ಅಡವು ಮುಂತಾದ ಪತ್ರಗಳ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ತೋರಿಸಿದ ರೀತಿಯಾಗಿ ಠಸ್ಸೆಕಾಗದದಲ್ಲಿ ಬರಿಯಬೇಕು.

ಜುರುಮಾನೆ ಆಗಲಿ ಇನಾಮು ಆಗಲಿ ಇಲ್ಲದೆ, ಬರೆ ಬಾಡಿಗೆಯ ವಿಷಯವಾದ ಭೂಮಿ ಮನೆ ಸ್ಥಿರಾಸ್ತಿಗಳ ಗೇಣಿಚೀಟುಗಳಿಗೆ ಠಸ್ಸೆ ಹಚ್ಚುವ ಕ್ರಮ ಯಾವದಂದರೆ:

| ೧ ವರುಷದ ಬಾಡಿಗೆ | | | ೧ ವರುಷದೊಳಗಿನ ಗೇಣಿಚೀಟಿಗೆ | | ೧ ವರುಷದ ಮೇಲಿನ ಗೇಣಿಚೀಟಿಗೆ | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ರೂ. | | ರೂ. | ರೂ. | ಆ. | ರೂ. | ಆ. |
| | | ೨೫ಕ್ಕೆ ಮೀರದಿದ್ದರೆ | ೦ | ೪ | ೦ | ೮ |
| ೨೫ಕ್ಕೆ ಮೀರಿ | | ೫೦ ,, | ೦ | ೮ | ೦ | ೧೨ |
| ೫೦ | ,, | ೧೦೦ ,, | ೦ | ೧೨ | ೧ | ೦ |
| ೧೦೦ | ,, | ೨೫೦ ,, | ೧ | ೦ | ೨ | ೦ |
| ೨೫೦ | ,, | ೫೦೦ ,, | ೨ | ೦ | ೪ | ೦ |
| ೫೦೦ | ,, | ೧೦೦೦ ,, | ೪ | ೦ | ೮ | ೦ |
| ೧೦೦೦ | ,, | ೨೦೦೦ ,, | ೮ | ೦ | ೧೬ | ೦ |
| ೨೦೦೦ | ,, | ೪೦೦೦ ,, | ೧೬ | ೦ | ೩೨ | ೦ |
| ೪೦೦೦ | ,, | ೬೦೦೦ ,, | ೨೪ | ೦ | ೪೮ | ೦ |
| ೬೦೦೦ | ,, | ೧೦೦೦೦ ,, | ೪೦ | ೦ | ೮೦ | ೦ |
| ೧೦೦೦೦ | ,, | ೨೫೦೦೦ ,, | ೧೦೦ | ೦ | ೨೦೦ | ೦ |
| ೨೫೦೦೦ | ,, | ೫೦೦೦೦ ,, | ೨೦೦ | ೦ | ೪೦೦ | ೦ |

ಮತ್ತು ಮುಂದಕ್ಕೆ ಇಪ್ಪತ್ತಿಪ್ಪತ್ತು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಾಗಿ ಅಥವಾ ಅಂಶಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ವರುಷದ ಗೇಣಿಚೀಟಾದರೆ ೧೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಹೆಚ್ಚು, ಒಂದು ವರುಷದ ಮೇಲಿನ ಗೇಣಿಚೀಟಾದರೆ ೨೦೦ ರೂಪಾಯಿ ಹೆಚ್ಚು. ಆದರೆ ಭೂಮಿಯ ಧನಿಯೂ ಒಕ್ಕಲೂ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಮಾಡಿ ಕೊಂಡ ಗೇಣಿಚೀಟು ಎದ್ರುವಳ್ಳಿ ಮುಂತಾದ ಕರಾರುಗಳು ಸರಕಾರದ ಶೀರ್ವೆ ಕೊಡುವ ಭೂಮಿಯ ವಿಷಯವಾದರೆ ತಸ್ಸೆ ಅವಶ್ಯವಿಲ್ಲ; ಆದ್ದರಿಂದ ಇಲ್ಲಿ ಮಾಮೂಲಾಗಿ ನಡಿಯುವಂಥ ಗೇಣಿಚೀಟುಗಳಿಗೆ ತಸ್ಸೆಕಾಗದ ಬೇಡ. ಈ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಭೂಮಿ ಅನುಭವಿಸುವ ಮತ್ತು ಸಾಗುವಳಿ ಮಾಡುವ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಯ ಅಗತ್ಯವಾದದ್ದು ಇದೇ.

## ಹಣ ತೂಕ ಅಳತೆಗಳ ಕೋಷ್ಟಕ.

# ೧. ಹಣಪಟ್ಟಿ.

### ೧. ಮುಂಚೆ ರೂಢಿ ಇದ್ದ ಎಣಿಕೆ.

೨ ಕಾಣಿ. ೧ ಅರವೀಸ.
೪ ,, ೨ ,, ೧ ವೀಸ.
೮ ,, ೪ ,, ೨ ,, ೧ ಬೇಳೆ.
೧೬ ,, ೮ ,, ೪ ,, ೨ ,, ೧ ಹಾಗ.
೩೨ ,, ೧೬ ,, ೮ ,, ೪ ,, ೨ ,, ೧ ಅಡ್ಡ.
೬೪ ,, ೩೨ ,, ೧೬ ,, ೮ ,, ೪ ,, ೨ ,, ೧ ಹಣ.
೩೨೦ ,, ೧೬೦ ,, ೮೦ ,, ೪೦ ,, ೨೦ ,, ೧೦ ,, ೫ ,, ೧ ಹೊನ್ನು.
೬೪೦ ,, ೩೨೦ ,, ೧೬೦ ,, ೮೦ ,, ೪೦ ,, ೨೦ ,, ೧೦ ,, ೨ ,, ೧ ವರಹ.

### ೨. ಮುಂಚೆ ನಡದ ಹಣ.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ಕಾಸು. | | | | | | |
| ೨ | ೧ ರುಪ್ಪಿ. | | | | | |
| ೪ | ೨ „ | ೧ ದುಗ್ಗಾಣಿ. | | | | |
| ೮ | ೪ „ | ೨ „ | ೧ ದುಡ್ಡು. | | | |
| ೧೦೦ | ೫೦ „ | ೨೫ „ | ೧೨½ „ | ೧ ಪಾವಲಿ. | | |
| ೪೦೦ | ೨೦೦ „ | ೧೦೦ „ | ೫೦ „ | ೪ „ | ೧ ರೂಪಾಯಿ. | |
| ೧೬೦೦ | ೮೦೦ „ | ೪೦೦ „ | ೨೦೦ „ | ೧೬ „ | ೪ „ | ೧ ವರಹ |

### ೩. ಈಗ ನಡೆಯುವ ಹಣ.

| | | |
|---|---|---|
| ಪೈ. | | |
| ೧೨ | ೧ ಆಣೆ. | |
| ೧೯೨ | ೧೬ „ | ೧ ರೂಪಾಯಿ. |

### ೪. ಇಂಗ್ಲಿಷ್ ಹಣ.

| | | | |
|---|---|---|---|
| ಫಾರ್ದಿಂಗ್. (f.) | | | |
| ೪ | ೧ ಪೆನ್ನಿ. (d.) | | |
| ೪೮ | ೧೨ „ | ೧ ಶಿಲ್ಲಿಂಗ್. (s.) | |
| ೯೬೦ | ೨೪೦ „ | ೨೦ „ | ೧ ಪೌಂಡ್. (£) |

## ೨. ತೂಕಗಳು.

### ೧. ಚಿನ್ನ ಬೆಳ್ಳಿಗಳ ತೂಕ.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ವೀಸ. | | | | |
| ೪ | ೧ ಹಾಗ. | | | |
| ೮ | ೨ „ | ೧ ಅಡ್ಡ. | | |
| ೧೬ | ೪ „ | ೨ „ | ೧ ಹಣ. | |
| ೧೪೪ | ೩೬ „ | ೧೮ „ | ೯ „ | ೧ ವರಹ. |

೩ ವರಹ ೩ ಹಣತೂಕ ಅಂದರೆ—೧ ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ; ಆದರೆ ಬಹಳ ತೂಕವುಳ್ಳದ್ದನ್ನು ಒಂದೇ ಸಾರಿ ಕೊಂಡು ಕೊಳ್ಳುವದರಲ್ಲಿಯೂ ಮಾರುವದರಲ್ಲಿಯೂ ೩ ವರಹ ೩ ಹಣತೂಕ ೩ ಹಾಗ ಅಂದರೆ—೧ ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ ಆಗುವದು.

## ೨. ಮುಂಚಿನ ತೂಕ.

ವರಹ ತೂಕ.

೮೦ ೧ ಸೇರು.
೪೮೦ ೬ ,, ೧ ಪಂಚಸೇರು.
೯೬೦ ೧೨ ,, ೨ ,, ೧ ಧಡೆ.
೩೮೪೦ ೪೮ ,, ೮ ,, ೪ ,, ೧ ಮಣ.
೭೬೮೦೦ ೯೬೦ ,, ೧೬೦ ,, ೮೦ ,, ೨೦ ,, ೧ ಖಂಡಿ.

## ೩. ಬೆಲ್ಲದ ತೂಕ.

ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ.

೨೪ ೧ ಸೇರು.
೯೬೦ ೪೦ ,, ೧ ಮಣ.
೧೯೨೦೦ ೮೦೦ ,, ೨೦ ,, ೧ ಖಂಡಿ.

## ೪. ಸಾಧಾರಣ ತೂಕ.

### ಅ. ಸೇರು ಲೆಖ್ಖ.

ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ.

೨೪ ೧ ಸೇರು.
೧೧೨೦ ೪೬ ೨/೩ ,, ೧ ಮಣ.
೨೨೪೦೦ ೯೩೩ ೧/೩ ,, ೨೦ ,, ೧ ಖಂಡಿ.

### ಇ. ರಾತಲು ಲೆಖ್ಖ.

ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ.

೪೦ ೧ ರಾತಲು.
೧೧೨೦ ೨೮ ,, ೧ ಮಣ.
೨೨೪೦೦ ೫೬೦ ,, ೨೦ ,, ೧ ಖಂಡಿ.

## ೫. ಅಂಗ್ಲ ತೂಕ.

ಅಂಗ್ಲ ದೇಶದಲ್ಲಿ ನಡಿಯುವಂಥಾ ಭಾರವಾದ ಜೀನಸುಗಳ ತೂಕ.

ದ್ರಮ್.

೧೬ ೧ ಔನ್ಸ್.
೨೫೬ ೧೬ ,, ೧ lb. ಪೌಂಡ್ (ಅಂದರೆ ರಾತಲು).
೭೧೬೮ ೪೪೮ ,, ೨೮ ,, ೧ qr. ಕ್ವಾರ್ತೆರ್ (ಅಂದರೆ ಮಣ).
೨೮೬೭೨ ೧೭೯೨ ,, ೧೧೨ ,, ೪ ,, ೧ cwt. ಹಂಡ್ರೆಡ್‌ವೇಟ್.
೫೭೩೪೪೦ ೩೫೮೪೦ ,, ೨೨೪೦ ,, ೮೦ ,, ೨೦ ,, ೧ ಟನ್.

೧೪ ಪೌಂಡುಗಳಿಗೆ ಒಂದು "ಕಲ್ಲು" ಎಂತ ಹೇಳುವದುಂಟು. ಹಿಂದುಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ೧ ರಾತಲು ೪೦ ರೂಪಾಯಿ ತೂಕವಾಗಿ ವಿಭಾಗಿಸುತ್ತಾರೆ, ಮತ್ತು ೨೦ ಮಣ ೧ ಖಂಡಿ ಆಗುತ್ತದೆ.

೧ ಪೌಂಡ್ ಭಾರವಾದ ಜೀನಸುಗಳ ತೂಕ = ೭೦೦೦ ಗ್ರೇನ್.

ಔಷಧಕ್ಕೆ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ಗ್ರೇನ್. | | | | |
| ೨೦ | ೧ ಸ್ಕ್ರುಪೆಲ್. | | | |
| ೬೦ | ೩ „ | ೧ ಡ್ರಮ್. | | |
| ೪೮೦ | ೨೪ „ | ೮ „ | ೧ ಔನ್ಸ್. | |
| ೫೭೬೦ | ೨೮೮ „ | ೯೬ „ | ೧೨ „ | ೧ ಪೌಂಡ್. |

# ೩. ಅಳತೆಗಳು.

## ೧. ಅಕ್ಕೀ ಅಳತೆ.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ. | | | | |
| ೮೦ | ೧ ಸೇರು. | | | |
| ೧೧೨೦ | ೧೪ „ | ೧ ಕಳಸೆ. | | |
| ೩೩೬೦ | ೪೨ „ | ೩ „ | ೧ ಮುಡಿ. | |
| ೧೪೧೧೨೦ | ೧೭೬೪ „ | ೧೨೬ „ | ೪೨ „ | ೧ ಕೋರ್ಜಿ. |

## ೨. ಕುಮಟೆಯ ಧಾನ್ಯ ಅಳತೆ.

| | | | |
|---|---|---|---|
| ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ. | | | |
| ೨೪ | ೧ ಸೇರು. | | |
| ೧೧೫೨ | ೪೮ „ | ೧ ಮಣ. | |
| ೨೩೦೪೦ | ೯೬೦ „ | ೨೦ „ | ೧ ಖಂಡಿ. |

## ೩. ತೆಳು ಜೀನಸಿನ ಅಳತೆ.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ. | | | | | | |
| ೧೨ | ೧ ಕುಡುತೆ. | | | | | |
| ೨೪ | ೨ „ | ೧ ಸೇರು. | | | | |
| ೧೧೨ | ೯ ೧/೩ „ | ೪ ೨/೩ „ | ೧ ಕುತ್ತಿ. | | | |
| ೪೪೮ | ೩೭ ೧/೩ „ | ೧೮ ೨/೩ „ | ೪ „ | ೧ ಕಾಲಾಡ. | | |
| ೧೧೨೦ | ೯೩ ೧/೩ „ | ೪೬ ೨/೩ „ | ೧೦ „ | ೨ ೧/೨ „ | ೧ ಮಣ. | |
| ೧೧೨೦೦ | ೯೩೩ ೧/೩ „ | ೪೬೬ ೨/೩ „ | ೧೦೦ „ | ೨೫ „ | ೧೦ „ | ೧ ಖಂಡಿ. |

## ೪. ಉಪ್ಪಿನ ಅಳತೆ.

### ಮುಂಚೆ ಮಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆದಂಥಾದ್ದು.

ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ.

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ೧೫ | ೧ ಅಳಕ. | | | | | | | |
| ೧೨೦ | ೮ | ,, | ೧ ಪಡಿ. | | | | | |
| ೯೬೦ | ೬೪ | ,, | ೮ | ,, | ೧ ಮುರಕಾಲು. | | | |
| ೩೮೪೦೦೦ | ೨೫೬೦೦ | ,, | ೩೨೦೦ | ,, | ೪೦೦ | ” | ೧ ಗಾರಸು. | |

### ಈಗ ನಡೆಯುವಂಥಾ ಮುಂಬಾಯಿ ಅಳತೆ.

ರೂಪಾಯಿ ತೂಕ.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ೮೦ | ೧ ಸೇರು. | | | | |
| ೩೨೦೦ | ೪೦ | ,, | ೧ ಮಣ. | | |
| ೩೮೪೦೦೦ | ೪೮೦೦ | ,, | ೧೨೦ | ,, | ೧ ಗಾರಸು. |

ಸರಕಾರ ಕೋಠಿಗಳಲ್ಲಿ ಉಪ್ಪು ಮಾರುವ ರೀತಿ ಇದೇ. ಆದರೆ ಅಂಗಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಉಪ್ಪನ್ನು ಸೇರಿನ ಪ್ರಕಾರ ಮಾರುತ್ತಾರೆ.

## ೫. ಮರಗಳ ಅಳತೆ.

ವೀಸ.

| | | | |
|---|---|---|---|
| ೧೬ | ೧ ಅಂಗುಲಿ. | | |
| ೩೮೪ | ೨೪ | ,, | ೧ ಗಜ ಯಾನೆ ಕೋಲು. |

ಕಟ್ಟಿಗೆಯ ಖಂಡಿ ಅಂದರೆ—೨೪ ಕೋಲು ಉದ್ದವೂ, ೧೨ ಅಂಗುಲ ಅಗಲವೂ, ೧ ಅಂಗುಲ ದಪ್ಪವೂ ಆಗಿರುವಂಥಾದ್ದು. ಆದರೆ ಬೇರೆ ಶೀಮೆಗಳಲ್ಲಿ ಖಂಡಿ ಎರಡಷ್ಟು ದೊಡ್ಡದಾಗಿ, ಉದ್ದದಲ್ಲಿಯೂ ಅಗಲದಲ್ಲಿಯೂ ದಪ್ಪದಲ್ಲಿಯೂ ಒಂದು ಕೋಲಿನ ಪ್ರಮಾಣವುಳ್ಳದ್ದಾಗಿದೆ.

### ಮುಂಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ನಡಿಯುವಂಥಾದ್ದು.

ಕಡೆದ ಮರಗಳನ್ನು ಕೋಡಿಯ ಪ್ರಕಾರ ಮಾರುವ ಪದ್ಧತಿ ಉಂಟು.

ಒಂದು ಕೋಡಿ ಅಂದರೆ — ೨೪೦ ಗಜ ಉದ್ದವೂ, ೧೨ ಅಂಗುಲ ಅಗಲವೂ, ೨ ಅಂಗುಲ ದಪ್ಪವೂ ಇರುವಂಥಾದ್ದು.

ಗರಗಸದವರಿಗೆ ೨೪೦ ಗಜ ಉದ್ದವೂ ೧೨ ಅಂಗುಲ ಅಗಲವೂ ಆಗಿರುವ ಕೋಡಿಯ ಪ್ರಕಾರ ಕೂಲಿ ಸಲ್ಲುತ್ತದೆ.

## ೬. ಉದ್ದದ ಅಳತೆ.

ಇಂಚ್‌ಗಳು. (″)

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ೧೨ | ೧ ಫೂಟ್. (′) | | | | | | | | | | |
| ೩೬ | ೩ | ,, | ೧ ಯಾರ್ಡ್. | | | | | | | | |
| ೭೨ | ೬ | ,, | ೨ | ,, | ೧ ಫದಮ್. | | | | | | |
| ೧೯೮ | ೧೬ ೧/೨ | ,, | ೫ ೧/೨ | ,, | ೨ ೩/೪ | ,, | ೧ ಪೋಲ್. | | | | |
| ೭೯೨೦ | ೬೬೦ | ,, | ೨೨೦ | ,, | ೧೧೦ | ,, | ೪೦ | ,, | ೧ ಫರ್ಲೊಂಗ್. | | |
| ೬೩೩೬೦ | ೫೨೮೦ | ,, | ೧೭೬೦ | ,, | ೮೮೦ | ,, | ೩೨೦ | ,, | ೮ | ,, | ೧ ಮೈಲ್. |

## ೭. ಚಚ್ಚೌಕಳತೆ.

ಇಂಚ್‌ಗಳು.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ೧೪೪ | ೧ ಫೂಟ್. | | | | |
| ೧೨೯೬ | ೯ ,, | ೧ ಗಜ. | | | |
| ೯೮೦೧ | ೬೮ 1/16 ,, | ೭ 9/16 ,, | ೧ ಆಣೆ. | | |
| ೧೫೬೮೧೬ | ೧೦೮೯ ,, | ೧೨೧ ,, | ೧೬ ,, | ೧ ಗುಂಟೆ. | |
| ೬೨೭೨೬೪೦ | ೪೩೫೬೦ ,, | ೪೮೪೦ ,, | ೬೪೦ ,, | ೪೦ ,, | ೧ ಎಕ್ಕರೆ. |

೬೪೦ ಎಕ್ಕರೆಗಳು ಅಂದರೆ — ೧ ಚಚ್ಚೌಕ ಮೈಲ್.

## ೮. ಚಕ್ರದ ಅಳತೆ.

ಸೆಕೊಂಡ.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ೬೦ | ೧ ಮಿನಿಟ. | | | |
| ೩೬೦೦ | ೬೦ ,, | ೧ ಡಿಗ್ರೀ. | | |
| ೩೨೪೦೦೦ | ೫೪೦೦ ,, | ೯೦ ,, | ೧ ಕ್ವಾಡ್ರಂಟ್. | |
| ೧೨೯೬೦೦೦ | ೨೧೬೦೦ ,, | ೩೬೦ ,, | ೪ ,, | ೧ ಮಂಡಲ. |

## ೯. ಕಾಲಪ್ರಮಾಣ.

### ೧. ಹಿಂದು ರೀತಿ.

೧ ವರುಷಕ್ಕೆ = ೧೨ ತಿಂಗಳು.
೧ ತಿಂಗಳಿಗೆ = ೩೦ ದಿವಸ.
೧ ದಿವಸಕ್ಕೆ = ೮ ಝಾಮು.
೧ ಝಾಮಕ್ಕೆ = ೭½ ಘಳಿಗೆ.
೧ ಘಳಿಗೆಗೆ = ೬೦ ವಿಘಳಿಗೆ.

### ೨. ಇಂಗ್ಲಿಷ್ ರೀತಿ.

೧ ವರುಷಕ್ಕೆ = ೧೨ ತಿಂಗಳು* = ೫೨ ವಾರ = ೩೬೫ ದಿವಸ.
೧ ದಿವಸಕ್ಕೆ = ೨೪ ತಾಸು.
೧ ತಾಸಿಗೆ = ೬೦ ಮಿನಿಟ.
೧ ಮಿನಿಟಿಗೆ = ೬೦ ಸೆಕೊಂಡ.

* ಕೆಲವು ತಿಂಗಳಿಗೆ ೩೦, ಕೆಲವಕ್ಕೆ ೩೧ ದಿವಸ ಉಂಟು; ೧ ತಿಂಗಳಿಗೆ ೪ ವಾರ ಲೆಖ್ಖಿಸುತ್ತಾರೆ. ೧ವಾರಕ್ಕೆ ೭ ದಿವಸ ಉಂಟು.

# ೧೮೬೯ನೇ ವರುಷದ ಗ್ರಹಣಗಳು.

ಈ ವರ್ಷದಲ್ಲಿ ನಾಲ್ಕು ಗ್ರಹಣಗಳು ಸಂಭವಿಸುತ್ತವೆ, ಎರಡು ಸಣ್ಣ ಚಂದ್ರಗ್ರಹಣಗಳು ಮತ್ತು ಎರಡು ದೊಡ್ಡ ಸೂರ್ಯಗ್ರಹಣಗಳು. ಇವುಗಳೊಳಗೆ ಚಂದ್ರಗ್ರಹಣಗಳು ಮಾತ್ರವೆ ಭರತಖಂಡದಲ್ಲಿ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ, ಮತ್ತು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾದರೂ ತಕ್ಕಷ್ಟು ಮಾತ್ರವೆ. ಹ್ಯಾಗಂದರೆ, ಜನವರಿ ೨೮ರಲ್ಲು ಸಂಭವಿಸುವ ಚಂದ್ರಗ್ರಹಣ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಚಂದ್ರವು ಅರ್ಧ ಗ್ರಹಣ

ವಾಗಿ ಅಸ್ತಮಾನವಾಗುವದರಿಂದ, ಆ ಗ್ರಹಣವು ಅರ್ಧಕ್ಕೆ ಮಾತ್ರ ಕಾಣ ಬರುವದು; ಇದಲ್ಲದೆ ಜುಲೈ ೨೩ರಲ್ಲಿ ಸಂಭವಿಸುವ ಚಂದ್ರಗ್ರಹಣ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಚಂದ್ರವು ಭೂಛಾಯೆಯೊಳಗೆ ಸಾಕಷ್ಟು ಸೇರಿದ ಮೇಲೆ, ಮಂಗಳೂರು ಮಲೆಯಾಳ ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಉದಯವಾಗುವದರಿಂದ, ಈ ಗ್ರಹಣ ಸಹಾ ಅರ್ಧಕ್ಕೆ ಮಾತ್ರವೆ ಕಾಣ ಬರುವದು.

### ೧. ಜನವರಿ ೨೮ನೆಯ ಅರ್ಧ ಚಂದ್ರಗ್ರಹಣ.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ಅರ್ಧ ಛಾಯೆಯೊಳಗೆ ಪ್ರವೇಶ: | ಪ್ರಾತಃಕಾಲ | ೪ | ಘಂಟೆ | ೧೭ | ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| ಗೋಳ ಛಾಯೆಯೊಳಗೆ ,, | ,, | ೫ | ,, | ೨೮ | ,, |
| ಗ್ರಹಣಮಧ್ಯ ,, | ,, | ೬ | ,, | ೩೭ | ,, |
| ಗೋಳಛಾಯೆಯಿಂದ ವಿಯೋಗ: ,, | ,, | ೭ | ,, | ೪೬ | ,, |
| ಅರ್ಧ ಛಾಯೆಯಿಂದ ,, | ,, | ೮ | ,, | ೫೭ | ,, |

ಚಂದ್ರದ ವ್ಯಾಸವು ೧ಕ್ಕೆ ಸಮವೆಂದೆಣಿಸಿದರೆ, ಈ ಗ್ರಹಣದ ಪರಿಮಾಣವು = ೦. ೪೫೦, ಇದು ೫ ೧/೨ ಅಂಗುಲದಷ್ಟು ಕಾಣುತ್ತದೆ; ಆದರೂ ಚಂದ್ರಮಂಡಲದಲ್ಲಿ ಹತ್ರವಾಗಿ ಅರ್ಧದಷ್ಟು ಕತ್ತಲೆಯಾಗುತ್ತದೆ.

ಮಂಗಳೂರು ಮಲೆಯಾಳ ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಈ ಚಂದ್ರಗ್ರಹಣದ ಆರಂಭ ಮಾತ್ರವೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗುತ್ತದೆ; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ, ಗ್ರಹಣವು ಸುಮಾರು ಮಧ್ಯ ಮುಟ್ಟುತ್ತಲೆ, ಚಂದ್ರವು ಅರ್ಧ ಕತ್ತಲೆಯಾಗಿ ಪಶ್ಚಿಮದಲ್ಲಿ ಅಸ್ತಮಾನವಾಗುತ್ತದೆ.

ಈ ಗ್ರಹಣ ಸಂಭವಿಸಿದ ಹದಿನಾಲ್ಕು ದಿನಗಳ ಮೇಲೆ, ಅಮವಾಸೆ ದಿನ ಚಂದ್ರವು ಭೂಮಿಗೂ ಸೂರ್ಯಕ್ಕೂ ಏಕಸೂತ್ರವಾಗಿ ಮಧ್ಯಕ್ಕೆ ಬರುತ್ತದೆ. ಈ ಹದಿನಾಲ್ಕು ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಚಂದ್ರವು ಸಂಧಿಯ ಕಡೆಗೆ ಪ್ರವರ್ತಿಸುತ್ತಿರಲಾಗಿ, ಅಮವಾಸೆ ದಿನ ಸಂಧಿಗೆ ಬಹಳ ಹತ್ತರ ಬರುವ ಕಾರಣ, ಸೂರ್ಯಕ್ಕೆ ಮಹಾಗ್ರಹಣವು ಪ್ರಾಪ್ತಿಯಾಗುವದು ಅವಶ್ಯ.

### ೨. ಫೆಬ್ರುವರಿ ೧೧ನೆಯಲ್ಲಿ ಸೂರ್ಯಕ್ಕೆ ಕಂಕಣಗ್ರಹಣ.

| | |
|---|---|
| ಗ್ರಹಣದ ಆರಂಭ: | ಮಧ್ಯಾಹ್ನದ ಮೇಲೆ ೩ ಘಂಟೆ ೫೪ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪಶ್ಚಿಮ ೮೨ ಅಂಶ ೩೪ ಕಲೆ, ಅಕ್ಷದಕ್ಷಿಣ ೩೫ ಅ. ೪೨ ಕ. |
| ಕೇಂದ್ರಗ್ರಹಣದ ಆರಂಭ: | ೫ ಘಂಟೆ ೧೩ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪಶ್ಚಿಮ ೧೦೯ ಅ. ೨೦ ಕ., ಅಕ್ಷದಕ್ಷಿಣ ೫೦ ಅ. ೧೨ ಕ. |
| ಕೇಂದ್ರಗ್ರಹಣದ ಅಂತ್ಯ: | ೮ ಘಂಟೆ ೧೮ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪೂರ್ವ ೪೮ ಅ. ೪ ಕ., ಅಕ್ಷೋತ್ತರ ೨೪ ಅ. ೪೭ ಕ. |
| ಗ್ರಹಣದ ಅಂತ್ಯ: | ೯ ಘಂಟೆ ೩೭ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪೂರ್ವ ೨೪ ಅ. ೧೪ ಕ., ಅಕ್ಷೋತ್ತರ ೯ ಅ. ೫೨ ಕ. |

ಈ ಸೂರ್ಯಗ್ರಹಣವು ದಕ್ಷಿಣ ಅಮೆರಿಕದಲ್ಲಿಯೂ ಅಫ್ರಿಕದ ದಕ್ಷಿಣಭಾಗದಲ್ಲಿಯೂ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ. ಕೇಂದ್ರಗ್ರಹಣದ ಸೂತ್ರವು ಮಹಾಸಾಗರದಲ್ಲಿ ಆರಂಭವಾಗಿ, ಹೊರ್ನ್ ಎಂಬ

ತೀರಪರ್ವತವನ್ನೂ ಕೇಪ್ ಒಫ್ ಗುಡ್ ಹೋಪ್ ಎಂಬ ಒಳ್ಳೆ ಆಶೆಯ ತೀರಪರ್ವತವನ್ನೂ ಮುಟ್ಟಿ, ಮಹಾಸಾಗರದಲ್ಲಿ ಮುಗಿಯುತ್ತದೆ.

### ೩. ಜೂಲೈ ೨೩ನೆಯಲ್ಲಿ ಚಂದ್ರಕ್ಕೆ ಅರ್ಧಗ್ರಹಣ.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ಅರ್ಧಛಾಯೆಯೊಳಗೆ ಪ್ರವೇಶ: | ಮಧ್ಯಾಹ್ನದ | ಮೇಲೆ | ೪ | ಘಂಟೆ | ೧೯ | ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| ಗೋಳಛಾಯೆಯೊಳಗೆ | ,, | ,, | ೫ | ,, | ೩೮ | ,, |
| ಗ್ರಹಣಮಧ್ಯ | ,, ಸಾಯಂಕಾಲ | ,, | ೭ | ,, | ೧ | ,, |
| ಗೋಳಛಾಯೆಯಿಂದ ವಿಯೋಗ: | ,, | ,, | ೮ | ,, | ೩೮ | ,, |
| ಅರ್ಧಛಾಯೆಯಿಂದ | ,, | ,, | ೯ | ,, | ೪೪ | ,, |

ಚಂದ್ರದ ವ್ಯಾಸವು ೧ಕ್ಕೆ ಸಮವೆಂದು ಎಣಿಸಿದರೆ, ಈ ಗ್ರಹಣದ ಪರಿಮಾಣವು = ೦. ೫೫೯, ಇದು ೭ ೩/೪ ಅಂಗುಲದಷ್ಟು ಕಾಣುತ್ತದೆ; ಮತ್ತು ಚಂದ್ರಮಂಡಲದಲ್ಲಿ ಅರ್ಧಕ್ಕೆ ಹೆಚ್ಚು ಕತ್ತಲೆಯಾಗುವದು.

ಮಂಗಳೂರು ಮಲೆಯಾಳ ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಈ ಗ್ರಹಣದ ಆರಂಭವು ಕಾಣದು; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ, ಜೂಲೈ ೨೩ರಲ್ಲಿ ಸಾಯಂಕಾಲ ಚಂದ್ರವು ಘಟ್ಟಗಳ ಕಡೆಯಿಂದ ಏರಿ ಬರುತ್ತಿರುವಾಗ, ಭೂಛಾಯೆಯೊಳಗೆ ಪ್ರವೇಶಿಸಿಯೆ ಬರುವದು.

### ೪. ಅಗೋಸ್ತು ೮ನೆಯಲ್ಲಿ ಸೂರ್ಯಕ್ಕೆ ಪೂರ್ಣಗ್ರಹಣ.

| | |
|---|---|
| ಗ್ರಹಣದ ಆರಂಭ: | ಮಧ್ಯ ರಾತ್ರಿಯ ಮೇಲೆ ೩೭ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪೂರ್ವ ೧೪೦ ಅ., ಅಕ್ಷೋತ್ತರ ೩೭ ಅ. ೫೩ ಕಲೆ. |
| ಕೇಂದ್ರಗ್ರಹಣದ ಆರಂಭ: | ಮಧ್ಯ ರಾತ್ರಿಯ ಮೇಲೆ ೧ ಘಂಟೆ ೪೫ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪೂರ್ವ ೧೧೫ ಅ. ೧೧ ಕ., ಅಕ್ಷೋತ್ತರ ೫೨ ಅ. ೪೨ ಕ. |
| ಕೇಂದ್ರಗ್ರಹಣದ ಅಂತ್ಯ: | ಮಧ್ಯ ರಾತ್ರಿಯ ಮೇಲೆ ೪ ಘಂಟೆ ೧೫ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪಶ್ಚಿಮ ೭೯ ಅ. ೪೪ ಕ., ಅಕ್ಷೋತ್ತರ ೩೧ ಅ. ೨೧ ಕ. |
| ಗ್ರಹಣದ ಅಂತ್ಯ: | ಮಧ್ಯ ರಾತ್ರಿಯ ಮೇಲೆ ೫ ಘಂಟೆ ೧೩ ಮಿನಿಟಿಗೆ. |
| | ರೇಖಾಪಶ್ಚಿಮ ೯೨ ಅ. ೩೧ ಕ., ಅಕ್ಷೋತ್ತರ ೧೪ ಅ. ೫೩ ಕ. |

ಈ ಗ್ರಹಣವು ಚೀನಿ ದೇಶದ ಪೂರ್ವಭಾಗದಲ್ಲಿಯೂ ಉತ್ತರ ಅಮೆರಿಕದಲ್ಲಿಯೂ ಮಾತ್ರವೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ.

---

## ೧೮೭೯ರಲ್ಲಿ ಗ್ರಹಗತಿ.

ಜನವರಿಯಲ್ಲಿ: ಸಾಯಂಕಾಲದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಬೃಹಸ್ಪತಿಯು ಪಶ್ಚಿಮದಲ್ಲಿ ಕಾಣುತ್ತದೆ; ಸಿಂಹರಾಶಿಯಲ್ಲಿ ಮಂಗಳವು ಹಿಂದಕ್ಕೆ ಚರಿಸುತ್ತಾ, ಕತ್ತಲಾದ ಸ್ವಲ್ಪ ಸಮಯದ ಮೇಲೆಯೆ ಉದಯವಾಗುತ್ತದೆ; ಪ್ರಾತಃಕಾಲದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ರವು ವೃಶ್ಚಿಕ ಧನುರಾಶಿಗಳಲ್ಲಿ ಕಾಣುತ್ತದೆ; ಶನಿ ಸಹಾ ವೃಶ್ಚಿಕರಾಶಿಯಲ್ಲಿಯೆ ಇರುತ್ತದೆ.

ಫೆಬ್ರವರಿಯಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಬುಧ ಕುಂಭರಾಶಿಯಲ್ಲಿ, ಬೃಹಸ್ಪತಿ ಮೀನರಾಶಿಯಲ್ಲಿ; ಮಂಗಳ ಸಿಂಹರಾಶಿಯಲ್ಲಿ; ಪ್ರಾತಃಕಾಲ ಶನಿ.

ಮಾರ್ಚಿಯಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಮಂಗಳ ಮತ್ತು ಬೃಹಸ್ಪತಿ; ಪ್ರಾತಃಕಾಲ ಶನಿ.

ಎಪ್ರೀಲಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಮಂಗಳ, ಮಧ್ಯರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಶನಿ.

ಮೇ ತಿಂಗಳಲ್ಲು: ವೃಷಭರಾಶಿಯಲ್ಲಿ ಬುಧ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ, ಸಿಂಹರಾಶಿಯಲ್ಲಿ ಮಂಗಳ, ವೃಶ್ಚಿಕರಾಶಿಯಲ್ಲಿ ಶನಿ ಹಿಂದಕ್ಕೆ ಹೋಗುವದಾಗಿ ೧೦ ಘಂಟೆಗೆ ಉದಯ.

ಜೂನಿನಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಮಂಗಳ ಮತ್ತು ಶನಿ; ಪ್ರಾತಃಕಾಲ ಬೃಹಸ್ಪತಿಯು ಮೇಷರಾಶಿಯಲ್ಲಿ.

ಜೂಲೈಯಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಮಂಗಳ ಮತ್ತು ಶನಿ; ಶುಕ್ರ ಸಹಾ ಸಾಯಂಕಾಲ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ; ಮಧ್ಯರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಬೃಹಸ್ಪತಿ; ಪ್ರಾತಃಕಾಲದಲ್ಲಿ ಬುಧ.

ಅಗೊಸ್ತಿನಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಪಶ್ಚಿಮದಲ್ಲಿ ಬಹಳ ಕೆಳಗೆ ಮಂಗಳ ಮತ್ತು ಬುಧ, ಶನಿ ಸಹಾ ಪಶ್ಚಿಮದಲ್ಲಿ; ಸ್ವಲ್ಪ ಸಮಯದ ಮೇಲೆ ಬೃಹಸ್ಪತಿ ಪೂರ್ವದಲ್ಲಿ.

ಸಪ್ತಂಬರ ಒಕ್ತೋಬರ ತಿಂಗಳುಗಳಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಪಶ್ಚಿಮದಲ್ಲಿ ಶನಿ, ಪೂರ್ವದಲ್ಲಿ ಬೃಹಸ್ಪತಿ; ಸೂರ್ಯ ಅಸ್ತಮಾನ ಆದ ಮೇಲೆ ಸ್ವಲ್ಪ ಹೊತ್ತು ಮಾತ್ರವೆ ಶುಕ್ರ ಕಾಣುತ್ತದೆ.

ನವಂಬರದಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಬೃಹಸ್ಪತಿ ಮತ್ತು ಶುಕ್ರ; ಶುಕ್ರವು ದಿನ ಹೋಗುತ್ತಾ ಅಧಿಕ ಪ್ರಕಾಶಮಾನವಾಗುತ್ತದೆ; ಪ್ರಾತಃಕಾಲದಲ್ಲಿ ಬುಧ.

ದಶಂಬರದಲ್ಲು: ಸಾಯಂಕಾಲ ಬೃಹಸ್ಪತಿ ಮತ್ತು ಶುಕ್ರ; ಉರಣ ಎಂಬ ಹಿಂದೂ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಯದೆ ಇದ್ದ ಹೊಸ ಗ್ರಹವು ಜನವರಿಯಲ್ಲು ಸೂರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಭಿಮುಖವಾಗಿ ಮಿಥುನರಾಶಿಯಲ್ಲಿ ನಿಲ್ಲುತ್ತದೆ.

## ಮಂಗಳಕ್ಕೂ ಬೃಹಸ್ಪತಿಗೂ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿರುವ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳು.

ಉರಣ ಎಂಬ ಹೊಸ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡು ಕೊಳ್ಳುವ ಮುಂಚೆಯೆ, ವಿದ್ವಾಂಸರು ಮಂಗಳಕ್ಕೂ ಬೃಹಸ್ಪತಿಗೂ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿರುವಂಥಾ ಸೂರ್ಯನ ಸುತ್ತು ತಿರುಗುವಂಥಾ ಬೇರೊಂದು ಗ್ರಹ ಇರ ಬೇಕೆಂತಲೂ, ಗಾತ್ರದಲ್ಲಿ ಸಣ್ಣದಾಗಿರುವದರಿಂದ ಮಾತ್ರವೆ ಕಾಣದೆ ಹೋಗಿರ ಬೇಕೆಂತಲೂ ನೆನಸಿದರು. ಸೂರ್ಯಕ್ಕೂ ಗ್ರಹಗಳಿಗೂ ಇರುವ ಮಧ್ಯಮ ಲಂಬಾಂತರಗಳ ಲೆಕ್ಕ ನೋಡುವಾಗ್ಯೆ, ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ನಿಯಮ ಇರ ಬೇಕೆಂತ ಭಾವಿಸ ಬೇಕಾಯಿತು. ಹ್ಯಾಗಂದರೆ, ಈ ಲಂಬಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಗಳು ಮಿತ ಪ್ರಕಾರ ಹೆಚ್ಚುತ್ತಾ ಹೋಗುವದರಿಂದ, ಅಕಸ್ಮಾತ್ತಾಗಿ ಹಾಗಿರುವದಿಲ್ಲವೆಂಬದಾಗಿ ಎಣಿಸಿದರು. ಕಸರು ಬಿಟ್ಟರೆ, ಸೂರ್ಯದಿಂದ ಬುಧವು ೮ ಮಿಲ್ಲಿಯ* ಮ್ಯೆಲಿಗೂ, ಶುಕ್ರ ೧೪ ಮಿಲ್ಲಿಯ, ಭೂಮಿ ೨೦ ಮಿಲ್ಲಿಯ, ಮಂಗಳ ೩೧ ಮಿಲ್ಲಿಯ, ಬೃಹಸ್ಪತಿ ೧೦೭ ಮಿಲ್ಲಿಯ, ಶನಿ ೧೯೭ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮ್ಯೆಲಿಗೂ ದೂರವಾಗಿರುತ್ತವೆ ಎಂತಾ ಹೇಳ ಬಹುದು. ನಾವು ಸಂಖ್ಯೆಗಳ ಸಾಲು ಕಲ್ಪಿಸುವಾ:

* ಮಿಲ್ಲಿಯ ಅಂದರೆ ದಶಲಕ್ಷ.

೦, ೬, ೧೨, ೨೪, ೪೮, ೯೬, ೧೯೨.

ಆಗ್ಯೆ ಏನಾಗುತ್ತದೆಂದರೆ: ಮೂರನೆ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಎರಡನೇದರ ದ್ವಿಗುಣ, ನಾಲ್ಕನೇದು ಮೂರನೇದರ ದ್ವಿಗುಣ, ಹೀಗೆ ದ್ವಿಗುಣವಾಗುತ್ತಾ ಹೋಗುತ್ತದೆ. ಮೊದಲನೆ ಸಂಖ್ಯೆಯಾದ ಶೂನ್ಯ ಹಿಡಿದು, ಎಲ್ಲಾ ಸಂಖ್ಯೆಗಳಿಗೂ ಎಂಟೆಂಟು ಕೂಡಿಸಿದರೆ, ನಮಗೆ ಪ್ರಾಪ್ತವಾಗುವ ಸಂಖ್ಯೆಗಳು ಯಾವವಂದರೆ:

೮, ೧೪, ೨೦, ೩೨, ೫೬, ೧೦೪, ೨೦೦.

ಆದರೆ ಈ ಸಂಖ್ಯೆಗಳು, ೫೬ ಮಾತ್ರವೆ ಬಿಟ್ಟು, ಗ್ರಹಗಳ ಮಧ್ಯಮ ಲಂಬಗಳಿಗೆ ತಕ್ಕಷ್ಟು ಸಮ ಬೀಳುತ್ತವೆ. ಸೂರ್ಯನಿಗೆ ೩೯೬ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲಿಗೆ ದೂರವಾಗಿರುವ ಉರಣ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡು ಕೊಂಡಾಗ, ಈ ಸಂಖ್ಯೆಗಳ ಸರಪಣಿಯಲ್ಲಿ ಮತ್ತೊಂದು ಉಂಗುರ ಶಿಕ್ಕಿದ ಹಾಗಾಯಿತು; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ ೧೯೨ನ್ನು ಇಮ್ಮಡಿ ಮಾಡಿ, ಅದಕ್ಕೆ ೮ ಕೂಡಿಸಿದರೆ ೩೯೨ ಆಗುತ್ತದೆ. ಹೀಗಿರಲಾಗಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರು, ಸೂರ್ಯನಿಗೆ ೫೬ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲು ದೂರದಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರವೆ ಗ್ರಹ ಇಲ್ಲದಿರುವದಕ್ಕೆ ಏನು ಕಾರಣವೆಂತಾ ವಿಚಾರಿಸ ತೊಡಗಿದರು. ಕ್ರಿಸ್ತಾಬ್ದ ೧೭೭೨ರಲ್ಲಿಯೆ ಬೆರ್ಲೀನ ನಗರದ ಬೋದೆ ಎಂಬ ವಿದ್ವಾಂಸನು, ಮಂಗಳ ಬೃಹಸ್ಪತಿಗಳ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಶುಮಾರು ೫೬ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲುಗಳ ದೂರದಲ್ಲಿ ಯಾವದಾದರೂ ಒಂದು ಗ್ರಹವು ಪರಿವರ್ತಿಸುತ್ತಾ ಇರ ಬೇಕೆಂಬ ಊಹೆಯನ್ನು ಪ್ರತಿಷ್ಠೆ ಮಾಡಿದ್ದನು. ಆ ಮೇಲೆ ವಿಲ್ಲಿಯಮ್ ಹರ್ಷೆಲನು ಉರಣ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡು ಕೊಂಡಾಗ, ಆ ಊಹೆಗೆ ಅಧಿಕ ಬಲ ಶಿಕ್ಕಿತ್ತು; ಹ್ಯಾಗಂದರೆ ಹೊಸತ್ತಾಗಿ ಕಂಡ ಉರಣ ಗ್ರಹವು ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಸಂಖ್ಯಾಸರಪಣಿಯಲ್ಲಿ ಎಂಟನೆ ಉಂಗುರಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾದ ಲಂಬಕ್ಕೆ ಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಸಮ ಬಿತ್ತು. ಆದರೆ ಈ ಊಹೆಗೆ ಅಧಿಕ ಬಲ ಬಂದಾಗ್ಯೂ, ಸಂಶಯ ಪರಿಹಾರಾರ್ಥವಾಗಿ ೧೮೦೦ನೇ ಸಪ್ಟಂಬರ ೨೧ರಲ್ಲು ಆರು ಮಂದಿ ವಿಲಾಯತಿ ಜ್ಯೋತಿಷರು, ಕಣ್ಣಿಗೆ ಕಾಣದ ಆ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡು ಕೊಳ್ಳುವ ಬಗ್ಯೆ ಒಂದು ಕೂಟವನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಿದರು. ಮತ್ತೇನಾಯಿತಂದರೆ: ೧೮೦೧ನೆ ಜನವರಿ ೧ರಲ್ಲಿ ಆ ಆರು ವಿದ್ವಾಂಸರಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬನಾದ ಇತಲಿ ದೇಶದ ಪಲೆರ್ಮ್ ಪಟ್ಟಣದ ಪಿಯಚ್ಚಿ ಎಂಬವನು ಊಹಿಸಿದ ಪ್ರಕಾರ, ೫೬ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲು ದೂರದಲ್ಲಿ ಚೇರೆಸ್ (Ceres) ಎಂಬ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡನು. ಶುಮಾರು ಅಷ್ಟೆ ದೂರದಲ್ಲಿ ಜರ್ಮನಿ ದೇಶದ ಬ್ರೇಮೆನ್ ಪಟ್ಟಣದ ಒಲ್ಬರ್ಸ್ ಎಂಬವನು ೧೮೦೨ನೆ ಮಾರ್ಚ ೨೮ರಲ್ಲು ಪಲ್ಲಸ್ (Pallas) ಎಂಬ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡನು. ಮತ್ತು ಲೀಲಿಯೆನ್‍ಥಾಲದ ಹಾರ್ದಿಜನು ೧೮೦೪ನೆ ಸಪ್ಟಂಬರ ೧ರಲ್ಲು ಯೂನೊ (Juno) ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡನು. ಪಲ್ಲಸ್ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡ ತರುವಾಯದಲ್ಲಿಯೆ ಒಲ್ಬರ್ಸನು, ಪಲ್ಲಸ್ ಮತ್ತು ಚೇರೆಸ್ ಪೂರ್ವದಲ್ಲಿ ಒಂದೇ ಆಗಿದ್ದ ದೊಡ್ಡ ಗ್ರಹದ ಒಡದು ಹೋದ ಭಾಗಗಳಾಗಿರ ಬೇಕೆಂಬ ಆಲೋಚನೆಯನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸಿ, ಆಕಾಶ ವಿಶಾಲದ ಯಾವಲ್ಲಿ ಬೇರೆ ಭಾಗಗಳು ಇರ ಬೇಕೆಂಬದನ್ನು ಸಹಾ ಸೂಚಿಸಿದನು. ಅಷ್ಟು ಮಾತ್ರವಲ್ಲ, ೧೮೦೭ನೆ ಮಾರ್ಚ ೨೯ರಲ್ಲು ಆತನೆ ವೆಸ್ತಾ (Vesta) ಎಂಬ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡನು. ಅಂದಿನಿಂದ ೧೮೪೫ನೆ ವರ್ಷದ ವರೆಗೆ ಹೆಚ್ಚಿಗೆ ಸಣ್ಣಾ ಗ್ರಹಗಳನ್ನು ಕಾಣಲಿಲ್ಲ. ಆದರೆ ಆ ವರ್ಷದಿಂದ ಪ್ರತಿ ವರ್ಷದಲ್ಲಿಯೂ ಕೆಲವು ಅಂಥಾ ಗ್ರಹವನ್ನು ಕಂಡರು. ೧೮೬೮ನೆ ಇಸವಿಯಲ್ಲಿ ನೂರನೇದು ಕಂಡರು.

## ಈ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಿತಿವಿಶೇಷಗಳು.

ಬೇರೆ ಗ್ರಹಗಳಿಗೂ ಈ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳಿಗೂ ಹೆಚ್ಚು ಕಡಿಮೆ ಯಾವದರಲ್ಲಿ ಇರುತ್ತದಂದರೆ:

೧ನೆ. ಅವುಗಳ ಪರಿಮಾಣ ಬಹಳ ಸಣ್ಣದು. ಅವುಗಳನ್ನು ದೂರದರ್ಶಕ ನಳಿಗೆಗಳಿಂದ ಮಾತ್ರವೆ ನೋಡಲಿಕ್ಕಾಗುತ್ತದೆ; ಆಗ್ಯೆ ಅವು ಅತಿರೇಕ ಸಣ್ಣ ಮಂಡಲಗಳಾಗಿ ತೋರುತ್ತವೆ. ಹೀಗಿರಲಾಗಿ ಅವುಗಳ ವ್ಯಾಸವನ್ನು ನಿಶ್ಚಯಿಸುವದು ಬಹಳ ಕಷ್ಟ; ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಮೇಲ್ಭಾಗದ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಏನಾದರೂ ತಿಳ ಕೊಳ್ಳುವದೂ, ಲಾಂಛನಗಳನ್ನೂ ಬರೆಗಳನ್ನೂ ವಿಚಾರಿಸಿ ಗ್ರಹಿಸುವದೂ ಎಂತೂ ದುರ್ಲಭವೆ.

೨ನೆ. ಅವುಗಳಿಗೂ ಸೂರ್ಯಕ್ಕೂ ಇರುವ ಮಧ್ಯಮ ಲಂಬಗಳಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚು ಕಡಿಮೆ ಬಹಳ ಅಲ್ಪವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಮಿಕ್ಕಾದ ಗ್ರಹಗಳು ಮಹಾ ವಿಸ್ತಾರವಾದ ಅವಕಾಶಗಳಿಂದ ಒಂದಕ್ಕೊಂದು ದೂರವಾಗಿರುತ್ತಿರುವಲ್ಲಿ, ಈ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳ ವೀಧಿಗಳು ಒಂದನ್ನೊಂದು ದಾಟುತ್ತವೆ. ಹೀಗಿರಲಾಗಿ ಈ ಗ್ರಹಗಳು ಪರಸ್ಪರ ಬಹಳ ಹತ್ರ ಬರುತ್ತವೆ.

೩ನೆ. ಭೂವೀಧಿಯ ಕಡೆಗೆ ಬೇರೆ ಗ್ರಹವೀಧಿಗಳಿಗಿಂತ ಈ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳ ವೀಧಿಗಳು ಬಹಳ ಓರೆಯಾಗಿರುತ್ತವೆ. ಹೀಗಿರುವದರಿಂದ ಅವು ಬೇರೆ ಗ್ರಹಗಳ ಹಾಗೆ ದ್ವಾದಶ ರಾಶಿಗಳೊಳಗೆ ಮಾತ್ರವೆ ಸಂಚರಿಸದೆ, ಅವುಗಳಿಂದ ಹೊರಗೆ ದೂರಕ್ಕೆ ಹೋಗುತ್ತವೆ. ಫೊಕೇಯಾ ಗ್ರಹದ ಕ್ರಾಂತಿಯು ೨೧⅓ ಅಂಶಗಳ ವರೆಗೂ, ಪಲ್ಲಸ್ ಗ್ರಹದ ಕ್ರಾಂತಿಯು ೩೪⅓ ಅಂಶಗಳ ವರೆಗೂ ಬಾಗಿಯದೆ.

೪ನೆ. ಬೇರೆ ಗ್ರಹಗಳು ಸ್ವಲ್ಪ ಕಡಿಮೆ ಚಕ್ರಾಕಾರ ವೀಧಿಗಳಲ್ಲಿ ನಡಿಯುತ್ತಿರುವಾಗ್ಯೆ, ಈ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳ ವೀಧಿಗಳು ಚಕ್ರಾಕಾರಕ್ಕೆ ಬಹಳ ವ್ಯತಿರಿಕ್ತವಾಗಿ, ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ದೀರ್ಘಾಂಡಾಕಾರವಾಗಿವೆ. ಅವು ಮಹಾ ಗಾತ್ರವಾದ ಬೃಹಸ್ಪತಿಗೆ ಹತ್ರವಾಗಿರಲಾಗಿ, ಬೃಹಸ್ಪತಿಯ ಬಲವಾದ ಆಕರ್ಷಣದಿಂದ ಅವುಗಳ ಪರಿವರ್ತನವು ಬೇರೆ ಗ್ರಹಗಳಂತೆ ಏಕ ರೀತಿಯಾಗಿರದೆ, ಬಹಳ ಹಿಂದೆ ಮುಂದೆ ಆಗುತ್ತವೆ; ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ವೀಧಿಗಳ ಆಕಾರವು ಬಹು ವಿಧವಾಗುತ್ತದೆ. ಬೇರೆ ಗ್ರಹಗಳು ಹಾಗಲ್ಲ, ಇವು ಅಂಡಾಕಾರದಿಂದ ಅಪರೂಪವಾಗಿ ಮಾತ್ರವೆ ಸ್ವಲ್ಪ ಆಚೆ ಈಚೆ ಹೋಗುವದುಂಟು. ಈ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳ ವೀಧಿಗಳು ದೀರ್ಘಾಂಡಾಕಾರವಾಗಿರುವದರಿಂದ, ಸೂರ್ಯಕ್ಕೂ ಅವುಗಳಿಗೂ ಇರುವ ಲಂಬ ಸಹಾ ತಿರಿಗಿ ತಿರಿಗಿ ಬದಲಾಗುತ್ತಾ ಇರಲಾಗಿ, ಸೂರ್ಯ ಸಾಮಿಪ್ಯ ಸೂರ್ಯ ದೂರತ್ವ ೪ರಿಂದ ೪೦ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲುಗಳ ವರೆಗೆ ಹೆಚ್ಚು ಕಡಿಮೆ ಆಗ ಬಹುದು. ಇದೇ ಕಾರಣದಿಂದ ಈ ಸಣ್ಣ ಗ್ರಹಗಳು ಭೂಮಿಗೆ ಒಂದು ಸಾರಿ ಹತ್ರ ಬರುತ್ತವೆ, ಒಂದು ಸಾರಿ ಅದರಿಂದ ದೂರ ಹೋಗುತ್ತವೆ; ಮತ್ತು ಈ ಹೆಚ್ಚು ಕಡಿಮೆಯು ೪೬ರಿಂದ ೮೨ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲುಗಳ ವರೆಗೆ ಇರ ಬಹುದು. ಹಾಗೆ, ವಿರ್ಗೀನಿಯ ಒಂದು ಸಾರಿ ಭೂಮಿಗೆ ೧೮ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲುಗಳ ವರೆಗೆ ಹತ್ರ ಬಂದು, ಮತ್ತೆ ೯೧ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲುಗಳ ವರೆಗೆ ದೂರ ಹೋಗುವದುಂಟು; ಪೊಲಿಹಿಮ್ನಿಯು ೧೮¼ರಿಂದ ೧೦೦¼ ಮಿಲ್ಲಿಯ ಮೈಲುಗಳ ವರೆಗೆ ಹತ್ರಕ್ಕೂ ದೂರಕ್ಕೂ ವರ್ತಿಸುತ್ತದೆ.

# ೧೮೬೯ನೇ ವರುಷದಲ್ಲಿ ಬರುವ ಹಬ್ಬಗಳು.

ನಕ್ಷತ್ರಾಕಾರವು (ಅಂದರೆ ಈ * ಚಿನ್ಹೆಯು) ಸುವಾರ್ತಾಪಕ್ಷದವರಿಗೂ ರೋಮಾಯರಿಗೂ ಕೂಡ ಇರುವ ಹಬ್ಬಗಳನ್ನು ತೋರಿಸುತ್ತದೆ; ಕ್ರೂಜೆಯಾಕಾರವು (ಅಂದರೆ ಈ † ಚಿನ್ಹೆಯು) ರೋಮಾಯರಿಗೆ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ಇರುವ ಹಬ್ಬಗಳನ್ನು ತೋರಿಸುತ್ತದೆ.

## ಕ್ರೈಸ್ತರ ಹಬ್ಬಗಳು.

CHRISTIAN FESTIVALS.

ಜನವರಿ ೧ * ನವಸಂವತ್ಸರದ ಹಬ್ಬ (New year's day).
" ೬ * ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷತೆಯ ಹಬ್ಬ (Epiphany).
ಫೆಬ್ರುವರಿ ೨ † ಮರೀಯಳ ಶುದ್ಧೀಕರಣ.
" ೧೦ † ಉಪೋಶ್ಯದ ಮೊದಲನೇ ದಿನ.
ಮಾರ್ಚ ೧೯ † ಮರೀಯಳ ಸಪ್ತ ವ್ಯಥೆಗಳ ಹಬ್ಬ.
" ೨೧ † ಪಾಮ್ ಸಂಡೆ ಹಬ್ಬ.
" ೨೫ † ಮುಂಡೆ ಥರ್ಸ್ಡೆ ಹಬ್ಬ.
" ೨೬ * ಕ್ರಿಸ್ತನ ಮರಣದಿನ (Good Friday).
" ೨೭ † ಪರಿಶುದ್ಧ ಶನಿವಾರ.
" ೨೮ * ಪಸ್ಕದ ಹಬ್ಬ (Easter-day).
" ೨೯ † ಪಸ್ಕದ ಮೇಲಿನ ಸೋಮವಾರ.
" ೩೦ † ಪಸ್ಕದ ಮೇಲಿನ ಮಂಗಳ ವಾರ.
ಎಪ್ರಿಲ್ ೫ † ಕ್ರಿಸ್ತನ ತಾಯಿ ಮರೀಯಳಿಗಾದ ಶುಭವಾರ್ತೆ.
ಮೇ ೬ * ದಿವಾರೋಹಣದ ಹಬ್ಬ (Ascension day).
" ೧೬ * ಪಂಚಾಶತ್ತಿನ ಹಬ್ಬ (Pentecost).
" ೨೩ * ತ್ರಿಯೇಕತ್ವದ ಹಬ್ಬ (Trinity).
" ೨೭ † ಕೊರ್ಪುಸ್ ಕ್ರಿಸ್ತೀ ಹಬ್ಬ.
ಜೂನ್ ೨೪ † ಸ್ನಾನಿಕನಾದ ಯೋಹಾನನ ಜನ್ಮದಿನ.
" ೨೯ † ಪೇತ್ರನ ಮತ್ತು ಪೌಲನ ದಿನ.
ಜುಲೈ ೨ † ಮರೀಯಳ ಸಂದರ್ಶನ.
" ೧೬ † ಕಾರ್ಮೆಲ ಬೆಟ್ಟದ ಮರೀಯಳ ಹಬ್ಬ.
ಅಗೊಸ್ತು ೨ † ಪೋರ್ಶಿಯುಂಕುಲ ಹಬ್ಬ.
" ೧೦ † ರಕ್ತಸಾಕ್ಷಿಯಾದ ಲಾರೆನ್ಸನ ದಿನ.
" ೧೫ † ಮರೀಯಳ ಸ್ವರ್ಗಾರೋಹಣ.
ಸಪ್ತಂಬರ ೮ † ಮರೀಯಳ ಜನ್ಮದಿನ.
ಒಕ್ತೋಬರ ೪ † ಸನ್ ಫ್ರಾನ್ಸಿಸ್ ದೆ ಅಸ್ಸೀಸ್.
ನವಂಬರ ೧ † ಸಮಸ್ತ ಪರಿಶುದ್ಧರ ದಿನ.
" ೨ † ಸಮಸ್ತ ಪ್ರಾಣಗಳ ದಿನ.
" ೨೮ * ಕ್ರಿಸ್ತನ ಆಗಮ (Advent).
ದಶಂಬರ ೩ † ಸನ್ ಫ್ರಾನ್ಸಿಸ್ ಕ್ಸವೀರ್.
" ೮ † ಮರೀಯಳ ಶುದ್ಧೋತ್ಪತ್ತಿ.
" ೨೧ † ಅಪೊಸ್ತಲನಾದ ತೋಮನ ದಿನ.
" ೨೫ * ಕ್ರಿಸ್ತನ ಜನನದ ಹಬ್ಬ (Nativity of our Lord Jesus Christ).
" ೨೬ † ರಕ್ತಸಾಕ್ಷಿಯಾದ ಸ್ತೆಫನನ ದಿನ.

## ಮಹಮ್ಮದೀ ಹಬ್ಬಗಳು.

MAHOMMEDAN HOLIDAYS.

ಜನವರಿ ೧೪ ರಮ್‍ಜಾನ್ ತಿಂಗಳಿನ ಕಡೇ ದಿನ.
ಫೆಬ್ರುವರಿ ೧೪ ಜಿಲ್ಹಾಯದ್.

| | | |
|---|---|---|
| ಮಾರ್ಚ್ | ೧೫ | ಜಿಲ್‌ಹಜ್. |
| ಎಪ್ರಿಲ್ | ೧೪ | ಮೊಹರಮ್ ಹಬ್ಬದ ಆರಂಭ. |
| „ | ೨೩ | ಮೊಹರಮ್ ಹಬ್ಬದ ಕಡೇ ದಿನ. |
| ಮೇ | ೧೪ | ಸಫರ್ ಹಬ್ಬ. |
| ಜೂನ್ | ೯ | ಆಖರ್ ಚಾರ್‌ಶುಂಬ. |
| „ | ೧೨ | ರಬಿಲಾವಲ್. |
| ಜುಲೈ | ೧೧ | ರಬಿಲಾಖರ್. |
| „ | ೨೪ | ಶಬೀಬರಾತ್. |
| ಅಗೊಸ್ತು | ೧೦ | ಜಮಾದಿಲಾವಲ್. |
| ಸಪ್ತಂಬರ | ೮ | ಜಮಾದಿಲಾಖರ್. |
| ಒಕ್ಟೋಬರ | ೭ | ರಜಬ್. |
| ನವಂಬರ | ೬ | ಶಾಬಾನ್. |
| ದಶಂಬರ | ೫ | ರಮ್‌ಜಾನ್ ಹಬ್ಬದ ಆರಂಭ. |

## ಹಿಂದು ಹಬ್ಬಗಳು.

### HINDOO HOLIDAYS.

| | | |
|---|---|---|
| ಜನವರಿ | ೧೧ | ಮಕರಸಂಕ್ರಮಣ. |
| „ | ೨೦ | ರಥಸಪ್ತಮಿ. |
| ಫೆಬ್ರುವರಿ | ೯ | ಶಿವರಾತ್ರಿ. |
| „ | ೨೫ | ಹೋಳಿಹಬ್ಬ, ಕಾಮದಹನ. |
| „ | ೨೬ | ಹೋಳಿಹಬ್ಬದ ಕಡೇ ದಿನ. |
| ಮಾರ್ಚ್ | ೧೪ | ಚಾಂದ್ರಮಾನ ಯುಗಾದಿ. |
| „ | ೨೨ | ರಾಮಜಯಂತಿ. |
| ಎಪ್ರಿಲ್ | ೧೨ | ಸೌರಮಾನ ಯುಗಾದಿ. |
| ಮೇ | ೧೪ | ಅಕ್ಷತೃತೀಯು. |
| „ | „ | ಪರಶುರಾಮಜಯಂತಿ. |
| ಜುಲೈ | ೧೪ | ಕರ್ಕಾಟಕ ಸಂಕ್ರಮಣ, ದಕ್ಷಿಣಾಯನಾರಂಭ. |
| „ | ೧೯ | ಪ್ರಥಮೈಕಾದಶಿ. |
| „ | ೨೦ | ಪ್ರಥಮ ದ್ವಾದಶಿ. |
| ಅಗೊಸ್ತು | ೧೨ | ನಾಗರಪಂಚಮಿ, ಸಾಮವೇದಿಗಳಿಗೆ ಉಪಾಕರ್ಮ. |
| „ | ೨೧ | ಉಪಾಕರ್ಮ (ಋಗ್ವೇದಿಗಳಿಗೆ). |
| „ | ೨೨ | ಸಮುದ್ರಪೂಜೆ, ಯಜುರ್ವೇದಿಗಳಿಗೆ ಉಪಾಕರ್ಮ. |
| „ | ೨೯ | ಕೃಷ್ಣಾಷ್ಟಮಿ. |
| ಸಪ್ತಂಬರ | ೮ | ಗೌರಿ ತೃತೀಯ. |
| „ | ೯ | ವಿನಾಯಕಚತುರ್ಥಿ. |
| „ | ೧೦ | ಋಷಿಪಂಚಮಿ. |
| „ | ೧೩ | ಎಳೇ ಅಷ್ಟಮಿ. |
| „ | ೧೯ | ಅನಂತಚತುರ್ದಶಿ. |
| ಅಕ್ಟೋಬರ | ೧೬ | ಮಹಾಲಯ ಅಮವಾಸೆ. |
| „ | ೬ | ನವರಾತ್ರಿ ಆರಂಭ. |
| „ | ೧೧ | ಮೂಲನಕ್ಷತ್ರ, ಶಾರದಾಪೂಜೆ. |
| „ | ೧೩ | ಮಹಾನವಮಿ. |
| „ | ೧೪ | ವಿಜಯದಶಮಿ, ಶಮೀಪೂಜೆ. |
| „ | ೧೫ | ಕಾವೇರಿ ಸಂಕ್ರಮಣ, ದಂಪತಿಪೂಜೆ. |
| „ | „ | ವಿದ್ಯಾದಶಮಿ. |
| ನವಂಬರ | ೩ | ನರಕಚತುರ್ದಶಿ, ದೀಪಾವಳಿ ಪ್ರಾರಂಭ. |
| „ | ೪ | ಬಲಿಪಾಡ್ಯ, ಗೋಪೂಜೆ. |
| „ | ೧೬ | ಉತ್ಥಾನ ದ್ವಾದಶಿ, ತುಲಸೀಪೂಜೆ. |
| ದಶಂಬರ | ೯ | ಸುಬ್ರಹ್ಮಣ್ಯ ಷಷ್ಟಿ. |
| „ | ೧೫ | ಮುಕ್ಕೋಟಿ ದ್ವಾದಶಿ. |

## ೧೮೬೯ನೇ ವರುಷದಲ್ಲಿ ಆರಂಭವಾಗುವ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ಶಕಗಳು.

### HINDOO AND MAHOMMEDAN ERAS.

| | | |
|---|---|---|
| ಮಾರ್ಚ್ | ೧೪ | ಶುಕ್ಲವೆಂಬ ಚಾಂದ್ರಮಾನ ಸಂವತ್ಸರ, ೧೭೯೧ನೇ ಶಾಲಿವಾಹನಶಕದ ಆರಂಭವು. |
| ಎಪ್ರಿಲ್ | ೧೪ | ೧೨೮೬ನೇ ಮಹಮ್ಮದೀ ಹಿಜರೀ ಆರಂಭವು. |
| ಜುಲೈ | ೧ | ಫಸಲಿ ಎಂಬ ೧೨೭೯ನೇ ವರುಷದಾರಂಭವು. |
| ಅಗೊಸ್ತು | ೧೫ | ೧೦೪೫ನೇ ಕೊಲ್ಲಮ್ ವರ್ಷಾರಂಭವು. |
| ನವಂಬರ | ೪ | ೧೯೨೬ನೇ (ಗುಜ್ಜರ) ವಿಕ್ರಮಾದಿತ್ಯಶಕದಾರಂಭವು. |

೨೮, ೨೯, ೩೦, ೩೧ ದಿವಸಗಳಿರುವ ಪ್ರತಿ ತಿಂಗಳಿಗೆ ೧ ರೂಪಾಯಿಯಿಂದ ೫೦೦ ರೂಪಾಯಿ ವರೆಗೆ ಸಂಬಳ ಇರುವವರಿಗೆ ಪ್ರತಿ ಒಂದು ದಿವಸಕ್ಕೆ ಏನು ಬೀಳುತ್ತದೆಂಬದನ್ನು ತೋರಿಸುವ ಪಟ್ಟಿ.

| ತಿಂಗಳಿನ ಸಂಬಳ. | ೨೮ ದಿವಸಗಳ ತಿಂಗಳು. | | | ೨೯ ದಿವಸಗಳ ತಿಂಗಳು. | | | ೩೦ ದಿವಸಗಳ ತಿಂಗಳು. | | | ೩೧ ದಿವಸಗಳ ತಿಂಗಳು. | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ರೂ. | ರೂ. | ಆ. | ಪೈ. | ರೂ. | ಆ. | ಪೈ. | ರೂ. | ಆ. | ಪೈ. | ರೂ. | ಆ. | ಪೈ. |
| ೧ | ೦ | ೦ | ೭ | ೦ | ೦ | ೭ | ೦ | ೦ | ೬ | ೦ | ೦ | ೬ |
| ೨ | ೦ | ೧ | ೨ | ೦ | ೧ | ೧ | ೦ | ೧ | ೧ | ೦ | ೧ | ೦ |
| ೩ | ೦ | ೧ | ೯ | ೦ | ೧ | ೮ | ೦ | ೧ | ೭ | ೦ | ೧ | ೭ |
| ೪ | ೦ | ೨ | ೩ | ೦ | ೨ | ೨ | ೦ | ೨ | ೨ | ೦ | ೨ | ೧ |
| ೫ | ೦ | ೨ | ೧೦ | ೦ | ೨ | ೯ | ೦ | ೨ | ೮ | ೦ | ೨ | ೭ |
| ೬ | ೦ | ೩ | ೫ | ೦ | ೩ | ೪ | ೦ | ೩ | ೨ | ೦ | ೩ | ೧ |
| ೭ | ೦ | ೪ | ೦ | ೦ | ೩ | ೧೦ | ೦ | ೩ | ೯ | ೦ | ೩ | ೭ |
| ೮ | ೦ | ೪ | ೭ | ೦ | ೪ | ೫ | ೦ | ೪ | ೩ | ೦ | ೪ | ೨ |
| ೯ | ೦ | ೫ | ೨ | ೦ | ೫ | ೦ | ೦ | ೪ | ೧೦ | ೦ | ೪ | ೮ |
| ೧೦ | ೦ | ೫ | ೯ | ೦ | ೫ | ೬ | ೦ | ೫ | ೪ | ೦ | ೫ | ೨ |
| ೧೧ | ೦ | ೬ | ೩ | ೦ | ೬ | ೧ | ೦ | ೫ | ೧೦ | ೦ | ೫ | ೮ |
| ೧೨ | ೦ | ೬ | ೧೦ | ೦ | ೬ | ೭ | ೦ | ೬ | ೫ | ೦ | ೬ | ೨ |
| ೧೩ | ೦ | ೭ | ೫ | ೦ | ೭ | ೨ | ೦ | ೬ | ೧೧ | ೦ | ೬ | ೯ |
| ೧೪ | ೦ | ೮ | ೦ | ೦ | ೭ | ೯ | ೦ | ೭ | ೬ | ೦ | ೭ | ೩ |
| ೧೫ | ೦ | ೮ | ೭ | ೦ | ೮ | ೩ | ೦ | ೮ | ೦ | ೦ | ೭ | ೯ |
| ೧೬ | ೦ | ೯ | ೨ | ೦ | ೮ | ೧೦ | ೦ | ೮ | ೬ | ೦ | ೮ | ೩ |
| ೧೭ | ೦ | ೯ | ೯ | ೦ | ೯ | ೫ | ೦ | ೯ | ೧ | ೦ | ೮ | ೯ |
| ೧೮ | ೦ | ೧೦ | ೩ | ೦ | ೯ | ೧೧ | ೦ | ೯ | ೭ | ೦ | ೯ | ೩ |
| ೧೯ | ೦ | ೧೦ | ೧೦ | ೦ | ೧೦ | ೬ | ೦ | ೧೦ | ೨ | ೦ | ೯ | ೧೦ |
| ೨೦ | ೦ | ೧೧ | ೫ | ೦ | ೧೧ | ೦ | ೦ | ೧೦ | ೮ | ೦ | ೧೦ | ೪ |
| ೨೧ | ೦ | ೧೨ | ೦ | ೦ | ೧೧ | ೭ | ೦ | ೧೧ | ೨ | ೦ | ೧೦ | ೧೦ |
| ೨೨ | ೦ | ೧೨ | ೭ | ೦ | ೧೨ | ೨ | ೦ | ೧೧ | ೯ | ೦ | ೧೧ | ೪ |
| ೨೩ | ೦ | ೧೩ | ೨ | ೦ | ೧೨ | ೮ | ೦ | ೧೨ | ೩ | ೦ | ೧೧ | ೧೦ |
| ೨೪ | ೦ | ೧೩ | ೯ | ೦ | ೧೩ | ೩ | ೦ | ೧೨ | ೧೦ | ೦ | ೧೨ | ೫ |
| ೨೫ | ೦ | ೧೪ | ೩ | ೦ | ೧೩ | ೧೦ | ೦ | ೧೩ | ೪ | ೦ | ೧೨ | ೧೧ |
| ೨೬ | ೦ | ೧೪ | ೧೦ | ೦ | ೧೪ | ೪ | ೦ | ೧೩ | ೧೦ | ೦ | ೧೩ | ೫ |
| ೨೭ | ೦ | ೧೫ | ೫ | ೦ | ೧೪ | ೧೧ | ೦ | ೧೪ | ೫ | ೦ | ೧೩ | ೧೧ |
| ೨೮ | ೧ | ೦ | ೦ | ೦ | ೧೫ | ೫ | ೦ | ೧೪ | ೧೧ | ೦ | ೧೪ | ೫ |
| ೨೯ | ೧ | ೦ | ೭ | ೧ | ೦ | ೦ | ೦ | ೧೫ | ೬ | ೦ | ೧೫ | ೦ |
| ೩೦ | ೧ | ೧ | ೨ | ೧ | ೦ | ೭ | ೧ | ೦ | ೦ | ೦ | ೧೫ | ೬ |
| ೩೧ | ೧ | ೧ | ೯ | ೧ | ೧ | ೧ | ೧ | ೦ | ೬ | ೧ | ೦ | ೦ |
| ೩೨ | ೧ | ೨ | ೩ | ೧ | ೧ | ೮ | ೧ | ೧ | ೧ | ೧ | ೦ | ೬ |
| ೩೩ | ೧ | ೨ | ೧೦ | ೧ | ೨ | ೨ | ೧ | ೧ | ೭ | ೧ | ೧ | ೦ |
| ೩೪ | ೧ | ೩ | ೫ | ೧ | ೨ | ೯ | ೧ | ೨ | ೨ | ೧ | ೧ | ೭ |
| ೩೫ | ೧ | ೪ | ೦ | ೧ | ೩ | ೪ | ೧ | ೨ | ೮ | ೧ | ೨ | ೧ |
| ೩೬ | ೧ | ೪ | ೭ | ೧ | ೩ | ೧೦ | ೧ | ೩ | ೨ | ೧ | ೨ | ೭ |
| ೩೭ | ೧ | ೫ | ೨ | ೧ | ೪ | ೫ | ೧ | ೩ | ೯ | ೧ | ೩ | ೧ |
| ೩೮ | ೧ | ೫ | ೯ | ೧ | ೫ | ೦ | ೧ | ೪ | ೩ | ೧ | ೩ | ೭ |
| ೩೯ | ೧ | ೬ | ೩ | ೧ | ೫ | ೬ | ೧ | ೪ | ೧೦ | ೧ | ೪ | ೧ |
| ೪೦ | ೧ | ೬ | ೧೦ | ೧ | ೬ | ೧ | ೧ | ೫ | ೪ | ೧ | ೪ | ೭ |
| ೪೧ | ೧ | ೭ | ೫ | ೧ | ೬ | ೭ | ೧ | ೫ | ೧೦ | ೧ | ೫ | ೨ |
| ೪೨ | ೧ | ೮ | ೦ | ೧ | ೭ | ೨ | ೧ | ೬ | ೫ | ೧ | ೫ | ೮ |
| ೪೩ | ೧ | ೮ | ೭ | ೧ | ೭ | ೯ | ೧ | ೬ | ೧೧ | ೧ | ೬ | ೮ |
| ೪೪ | ೧ | ೯ | ೨ | ೧ | ೮ | ೩ | ೧ | ೭ | ೬ | ೧ | ೬ | ೯ |
| ೪೫ | ೧ | ೯ | ೯ | ೧ | ೮ | ೧೦ | ೧ | ೮ | ೦ | ೧ | ೭ | ೮ |
| ೪೬ | ೧ | ೧೦ | ೩ | ೧ | ೯ | ೫ | ೧ | ೮ | ೬ | ೧ | ೭ | ೯ |
| ೪೭ | ೧ | ೧೦ | ೧೦ | ೧ | ೯ | ೧೧ | ೧ | ೯ | ೧ | ೧ | ೮ | ೩ |
| ೪೮ | ೧ | ೧೧ | ೫ | ೧ | ೧೦ | ೬ | ೧ | ೯ | ೭ | ೧ | ೮ | ೯ |
| ೪೯ | ೧ | ೧೨ | ೦ | ೧ | ೧೧ | ೦ | ೧ | ೧೦ | ೨ | ೧ | ೯ | ೩ |
| ೫೦ | ೧ | ೧೨ | ೭ | ೧ | ೧೧ | ೭ | ೧ | ೧೦ | ೮ | ೧ | ೯ | ೧೦ |
| ೧೦೦ | ೩ | ೯ | ೨ | ೩ | ೭ | ೨ | ೩ | ೫ | ೪ | ೩ | ೩ | ೭ |
| ೨೦೦ | ೭ | ೨ | ೩ | ೬ | ೧೪ | ೪ | ೬ | ೧೦ | ೮ | ೬ | ೭ | ೩ |
| ೩೦೦ | ೧೦ | ೧೧ | ೫ | ೧೦ | ೫ | ೬ | ೧೦ | ೦ | ೦ | ೯ | ೧೦ | ೧೦ |
| ೪೦೦ | ೧೪ | ೪ | ೭ | ೧೩ | ೧೨ | ೮ | ೧೩ | ೫ | ೪ | ೧೨ | ೧೪ | ೫ |
| ೫೦೦ | ೧೭ | ೧೩ | ೯ | ೧೭ | ೩ | ೧೦ | ೧೬ | ೧೦ | ೮ | ೧೬ | ೨ | ೧ |

# The Canarese Almanac
# 1869

ಕಂನಡ

# ಪಂಚಾಂಗವು

ಕ್ರಿಸ್ತಶಕ ೧೮೬೯

ಹಿಂದು:

ಶಾಲಿವಾಹನ ಶಕ ೧೭೯೦ — ೧೭೯೧.

ವಿಭವ ಸಂವತ್ಸರದ ಅಂತ್ಯ, ಶುಕ್ಲ ಸಂವತ್ಸರದ ಆದಿ.

ವಿಕ್ರಮಾದಿತ್ಯನ ಶಕ ೧೯೨೫ — ೧೯೨೬.

ಕೊಲ್ಲ ೧೦೪೪ — ೧೦೪೫.

ಮಹಮ್ಮದಿ:

ಹಿಜರಿ ೧೨೮೫ — ೧೨೮೬.

ಫಸಲಿ ೧೨೭೮ — ೧೨೭೯.

MANGALORE

PRINTED BY STOLZ & REUTHER, BASEL MISSION PRESS